सेंसेक्स
76,693.36 +1,618.85
डॉलर
83.525 +0.059
रांची सर्राफा
10 ग्राम 67,400
01 किलो 96,000

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

पेज 16

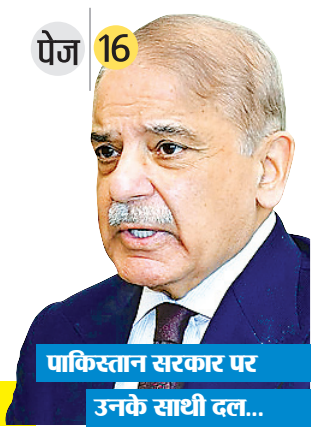

पाकिस्तान सरकार पर उनके साथी दल...

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 04, संवत 2081 | डालटनगंज (मेदिनीनगर), सोमवार, 10 जून 2024, वर्ष-30, अंक-232, पृष्ठ-16 | ₹3.00 | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

तीसरी बार पीएम बनकर मोदी ने रचा इतिहास

1951-52 के आम चुनाव स्वतंत्र भारत में पहले थे, जो अक्टूबर 1951 से फरवरी 1952 तक हुए थे। नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस विजयी हुई, उसने लोकसभा की 489 सीटों में से 364 सीटें हासिल की। यह कुल सीटों का लगभग 75 प्रतिशत था। 1957 के चुनावों ने भारतीय राजनीति में नेहरू के प्रभुत्व को मजबूत किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी ने ऐतिहासिक शपथ के साथ की नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी

एजेंसी

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी ने रविवार (9 जून) शाम को राष्ट्रीय राजधानी में राष्ट्रपति भवन में लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए भारत के प्रधान मंत्री के रूप में शपथ ली, और पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की उपलब्धि की बराबरी की। पीएम मोदी भारत के इतिहास में लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बनने वाले दूसरे व्यक्ति हैं। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 1952, 1957 और 1962 के आम चुनावों में जीत हासिल की थी। लोकसभा चुनाव 2024 में कड़े मुकाबले में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की जीत के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पीएम को शपथ दिलाई।

स्वतंत्र भारत के पहले प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्रता दिवस से 27 मई, 1964 तक सत्ता में रहे, जब दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हो गई। मोदी के विपरीत, नेहरू को मजबूत विरोध का सामना नहीं करना पड़ा क्योंकि उस समय एकमात्र राज्य और राष्ट्रीय स्तर की राजनीतिक पार्टी कांग्रेस ने सर्वोच्च शासन किया था। उन्होंने केंद्र में अपने तीन कार्यकाल भारी बहुमत से जीते। हालांकि, 1962 के लोकसभा चुनाव में एक और शानदार जीत के बावजूद, नेहरू को कांग्रेस के भीतर और बाहर, विशेषकर क्षेत्रीय दलों से, उनके अधिकार पर सवाल उठाते हुए चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

1951-52 के आम चुनाव स्वतंत्र भारत में पहले थे, जो अक्टूबर 1951 से फरवरी 1952 तक हुए थे। नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस विजयी हुई, उसने लोकसभा की 489 सीटों में से 364 सीटें हासिल कीं। यह कुल सीटों का लगभग 75% था। 1957 के चुनावों ने भारतीय राजनीति में नेहरू के प्रभुत्व को मजबूत किया। कांग्रेस ने लोकसभा की 494 सीटों में से 371 सीटें जीतीं, जो पिछले चुनाव से थोड़ी अधिक है। न केवल राष्ट्रीय स्तर पर, बल्कि राज्यों में भी कांग्रेस का शासन 1957 तक निर्विवाद रहा, जब वह केरल में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) से हार गई।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी से लगातार तीसरी बार सांसद निर्वाचित हुए मोदी का जन्म गुजरात के वडनगर में 17 सितंबर 1950 को हुआ। जब वे 8 साल के थे तो वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आए। साल 1970 में वह संघ के प्रचारक बन गये। 1975 संघ द्वारा मोदी को 'गुजरात लोक संघर्ष समिति' का महासचिव नियुक्त किया गया था। आपातकाल के दौरान गिरफ्तारी से बचने के लिए मोदी को अंडरग्राउंड होने के लिए मजबूर होना पड़ा। वह सरकार का विरोध करने वाली पम्फलेट की प्रिंटिंग में शामिल थे। सूरत एवं वडोदरा में होने वाले संघ के कार्यक्रमों में वे बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने लगे। वर्ष 1979 में वह संघ के संभाग प्रचारक बनाए गए। 1987 में मोदी को भाजपा की गुजरात इकाई के संगठन सचिव का दायित्व मिला। मोदी को 1996 में भाजपा के महासचिव (संगठन) के रूप में पदोन्नत दिया गया। मोदी ने 1990 में लालकृष्ण आडवाणी की राम रथ यात्रा और 1991 में मुरली मनोहर जोशी की एकता यात्रा आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वर्ष 2001 केशुभाई पटेल का स्वास्थ्य खराब हुआ और भाजपा ने उप चुनावों में कुछ राज्य विधानसभा सीटें खो दी। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने पटेल की जगह मोदी को गुजरात के मुख्यमंत्री पद की कमान सौंप दी। सात अक्टूबर 2001 को मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। 24 फरवरी 2002 को उन्होंने राजकोट विधानसभा क्षेत्र से उपचुनाव जीता। तब से लेकर लगातार मई 2014 तक वह गुजरात के मुख्यमंत्री पद पर रहे। इसके बाद वे 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री बने।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शनिवार को शपथ ग्रहण समारोह से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए उन्हें 'एक तिहाई पीएम' कहा। कांग्रेस नेता के मुताबिक, लोकसभा चुनाव में टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू और जेडीयू प्रमुख नीतीश कुमार के समर्थन के बिना मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री नहीं बन पाते। नरेंद्र मोदी को 2024 के चुनावों में विनाशकारी व्यक्तिगत क्षति, राजनीतिक हार और नैतिक पराजय का सामना करना पड़ा है। वह एक तिहाई प्रधानमंत्री हैं, क्योंकि नायडू और नीतीश कुमार के बिना, वह प्रधानमंत्री नहीं होते। जयराम रमेश ने एएनआई से कहा कि 240 सीटों के साथ प्रधान मंत्री बने हैं।

शपथ ग्रहण समारोह में बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना के अलावा भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड', मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफीफ शामिल हुए।

प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी लोकसभा सीट से जीत की हैट्रिक लगाई। उन्होंने कांग्रेस के प्रत्याशी अजय राय को डेढ़ लाख से अधिक वोटों से हराया। पीएम मोदी तीसरी बार वाराणसी लोकसभा सीट से चुनावी मैदान में उतरे। पीएम नरेंद्र मोदी को 6,12,970 वोट मिले। वहीं, कांग्रेस के अजय राय को 4,60,457 और बसपा के अतहर जमाल लारी को 33,766 मत प्राप्त हुए है। पीएम मोदी वाराणसी सीट पर 1 लाख 50 हजार 513 वोट से चुनाव में विजयी हुए।

लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा नीत एनडीए के खाते में 293 सीटें आई हैं। जबकि, इंडिया गठबंधन के घटक दलों ने 234 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं, अन्य के खाते में 17 सीटें आई। भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। भाजपा ने 240 सीटों पर जीत हासिल की है।

परिचय
नाम : राजनाथ सिंह
उम्र : 73 वर्ष
दल : भाजपा

परिचय
नाम : अमित शाह
उम्र : 59 वर्ष
दल : भाजपा

परिचय
नाम : नितिन गडकरी
उम्र : 67 वर्ष
दल : भाजपा

परिचय
नाम : शिवराज चौहान
उम्र : 64 वर्ष
दल : भाजपा

परिचय
नाम : जेपी नड्डा
उम्र : 63 वर्ष
दल : भाजपा

परिचय
नाम : पीयूष गोयल
उम्र : 59 वर्ष
दल : भाजपा

परिचय
नाम : निर्मला सीतारमण
उम्र : 64 वर्ष
दल : भाजपा

परिचय
नाम : एस. जयशंकर
उम्र : 69 वर्ष
दल : भाजपा

इस बार शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी ने पहनी नीली जैकेट इस रंग का क्या है मतलब!

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार पद और गोपनीयता की शपथ ली। उनके साथ 71 मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण किया। पीएम मोदी ने इस बार राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में रॉयल ब्लू (शाही नीला) रंग की जैकेट पहनी हुई थी। पीएम मोदी हमेशा एक खास तरह की जैकेट पहनते हैं, जो अब 'मोदी जैकेट' के नाम पर फेमस हो गई है। पीएम मोदी ने हर बार शपथ ग्रहण समारोह में अलग-अलग रंग की जैकेट पहनकर शपथ ली। पीएम मोदी की यह सारी जैकेट खासतौर पर अहमदाबाद में ही सिली जाती रही है। ऐसे में तीसरी बार पीएम पद की शपथ ले रहे नरेंद्र मोदी ने जैकेट शाही नीले रंग का चुना। ज्योतिष के अनुसार यह बेहद गहरा और शक्तिशाली रंग माना जाता है। यह रंग स्थिरता, ज्ञान, आत्मनिरीक्षण और आध्यात्मिक गहराई का प्रतीक माना गया है। यह रंग भावनाओं, ज्ञान और संवेदनशीलता को दशार्ने वाला है। नीला रंग मन को शांति देने वाला और संतुलन प्रदान करने वाला माना गया है। यह शक्ति और शांति को भी प्रदर्शित करता है। पहली बार जब 2014 में 26 मई को पीएम मोदी ने शपथ लिया था तो उन्होंने लाइट ब्राउन रंग की जैकेट पहनी थी। यह लाइट ब्राउन रंग ताकत और व्यावहारिक स्वभाव को दशार्ता है। इस रंग के प्रभाव में रहने वाले लोगों के बारे में कहा जाता है कि ऐसे लोग भरोसेमंद, मेहनती और जमीन से जुड़े होते हैं। वहीं, 2019 में जब पीएम मोदी ने दूसरी बार शपथ ग्रहण किया तो उन्होंने लाइट ग्रे कलर की जैकेट पहनी थी। इसके साथ ही पीएम मोदी हर बार सफेद रंग का कुर्ता पहने शपथ लेने पहुंचे।

मोदी 2.0 के समय में मंत्री रहे 34 पार्टी नेताओं को इस बार नहीं मिल पाई मंत्रिमंडल में जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी ने देश के प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी बार शपथ ग्रहण किया और इसके साथ ही मोदी 3.0 में 71 मंत्रियों को भी शपथ दिलाई गई। लेकिन, मोदी 2.0 के 34 ऐसे मंत्री थे, जिनको इस बार मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिल पाई। इनमें से कई चेहरे ऐसे रहे जो इस बार के लोकसभा चुनाव में अपनी सीट बचाने में कामयाब नहीं रहे।

नरेंद्र मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में मंत्री रहे साध्वी निरंजन ज्योति, स्मृति ईरानी, अजय मिश्रा टेनी, महेंद्र नाथ पांडेय, संजीव बालियान, भानु प्रताप वर्मा और कौशल किशोर लोकसभा चुनाव हार चुके हैं। मोदी 3.0 में जिन नेताओं को कैबिनेट में शामिल नहीं किया गया। उसमें स्मृति ईरानी, अनुराग ठाकुर, राजीव चंद्रशेखर, अजय मिश्रा टेनी, जनरल वीके सिंह, अश्विनी चौबे और नारायण राणे का नाम शामिल है। इसी तरह से अजय भट्ट, साध्वी निरंजन ज्योति, मीनाक्षी लेखी, राजकुमार रंजन सिंह, आरके सिंह, अर्जुन मुंडा, निशीथ प्रमाणिक, सुभाष सरकार, जॉन बारला, भारती पंवार, रावसाहेब दानवे, कपिल पाटिल, नारायण राणे और भगवत कराड को भी कैबिनेट में जगह नहीं दी गई है।

अजय भट्ट, अनुराग ठाकुर और नारायण राणे तो ऐसे नेता हैं, जो अपनी-अपनी सीटों पर भारी मतों से विजयी हुए हैं। इसके बाद भी उन्हें कैबिनेट में जगह नहीं मिल पाई है।

जबकि, साध्वी निरंजन, आरके सिंह, अर्जुन मुंडा, स्मृति ईरानी, राजीव चंद्रशेखर, निशीथ प्रमाणिक, अजय मिश्र टेनी, सुभाष सरकार, भारती पंवार, राव साहेब दानवे और कपिल पाटिल को इस बार चुनाव में हार का मुंह देखना पड़ा है। जबकि, पार्टी ने मीनाक्षी लेखी, राजकुमार रंजन सिंह, जनरल वीके सिंह, जॉन बारला और अश्विनी चौबे को इस बार टिकट नहीं दिया।

नरेंद्र मोदी 3.0 मंत्रिमंडल में अब जिन 34 चेहरों को आप नहीं देख पाएंगे उनमें अर्जुन मुंडा, स्मृति ईरानी, अनुराग ठाकुर, नारायण तातु राणे, राज कुमार सिंह, महेंद्र नाथ पांडे, पुरुषोत्तम रूपाला, फग्गनसिंह कुलस्ते, अश्विनी कुमार चौबे, वीके सिंह, दानवे रावसाहेब, निरंजन ज्योति, संजीव कुमार बालियान, राजीव चन्द्रशेखर, भानु प्रताप सिंह, दर्शना हरदोश, वी. मुरलीधरन, मीनाक्षी लेखी, सोम प्रकाश, कैलाश चौधरी, रामेश्वर तेली, नारायण स्वामी, कौशल किशोर, अजय कुमार, कपिल पाटिल, सुभाष सरकार, प्रतिमा भौमिक, भागवत कराड, राजकुमार रंजन सिंह, भारती पवार, बिश्वेश्वर टुडू, डॉ. मुंजापारा, जॉन बारला, निशीथ प्रमाणिक शामिल हैं।

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 04, संवत 2081 | डालटनगंज (मेदिनीनगर), सोमवार, 10 जून 2024, वर्ष-30, अंक-232, पृष्ठ-16 | ₹3.00 | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

सेंसेक्स
76,693.36 ↑ +1,618.85

डॉलर
83.525 ↑ +0.059

रांची सर्राफा
10 ग्राम 67,400
01 किलो 96,000

पेज 16

पाकिस्तान सरकार पर उनके साथी दल...

मोदी 3.0 कैबिनेट में इन मंत्रियों ने ली शपथ

एजेंसी

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी ने रविवार को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पीएम मोदी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। पीएम मोदी ने शपथ ग्रहण करने के साथ देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की बराबरी कर ली, जो इससे पहले लगातार तीन बार देश के पीएम रह चुके हैं। नरेंद्र मोदी के बाद दूसरे नंबर पर राजनाथ सिंह और तीसरे नंबर पर अमित शाह ने केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में नितिन गडकरी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान, निर्मला सीतारमण, एस. जयशंकर ने केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली।

हरियाणा के पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ग्रहण किया। वह करनाल लोकसभा सीट से जीतकर पहली बार संसद पहुंचे हैं।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने मोदी 3.0 में कैबिनेट मंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली। भाजपा नेता पीयूष गोयल ने पीएम मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। वह मोदी सरकार में तीसरी बार मंत्री बने हैं।

इसके अलावा धर्मेंद्र प्रधान, जीतनराम मांझी ने मोदी 3.0 में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। मांझी पहली बार केंद्रीय में मंत्री बने हैं।

जेडीयू नेता और बिहार के मुंगेर से सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह पहली बार केंद्र में मंत्री बने हैं।

असम के पूर्व मुख्यमंत्री और असम के डिब्रूगढ़ से भाजपा सांसद सबार्नंद सोनेवाल, एमपी के टीकमगढ़ से भाजपा सांसद वीरेंद्र कुमार, आंध्र प्रदेश की श्रीकाकुलम से लोकसभा सीट से तेलुगु देशम पार्टी के सांसद राममोहन नायडू, भाजपा नेता प्रल्हाद जोशी, जुएल उरांव कैबिनेट मंत्री बने।

गिरिराज सिंह, अश्विनी वैष्णव, ज्योतिरादित्य सिंधिया, भूपेंद्र यादव, गजेंद्र सिंह शेखावत, अन्नपूर्णा देवी, किरेन रिजिजू, हरदीप सिंह पुरी, मनसुख मांडविया, जी. किशन रेड्डी, चिराग पासवान, सीआर. पाटिल ने एनडीए सरकार में मंत्री पद की शपथ ली।

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

राव इंद्रजीत सिंह, जितेंद्र सिंह, अर्जुन राम मेघवाल, प्रताप राव जाधव, जयंत चौधरी, जितिन प्रसाद, श्रीपद यशो नाइक, पंकज चौधरी, कृष्णपाल गुर्जर, रामदास अठावले, रामनाथ ठाकुर, नित्यानंद राय, अनुप्रिया पटेल, वी. सोमन्ना, चंद्रशेखर सम्मानी, एसपी सिंह बघेल, शोभा करांदलाजे, कीर्तिवर्धन सिंह, बनवारी लाल वर्मा, शांतनु ठाकुर, सुरेश गोपी, एल मुरुगन, अजय टम्टा, बी. संजय कुमार, कमलेश पासवान, भागीरथ चौधरी, सतीश दुबे, संजय सेठ, रवनीत सिंह बिट्टू, दुगार्दास उइके, रक्षा खडसे, सुकांत मजूमदार, सावित्री ठाकुर, तोखन साहू, राजभूषण निषाद, भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा, हर्ष मल्होत्रा, नीमूबेन बमभानिया, मुरलीधर मोहोल, जॉर्ज कुरियन, पबित्रा मार्गेरिटा। प्रधानमंत्री मोदी की नई टीम में इस बार 30 कैबिनेट मंत्री, 5 स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री और 36 राज्य मंत्री शामिल हैं। ये सभी मंत्री देश के 24 राज्यों के साथ-साथ सभी क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

पीएम मोदी के नए मंत्रिमंडल में 27 ओबीसी, 10 एससी, 5 एसटी, 5 अल्पसंख्यक मंत्री शामिल हैं। इसमें 18 वरिष्ठ मंत्री भी शामिल हैं।

नए मंत्रिमंडल में 11 एनडीए सहयोगी दलों से मंत्री बनाए गए हैं। इसमें से 43 ऐसे सांसद मंत्री बने हैं, जो संसद में तीन या उससे अधिक कार्यकाल तक सेवा दे चुके हैं। इसके साथ ही 39 ऐसे मंत्री बनाए गए हैं, जो पहले भी भारत सरकार में मंत्री रह चुके हैं। मंत्रिमंडल में कई पूर्व मुख्यमंत्री, 34 राज्य विधानसभाओं में सेवा दे चुके सदस्य और 23 राज्यों में मंत्री के रूप में काम कर चुके सदस्यों को भी सांसद चुने जाने के बाद जगह दी गई है।

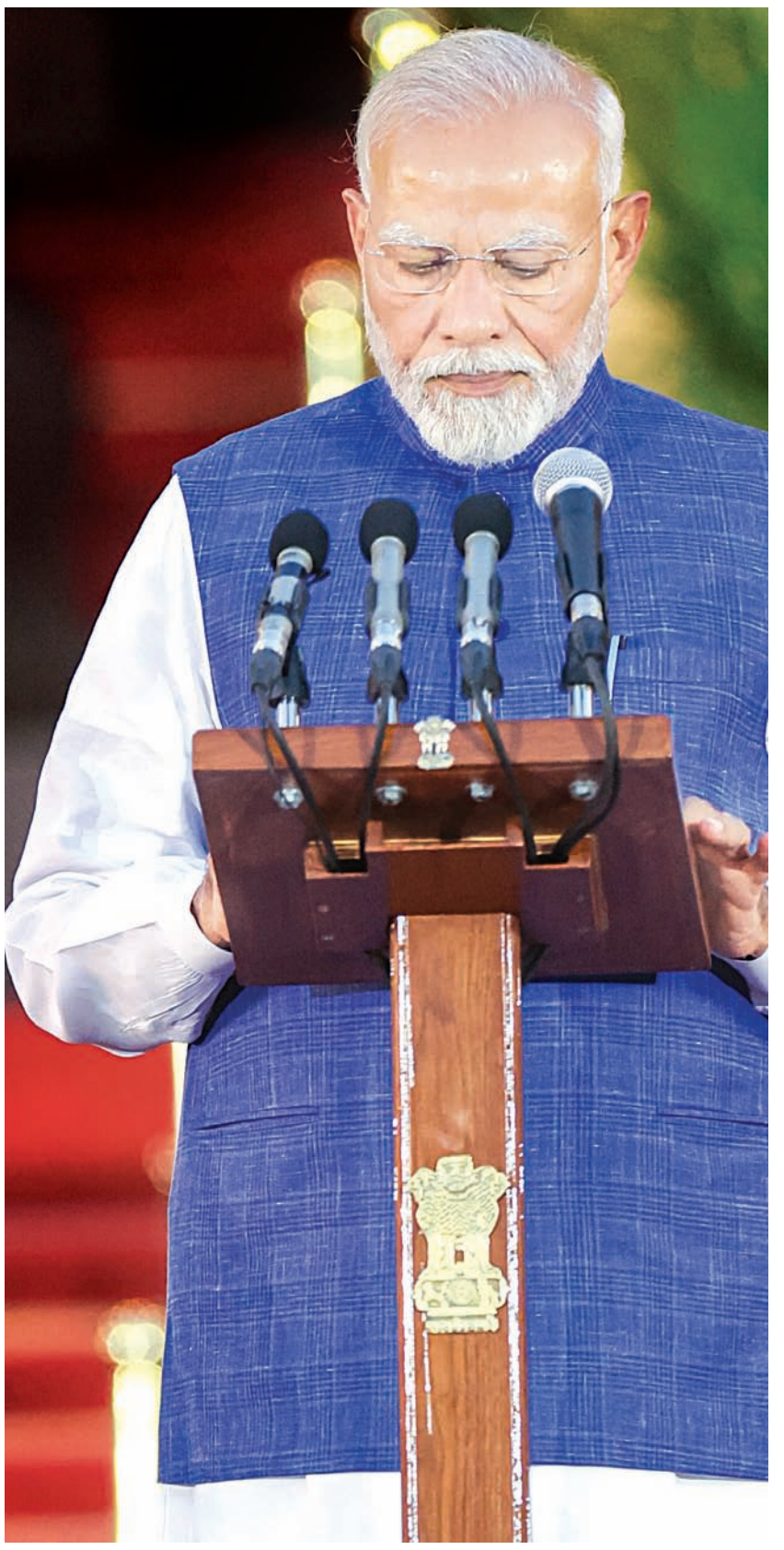

ज्योतिष के अनुसार फरवरी 2025 से फरवरी 2026 तक एनडीए सरकार पर संकट

बच गई तो पांच साल पूरा करेगी

-आरपी सिंह

नई दिल्ली। नरेंद्र दामोदरदास मोदी ने नौ जून रविवार की शाम को 7 बजकर 15 मिनट पर प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। ज्योतिषि उनकी व भाजपा की कुंडली देखकर उनके तीसरे कार्यकाल के बारे में कई तरह की बात कर रहे हैं। मोदी ने पुनर्वसु नक्षत्र में शपथ लिया। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 240 सीटें जीतीं हैं, जो कि पूर्ण बहुमत 272 के आंकड़े से 32 कम है।

भाजपा का जन्म या स्थापना दिल्ली में 6 अप्रैल 1980 में दोपहर 11:45 बजे हुई थी। मिथुन लग्न की इस कुंडली में दशम भाव में दिग्बली सूर्य बैठे हैं, जिस वजह से यह पार्टी सत्ता के शिखर पर सवार हैं। लग्नेश बुध भाग्य धर्म के नवें भाव में मित्र राशि में बैठे हैं। इसके कारण इसकी धार्मिक पहचान बनी है। फि लहाल बीजेपी की चंद्र में बुध की अंतर्दशा में चल रही है। चंद्रमा द्वितीयेश होकर अपनी नीच राशि में छठे भाव में बैठे हैं और बुध लग्नेश होकर नवम भाव में बैठे हैं। चंद्रमा पर राशि मंगल की दृष्टि है, जो राजयोग का निर्माण कर रही है। छठा भाव संघर्ष का होता हैं, जो मजबूत है। षष्ठेश मंगल दशमेश गुरु के साथ हैं इसलिए इस पार्टी को संघर्ष से सफलता मिली है। बुध पर चूंकि बहुत से बुरे ग्रहों का प्रभाव है इसलिए इस बार कि सफलता में कुछ कमी रह गई है। बुध के बाद केतु की अंतर्दशा आएगी, जो जुलाई 2025 से फरवरी 2026 तक रहने वाली है। यह समय भाजपा के लिए काफी उठा पटक वाला रहेगा। इस अवधि में पार्टी में काफी आंतरिक कलह क्लेश हो सकता है, जो किसी धार्मिक मुद्दे को लेकर होने की संभावना है। अप्रैल 2026 से दिसंबर 2026 के दौरान इस पार्टी के साथ कुछ अन्य दल भी जुड़ सकते हैं। बीजेपी के लिए सबसे मुश्किल समय 2026 के अक्टूबर से सितंबर 2027 तक का समय रहेगा। इस अवधि में सत्तारूढ़ पार्टी के रूप में इसका प्रदर्शन काफी कमजोर होने की आशंका बन रही है। तब हो सकता है नेतृत्व बदले और कुछ अन्य दल इसे समर्थन दें, तभी एनडीए सरकार बचेगी और अपना कार्यकाल पूरा कर पाएगी, वरना खतरा है।

मोदी की कुंडली के अनुसार

17 सितंबर 1950 को दोपहर के समय वडनगर, मेहसाणा गुजरात में पैदा हुए नरेन्द्र दामोदर दास मोदी की जन्म कुंडली वृश्चिक लग्न की है, जिसमें जन्म लग्न में लग्नेश और षष्टेश (रोग और शत्रु) मंगल का नवमेश (भाग्य) चंद्रमा से एक बड़ा राजयोग बन रहा है। जनता में लोकप्रियता के कारक ग्रह शनि दशम भाव में शुभ ग्रह शुक्र से युत होकर पंचमेश गुरु से दृष्ट है। लेकिन दशमेश (राज सत्ता) सूर्य का पाप ग्रह केतु और अष्टमेश बुध से युत होगा, उनके कुछ सहयोगियों के कारण आने वाले समय में किसी विपदा में पड़ने का ज्योतिषीय योग है। 5 जून 2024 से 5 जून 2025 तक चलने वाली बेहद चुनौतीपूर्ण छठे भाव के स्वामी मंगल की महा दशा में अष्टम भाव के अधिपति बुध की अन्तर्दशा कुछ विवादों और राजनीतिक षड्यंत्रों की ओर ज्योतिषीय संकेत दे रही है। बाद में वर्ष 2025 के अंत में मंगल में केतु की अशुभ दशा में विवादों और स्वास्थय कारणों के चलते उनको इस्तीफा भी देना पड़ सकता है। मोदी की शपथ ग्रहण कुंडली से देखें तो उसमें 20 फरवरी 2025 तक गुरु की दशा चलेगी, जिसमे उन पर कम दबाव होगा लेकिन 20 फरवरी 2025 के बाद अशुभ ग्रह शनि की दशा उनकी शपथ ग्रहण कुंडली में होगी, जो कि सहयोगी दलों के अड़ियल रुख और हठधर्मिता से उनको विचलित कर सकती है।

राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार मेरे जैसे छोटे कार्यकर्ताओं पर विश्वास जताने के लिए : सेठ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची के सांसद संजय सेठ को रविवार को मोदी कैबिनेट में मंत्री बनाए जाने पर सांसद सेठ ने राष्ट्रीय नेतृत्व के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि मेरे जैसे छोटे कार्यकर्ताओं पर विश्वास जताने के लिए दिल की गहराइयों से आभार। सेठ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, प्रदेश नेतृत्व प्रदेश के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, सहित सभी प्रदेश पदाधिकारी, देव तुल्य रांची लोकसभा के कार्यकर्ता, रांची की जनता का आभार जताया है। सेठ ने कहा रांची की जनता का विश्वास जिन्होंने मुझे दोबारा विजयी बनाया और आज रांची लोकसभा सहित पूरे देश की सेवा करने का जो अवसर मिला है इसके लिए देवतुल्य जनता और कार्यकर्ताओं को दिल की गहराइयों से नमन करता हूं। राष्ट्रीय नेतृत्व ने जिस विश्वास और आशा के साथ मुझे जो नई जिम्मेदारी दी है। उसे सबके आशीर्वाद से पूरा करने का प्रयास करूंगा। रांची लोकसभा का विकास मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी। वैश्विक नेता और नवभारत के निमार्ता देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मुझे काम करने का जो सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उसके द्वारा प्राप्त ऊर्जा और उनके मार्गदर्शन में दिन-रात काम करूंगा। साथ ही उन्होंने देश में तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी है।

केंद्र में दूसरी बार मंत्री बनीं अन्नपूर्णा देवी

कोडरमा। स्थानीय सांसद अन्नपूर्णा देवी लगातार दूसरी बार सांसद बनकर नरेंद्र मोदी कैबिनेट में दूसरी बार मंत्री भी बनी हैं। अब एक बार फिर स्थानीय लोगों के साथ ही झारखंड के लोगों की अपेक्षाएं बढ़ी हैं। कोडरमा लोकसभा सीट से इस बार भाजपा की अन्नपूर्णा देवी ने 376240 वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी। उन्होंने महागठबंधन की ओर से भाकपा माले प्रत्याशी विनोद सिंह को पराजित किया। इसके पहले 2019 में भी कोडरमा सीट पर भारतीय जनता पार्टी की अन्नपूर्णा देवी ने परचम लहराया था। उन्होंने तब जेवीएम के बाबूलाल मरांडी को 455600 वोटों से हराया था। साल 1998 में पति रमेश प्रसाद यादव के निधन के बाद राजनीति में आने वाली अन्नपूर्णा देवी ने गृहिणी से विधायक, मंत्री, सांसद और केंद्रीय मंत्री तक का सफर तय किया है। कोडरमा विधानसभा और लोकसभा दोनों का प्रतिनिधित्व कर चुकीं हैं। बिहार सरकार और झारखंड सरकार में मंत्री रहीं और केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में भी मंत्री बनीं। अन्नपूर्णा देवी ने 2019 का लोकसभा चुनाव झारखंड की कोडरमा सीट से लड़ा और जीत दर्ज की। 2019 से पहले वह लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल की प्रदेश अध्यक्ष थीं। उनके पति रमेश प्रसाद यादव वर्ष 1990 से 98 तक कोडरमा के विधायक रहे थे। पति के निधन के बाद 1998 में उन्होंने पहली बार विधानसभा का उपचुनाव लड़ा और बड़े अंतर से जीत हासिल की।

इंडिया

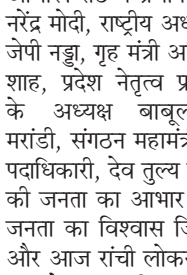

सुनील बादल

यूपी और बिहार के अलावा कुछ अन्य हिंदी भाषी राज्यों में इनकी जड़ें भले अभी जम रहीं हैं पर दक्षिण भारत, उत्तरपूर्व भारत और कुछ पश्चिमी भागों में ये सनातन विरोधी शक्तियां सक्रिय हैं।

भारत के टुकड़े करने वाले स्वयंभू भगवान

सोशल मीडिया पर किसी ने लिखा कि पैसा कमाने का सबसे तेज और आसान तरीका है भगवान बनना। इधर कुछ दशकों से स्वयंभू भगवान और उनकी तस्वीर लगी ताबीज पहने भक्तों की संख्या बढ़ती जा रही है। इन भगवानों के प्रार्थना केंद्र और आध्यात्मिक केंद्र शहरों के महंगे इलाकों के अलावा दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में फैले हैं। इनमें कुछ तो इतने बड़े हैं कि सैंकड़ों लोगों के आवासीय प्रशिक्षण की व्यवस्था निःशुल्क होती है या सांकेतिक रकम ली जाती है। यह नहीं कहा जा सकता कि ये गलत है और कुछ आपत्तिजनक है क्योंकि भारत में धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार सभी को है पर इन आध्यात्मिक केंद्रों की स्थापना, महंगी भूमि की खरीद और संचालन में आने वाले करोड़ों रुपए कहां से क्यों आ रहे हैं? सूत्रों के अनुसार इनको आर्थिक सहायता देने वाले ऐसे देश हैं जिनमें भारत विरोधी गतिविधियां चलाई जाती हैं। इन केंद्रों में सदस्यता लेने वाले लोगों को आध्यात्मिक ज्ञान के अलावा व्यवसाय करने के लिए पैसे या साधन दिए जाते हैं जिस कारण इनसे जुड़ने वाले लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। हिन्दी पट्टी में धर्म भीरु गरीब और पिछड़ी जातियों को ये अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से जोड़ रहे हैं जिन्हें राष्ट्रीय स्तर के कैम्पों में किसी बड़े फार्म हाउस में पूरा खर्च देकर बुलाया जाता है और वहां भगवान स्वरूप गुरुजी घुमा फिराकर यह बताते हैं कि हिंदू धर्म पाखंड है जिसमें ब्राह्मणवादी व्यवस्था हावी है और उन्हें निम्नस्तरीय समझा जाता है। गुरुजी के बारे में चमत्कारों की

कहानी फैलाई जाती है जिससे उनकी बातों का जादुई असर होता है। यूपी और बिहार के अलावा कुछ अन्य हिंदी भाषी राज्यों इनकी जड़ें भले अभी जम रहीं हैं पर दक्षिण भारत, उत्तरपूर्व भारत और कुछ पश्चिमी भागों में ये सनातन विरोधी शक्तियां सक्रिय हैं जो सार्वजनिक रूप से वर्जित खानपान और उल्टे काम कर नफरत फैलाने का प्रयास करती हैं। बिहार के सासाराम में लगभग चार वर्षों तक नौकरी के सिलसिले में था तब यूपी से सासाराम के शादी विवाहों के निमंत्रण देखकर चौंका था क्योंकि वे बिना मुहूर्त के हो रहीं थीं और पारंपरिक सनातनी रिवाजों से हटकर भी। वहां की कई दुकानों में गुरुजी के कैलेंडर लगे देखे थे। एक बार ट्रेन में सामने की बर्थ पर एक महिला अपनी पुत्री के साथ दिल्ली से आ रही थी जो गुरुग्राम के किसी बड़े फार्महाउस से गुरुजी के शिविर से लौट रही थी। सरल हृदय महिला और उनकी पुत्री ने हमें बताया कि जैसा सुना था वैसा नहीं मिला। गुरुजी सर पर हाथ रखकर सभी बीमारियों और गरीबी दूर करने वाले थे पर हजारों की भीड़ में संभव नहीं हुआ पर एक बात ठीक बोले कि पूजा पाठ बंद करो और बिना मुहूर्त शादी विवाह करो खर्चा कम हो जाएगा। एक चौथाई में मैरेज हॉल बैंड सब मिलता है। इस पर रिसर्च करने पर कुछ लोगों ने बताया कि पुराने सदस्यों को ही कैंपों में ले जाया जाता है जहां समान विचारधारा वाली पार्टियों को वोट करने के लिए प्रेरित किया जाता है ताकि पाखंड का अंत हो। अंदर की बात क्या है और ये तथाकथित भगवान क्या करते हैं गहन जांच का विषय है पर इतना अवश्य कहा जा सकता है कि यदि ये सुधारवादी अच्छे उद्देश्य से काम कर रहे हैं तो खुद को भगवान क्यों बता रहे हैं? क्या इस संसार की रचना करने संचालित करने की शक्तियां किसी नश्वर इंसान के पास है जैसा वे दावा करते हैं? विभेद से विचारों से भारत के टुकड़े करने वाले इन भगवानों की गतिविधियों या कुकृत्य जब मीडिया में आते हैं तब इन्हें हिंदू संत कहा जाता है जबकि ये अपना एजेंडा चलाते हैं। इनपर सरकारों को नजर रखनी चाहिए। विशेष रूप से इन्हें मिलने वाली विदेशी सहायता और प्रशिक्षण के मॉड्यूल पर नजर रखी जानी चाहिए। संभावना व्यक्त की जाती है कि ये एक नए प्रकार का अभियान है आसाराम राम रहीम जैसी घटनाओं के बाद जिसपर संदेह किया जा सकता है।

भारतीय लोकतंत्र को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहा जाता है। इसमें त्रिस्तरीय चुनाव होते हैं- लोकसभा, विधानसभा तथा नगर/ग्राम पंचायत चुनाव। 1952 से आज तक हुए लोकसभा चुनावों की दिलचस्प जानकारी राष्ट्रीय नवीन मेल दे रहा है। जनता से चुने गए प्रतिनिधियों से मिलकर लोकसभा बनी होती है, जिन्हें वयस्क मताधिकार के आधार पर प्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा चुना जाता है। संविधान में उल्लिखित सदन की अधिकतम क्षमता 552 सदस्यों की है, जिनमें 530 सदस्य राज्यों का व 20 सदस्य केंद्रशासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करते हैं और 2 सदस्यों को आंग्ल-भारतीय समुदायों के प्रतिनिधित्व के लिए राष्ट्रपति द्वारा नामांकित किया जाता है।

लोकसभा सफरनामा

पहली लोकसभा : 1952-1957

कुल सीट **499**

कांग्रेस **364**

सीपीआई **49**

जवाहर लाल नेहरू

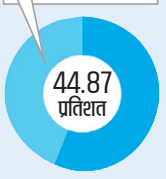

कांग्रेस पार्टी

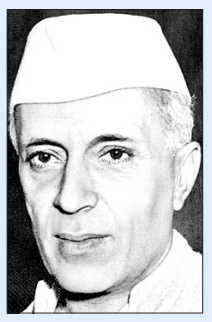

जी.वी. मावलंकर पहली लोकसभा के अध्यक्ष बने थे।

कांग्रेस पार्टी 364 सीटों के साथ विजयी हुई, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) 49 में से 16 सीटें हासिल करके दूसरे स्थान पर रही। सोशलिस्ट पार्टी (इंडिया) ने जयप्रकाश नारायण और राम मनोहर लोहिया के साथ मिलकर 254 सीटों पर चुनाव लड़ा जिसमें से मात्र 12 सीटें हासिल कीं। डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का शेड्यूल्ड कास्ट फेडरेशन (एससीएफ) जिन 35 सीटों पर चुनाव लड़ा उनमें से केवल दो सीटें ही सुरक्षित कर पाया और अम्बेडकर स्वयं चुनाव हार गये। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (कांग्रेस) 364 सीटों के साथ पहले लोकसभा चुनावों के बाद सत्ता में आई। इसके साथ पार्टी ने कुल पड़े वोटों का 45 प्रतिशत प्राप्त किया था।

स्वतंत्र भारत में चुनाव होने के पूर्व ही नेहरू के दो पूर्व कैबिनेट सहयोगियों ने कांग्रेस के वर्चस्व को चुनौती देने के लिए अलग राजनीतिक दलों की स्थापना कर ली थी। श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक ओर जहां अक्टूबर, 1951 में जनसंघ की स्थापना की, वहीं दूसरी ओर दलित नेता बी.आर. आम्बेडकर ने अनुसूचित जाति महासंघ (जिसे बाद में रिपब्लिकन पार्टी का नाम दिया गया) को पुनर्जीवित किया।

उपलब्धियां

पंडित जवाहरलाल नेहरू को 'आधुनिक भारत का निमार्ता' कहा जाता है। उन्होंने शिक्षा से

लेकर उद्योग जगत को बेहतर बनाने के लिए कई काम किए। उन्होंने आईआईटी, आईआईएम और विश्वविद्यालयों की स्थापना की। साथ ही उद्योग धंधों की भी शुरूआत की। उन्होंने भाखड़ा नांगल बांध, रिहंद बांध, हैवी इलेक्ट्रिकल कारपोरेशन (एचईसी) और बोकारो इस्पात कारखाना की स्थापना की थी। वह इन उद्योगों को देश के आधुनिक मंदिर मानते थे। जवाहरलाल नेहरू ने अपनी दूरदृष्टि और समझ से जो पंचवर्षीय योजनाएं बनाईं उनसे देश को आज भी लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री नेहरू के नेतृत्व में पहली पंचवर्षीय योजना कृषि क्षेत्र को ध्यान में रखकर बनाई गई तो दूसरी (1956-61) में औद्योगिक क्षेत्रों पर ध्यान दिया गया। जिसके तहत देश के विभिन्न भागों में बड़े-बड़े उद्योगों की स्थापना की गई साथ ही देश में कई बड़े डैम बनाए गए।

चुनौतियां

सबसे पहली चुनौती देश की एकता की स्थापना थी। 1952 में नेहरू ने स्वयं कहा था कि देश के

लिए सबसे महत्वपूर्ण कार्य राष्ट्रीय एकता की स्थापना है। फिर 1957 में नेहरू ने कहा कि देश के लिए सबसे महत्वपूर्ण कार्य आर्थिक विकास नहीं अपितु देश के लोगों का भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक एकीकरण है। जिस समय देश आजाद हुआ उस समय हमारे देश के नेता सबसे अधिक चिंतित राष्ट्रीय एकता के बारे में थे क्योंकि बिना राष्ट्रीय एकता के देश की स्वतंत्रता की रक्षा नहीं हो सकती थी। जवाहरलाल नेहरू का यह स्पष्ट रूप से मानना था कि बिना लोकतंत्र की स्थापना के देश में राष्ट्रीय एकता स्थापित नहीं की जा सकती। भारत विविधताओं वाला देश था और नेहरू के अनुसार इस देश को लोकतंत्र के ढांचे में ही बांधा जा सकता था। उनका मानना था कि हम बहुत ही खतरनाक युग में जी रहे हैं और इस युग में हम लोकतंत्र से ही अपनी रक्षा कर सकते हैं।

पहली पंच वर्षीय योजना के दौरान विकास दर 3.6 फीसदी दर्ज की गई। इसके अलावा प्रति व्यक्ति आय सहित अन्य क्षेत्रों में भी बढ़ोतरी हुई। पहली पंचवर्षीय योजना कृषि क्षेत्र को ध्यान में रखकर बनाई गई तो दूसरी (1956-61) में औद्योगिक क्षेत्रों पर ध्यान दिया गया। इस योजना के दौरान विकास दर 3.6 फीसदी दर्ज की गई, इसके अलावा प्रति व्यक्ति आय सहित अन्य क्षेत्रों में भी बढ़ोतरी हुई।

दूसरी लोकसभा : 1957-1962

कुल सीट **505**

कांग्रेस **371**

सीपीआई **29**

जवाहर लाल नेहरू

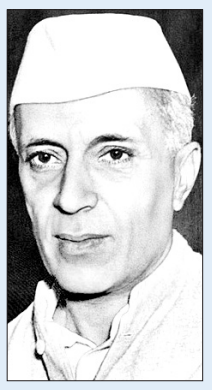

कांग्रेस पार्टी

पहली लोकसभा यानी 1952 की अपनी सफलता की कहानी को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 1957 में आयोजित हुए दूसरे लोकसभा चुनावों में भी दोहराने में कामयाब रही। कांग्रेस के 490 उम्मीदवारों में से 371 सीटें जीतने में कामयाब रहे। पार्टी ने कुल 5,75,79,589 मतों की जीत के साथ 47.78 प्रतिशत बहुमत सुरक्षित रखा। अच्छे बहुमत के साथ पंडित जवाहरलाल नेहरू सत्ता में वापस लौटे।

11 मई, 1957 को एम. अनंथसायनम आयंगर को सर्वसम्मति से नई लोकसभा अध्यक्ष चुना गया।

1957 में निर्दलीयों को मतदान का 19 प्रतिशत प्राप्त हुआ।

कांग्रेस की सदस्य फिरोज गांधी का उदय भी इस चुनाव में हुआ। जिन्होंने प्रधानमंत्री नेहरू की बेटी इंदिरा से शादी की थी। उन्होंने अनारक्षित सीट जीतने के लिए उत्तरप्रदेश के रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र से अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी नंदकिशोर को 29,000 से अधिक मतों के अंतर से हराया। 1957 के चुनाव की दिलचस्प बात यह रही कि इसमें एक भी महिला उम्मीदवार मैदान में नहीं थी।

उपलब्धियां

जवाहर लाल नेहरू चाहते थे कि भारत किसी भी देश के दबाव में न आए और विश्व में उसकी

स्वतंत्र पहचान हो। जवाहरलाल नेहरु की विदेश नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा था उनका पंचशील का सिद्धांत जिसमें राष्ट्रीय संप्रभुता बनाए रखना और दूसरे राष्ट्र के मामलों में दखल न देने जैसे पांच महत्वपूर्ण शांति-सिद्धांत शामिल थे। नेहरू ने गुटनिरपेक्षता को बढ़ावा दिया। गुटनिरपेक्षता का मतलब यह है कि भारत किसी भी गुट की नीतियों का समर्थन नहीं करेगा और अपनी स्वतंत्र विदेश नीति बरकरार रखेगा। यह अब तक हमारे विदेश नीति का मुख्य आधार बना हुआ है। 1962 में नेहरू सरकार ने सैनिक कार्रवाई कर गोवा को पुर्तगाली शासन से मुक्त कराया और इसे भारत का अभिन्न अंग बनाया। इसे लेकर कई वर्षों से आंदोलन चल रहा था।

चुनौतियां

'द्रविड़ कड़गम' पहली गैर राजनीतिक पार्टी थी जिसने द्रविड़नाडु बनाने की मांग रखी। नेहरू की

अगुवाई में कैबिनेट ने 5 अक्टूबर 1963 को संविधान का 16वां संशोधन पेश कर दिया और इसी के साथ अलगावादियों की कमर टूट गई। संविधान के इस संशोधन के बाद द्रविड़ कड़गम को द्रविड़नाडु की मांग को हमेशा के लिए भूलना पड़ा। इसी कार्यकाल में जवाहर लाल नेहरू सरकार ने जम्मू और कश्मीर मामले में कई फैसले लिए जिनकी जमकर आलोचना हुई। उन्होंने संविधान में अनुच्छेद 370 जोड़कर कश्मीर को लगभग स्वायत्ता प्रदान कर दी। जिससे वहां के शासन में केंद्र सरकार की भूमिका लगभग गौण हो गई, जो बाद में वहां उग्रवाद और धार्मिक अलगाववाद का कारण बना।

संसद में नेहरू विपक्षी नेताओं की बात ध्यान से सुनते थे। 1963 में अपनी पार्टी के सदस्यों के विरोध के बावजूद भी उन्होंने अपनी सरकार के खिलाफ विपक्ष की ओर से लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा कराना मंजूर किया। अटल जी ने पंडित नेहरू से कहा था कि उनके अंदर चर्चिल भी है और चैंबरलिन भी है। लेकिन नेहरू उनकी बात का बुरा नहीं माने।

तीसरी लोकसभा : 1962-1967

कुल सीट **508**

कांग्रेस **361**

सीपीएम **9.94%**

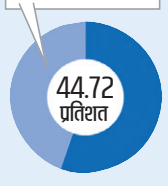

स्वतंत्र पार्टी **7.89%**

जवाहर लाल नेहरू
कांग्रेस पार्टी

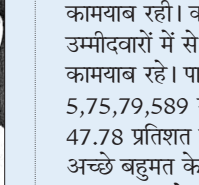

लालबहादुर शास्त्री
कांग्रेस पार्टी

गुलजारीलाल नंदा
कांग्रेस पार्टी

इंदिरा गांधी
कांग्रेस पार्टी

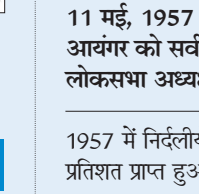

कांग्रेस को 1957 के चुनावों में जवाहरलाल नेहरू ने बहुमत के साथ शानदार जीत दिलाई थी। सदमे से पीड़ित हुए जवाहर लाल नेहरू का दिल का दौरा पड़ने से 27 मई 1964 को उनका निधन हो गया। तदोपरांत 2 सप्ताह के लिए वयोवृद्ध कांग्रेसी नेता गुलजारीलाल नंदा ने उनकी जगह ली। शास्त्री जी 9 जून से 11 जनवरी 1966 तक प्रधानंत्री रहे।

शास्त्री जी के निधन के उपरांत 24 जनवरी 1966 को इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री बनी। पुराने कांग्रेसी नेता मोरारजी देसाई ने इसका कड़ा विरोध किया था इसके बावजूद इंदिरा गांधी 24 जनवरी 1966 को प्रधानमंत्री बनीं। वास्तव में यह समय कांग्रेस के लिए सबसे अच्छा नहीं था। पार्टी आंतरिक संकटों से जूझ रही थी और देश हाल में लड़े गए दो युद्धों के प्रभाव से उबर रहा था।

उपलब्धियां

9 जून, 1964 को, लाल बहादुर शास्त्री भारत के प्रधानमंत्री बने। उन्होंने दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए

राष्ट्रीय अभियान श्वेत क्रांति को बढ़ावा दिया। उन्होंने भारत में खाद्य उत्पादन को बढ़ाने के लिए हरित क्रांति को भी बढ़ावा दिया। उन्होंने देश जय जवान-जय किसान जैसा अमर नारा भी दिया। शास्त्री ने नेहरू की गुटनिरपेक्ष नीति को जारी रखा, लेकिन सोवियत संघ के साथ धनिष्ठ भी संबंध बनाए रखा। 1964 में, उन्होंने सीलोन में भारतीय तमिलों की स्थिति के संबंध में श्रीलंका के प्रधानमंत्री सिरीमावो बंदरानाइक के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए। 1965 में भारत ने पाकिस्तान से एक और आक्रामण का सामना किया। उन्होंने जवाबी कार्रवाई करने के लिए सुरक्षा बलों को स्वतंत्रता दी और कहा कि शत्रु से फोर्स के साथ मुलाकात की जाएगी और भारतीय सेना को नया मनोबल दिया।

चुनौतियां

साल 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद, देश आर्थिक रूप से कमजोर हो गया था। जवाहरलाल

नेहरू की मृत्यु के बाद, शास्त्री प्रधानमंत्री बने। उन दिनों देश में खाद्यान्न संकट उत्पन्न हो गया था और खाद्य पदार्थों का आयात बढ़ गया था। उनके सामने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय सीमा को सुरक्षित करने की दोहरी चुनौती थी। आजादी के बाद भारत के लोगों को भूखमरी से निकालने के लिए किसान की आर्थिक स्थिति सुधारने, फसल उत्पादन और पशुपालन में बदलाव करने के लिए उन्होंने हरित क्रांति और दूध के लिए श्वेत क्रांति की नींव रखी। भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान, अमेरिका ने पी-एल 480 स्कीम के तहत गेहूं आपूर्ति रोकने की धमकी दी। इसके बाद लाल बहादुर शास्त्री ने अमेरिका को जवाब देते हुए खुद ही अमेरिका से गेहूं लेना बंद कर दिया।

23 सितंबर, 1965 को भारत-पाक युद्ध समाप्त हो गया, 10 जनवरी, 1966 को रूसी प्रधानमंत्री कोश्गीन ने लालबहादुर शास्त्री और उनके पाकिस्तानी समकक्ष अयूब खान से ताशकंद घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करने की पेशकश की। लाल बहादुर शास्त्री ताशकंद गए 11 जनवरी, 1966 की रात रहस्मय परिस्थितियों में वहीं उनका निधन हो गया। उन्हें 1966 में मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

चौथी लोकसभा : 1967-1970

कुल सीट **523**

कांग्रेस **283**

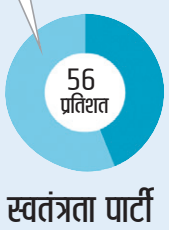

स्वतंत्रता पार्टी **44%**

जनसंघ **35%**

इंदिरा गांधी

कांग्रेस पार्टी

देश अप्रैल 1967 में आजादी के बाद चौथी चुनाव पूर्व की राजनीतिक गतिविधियों से गुजर रहा था। जिस कांग्रेस ने अब तक चुनावों में 73 प्रतिशत से कम सीटें नहीं जीती थीं, आगे आने वाला समय उसके लिए और बुरा साबित होने वाला था। कांग्रेस के आंतरिक संकट का प्रभाव 1967 के चुनाव परिणामों में साफ दिखाई दिया। पहली बार कांग्रेस ने निचले सदन में करीब 60 सीटों को खो दिया है, उसे 283 सीटों पर जीत प्राप्त हुई। 1967 तक सबसे पुरानी पार्टी ने विधानसभा चुनावों में भी कभी 60 प्रतिशत से कम सीटें नहीं जीती थीं। यहां भी कांग्रेस को एक बड़ा झटका सहना पड़ा, क्योंकि बिहार, केरल, उड़ीसा, मद्रास, पंजाब और पश्चिम बंगाल में गैर-कांग्रेसी सरकारें स्थापित हुईं।

इस सब के साथ इंदिरा गांधी को, जो रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने गईं थीं, 13 मार्च को प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई। असंतुष्ट आवाजों को शांत रखने के लिए उन्होंने मोरारजी देसाई को भारत का उपप्रधानमंत्री और भारत का वित्तमंत्री नियुक्त किया।

उपलब्धियां

शास्त्रीजी की अप्रत्याशित मृत्यु के बाद 24 जनवरी, 1966 को भारत के प्रधान मंत्री का पद संभालकर इंदिरा गाँधी ने योगदान दिया। इसके बाद उन्होंने गरीबी हटाने के लिए नई योजनएं बनाईं। बैंकों का राष्ट्रीय करण उनके इस कार्यकाल की सबसे महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक रहा। इसके बाद पार्टी में आंतरिक विरोध के बाद 1969 में इंदिरा गांधी को कांग्रेस पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। अपने निष्कासन के बाद इंदिरा गांधी ने अधिकांश पार्टी के सदस्यों के समर्थन से, कांग्रेस के भीतर एक अलग समूह के रूप में नई कांग्रेस का गठन कर चुनाव लड़ा और सत्ता में वापसी की। इसके बाद देश ने एक मजबूत प्रधानमंत्री का कार्यकाल देखा।

पांचवीं लोकसभा : 1971-1977

कुल सीट **521**

कांग्रेस **352**

सीपीआई **25%**

इंदिरा गांधी

कांग्रेस पार्टी

1971 में इंदिरा गांधी ने कांग्रेस को भारी बहुमत से जीत दिलाई। 'गरीबी हटाओ' (गरीबी को खत्म करो) के चुनावी नारे के साथ प्रचार करते हुए वे 352 सीटों के साथ संसद में वापस आईं। पिछले चुनावों की 283 सीटों के मुकाबले यह उल्लेखनीय सुधार था। दिसंबर 1971 में भारत की जीत का सभी भारतीयों द्वारा स्वागत किया गया, क्योंकि यह चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका से राजनयिक विरोधों का सामना करते हुए प्राप्त हुई थी। उस समय तत्कालीन सोवियत संघ और पूर्वी ब्लॉक के देशों को छोड़कर शायद ही किसी अन्य देश ने भारत का अंतरराष्ट्रीय समर्थन किया था।

1971 युद्ध, आपातकाल की घोषणा

- 1971 में इंदिरा गांधी ने भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान साहसिक निर्णय लिया जिसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश मुक्त हो गया।
- इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 12 जून 1975 को चुनावी भ्रष्टाचार के आधार पर उनके 1971 के चुनाव को अवैध ठहरा दिया।

उपलब्धियां

न्यू कांग्रेस समूह ने 1971 के लोकसभा चुनावों में रूढ़िवादी पार्टियों के गठबंधन को हराकर भारी जीत हासिल की। लोकसभा में भारी बहुमत हासिल करने के बाद, पूर्वी पाकिस्तान के मुद्दे पर अपना मजबूत समर्थन देकर इंदिरा गाँधी ने योगदान दिया, जिसके परिणामस्वरूप बांग्लादेशका निर्माण हुआ। पाकिस्तान पर भारत की जीत और बांग्लादेश के निर्माण ने उन्हें अत्यधिक लोकप्रियता दिलाई। मार्च 1972 में, उनकी पार्टी ने बड़ी संख्या में राज्य चुनावों में जीत हासिल की। लेकिन बढ़ती महंगाई और भ्रष्टाचार के कारण लोगों में रोष बढ़ने लगा। जय प्रकाश नारायण के नेतृत्व में देश में आंदोलन का नया दौर चल पड़ा।

बढ़ते लोकतंत्र की झलकियां

स्वतंत्रता के बाद प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा में अपना प्रसिद्ध 'ट्रिस्ट विथ डेस्टिनी' भाषण दिया।

पहले पंचवर्षीय योजना को अंतिम रूप देते प्रधानमंत्री नेहरू। इसी के साथ पंचवर्षीय योजनाएं देश में शुरू हुईं।

1962 में चीन ने भारत पर हमला कर दिया, इससे नेहरू को गहरा झटका लगा, एक मोर्चे पर सैनिकों से बात करते नेहरू।

हरित क्रांति का आगाज, प्रधानमंत्री शास्त्री और डॉ. एमएस स्वामीनाथन के नेतृत्व में किसानों को मिली नई राह।

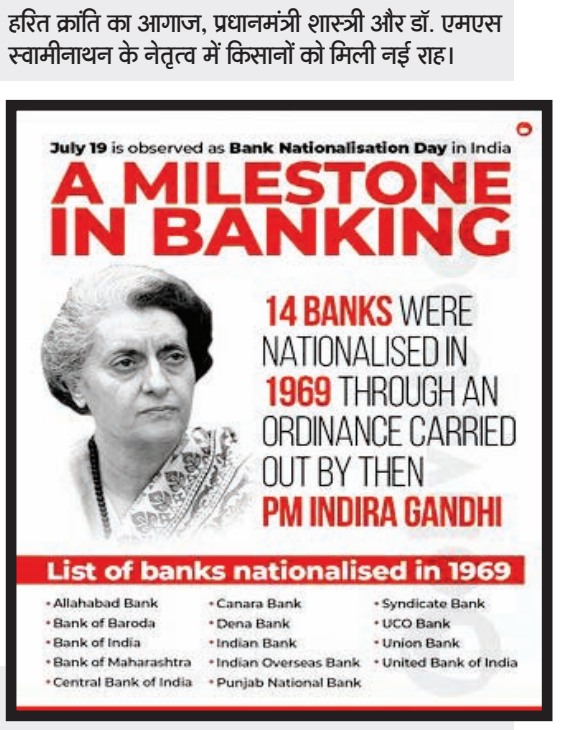

प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1969 में देश के 14 प्रमुख बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर दिया, इसका लोगों ने समर्थन किया।

1971 के युद्ध में पाकिस्तानी सेना ने भारत के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और बांग्लादेश नया राष्ट्र बना।

भारतीय राजनीति में 1977 से लेकर 1998 तक के दौर को गठबंधन सरकार चलाना सीखने के दौर के रूप में देखा जा सकता है। इस पूरे कालखंड में सिर्फ इंदिरा गांधी की 1980 की सरकार और राजीव गांधी की 1984 की सरकार पूर्ण बहुमत की सरकार रही। 1989 में वीपी सिंह के नेतृत्व में गठबंधन सरकार बनी, लेकिन गठबंधन की मजबूरियों के कारण सरकार गिर गई। वही हाल चंद्रशेखर सरकार की भी हुई। नरसिम्हा राव सरकार पांच साल तो चली, लेकिन कई करतब करने पड़े। उसके बाद वाजपेयी की दो सरकारें, देवगौड़ा और गुजराल की सरकार भी नहीं चल पाई।

लोकसभा सफरनामा

छठी लोकसभा : 1977-1980

कुल सीट **544**

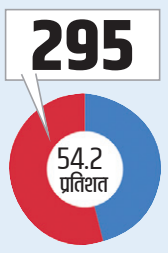

जनता पार्टी **295**

कांग्रेस **154**

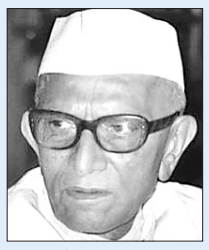

मोरारजी देसाई

जनता पार्टी

सीपीएम **22**

राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक नागरिक स्वतंत्रताओं को समाप्त कर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने व्यापक शक्तियां अपने हाथ में ले ली थीं। आपातकाल की वजह से इंदिरा गांधी की लोकप्रियता कम हुई और चुनावों में उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ी। कांग्रेस की लगभग 200 सीटों पर हार हुई। चार विपक्षी दलों- कांग्रेस (ओ), जनसंघ, भारतीय लोकदल और समाजवादी पार्टी ने जनता पार्टी बनाई और मोरारजी देसाई के नेतृत्व में 298 सीटें जीतीं। इंदिरा गांधी, जो 1966 से सरकार में थीं और उनके बेटे संजय गांधी चुनाव हार गए।

उपलब्धियां

मोरारजी देसाई पहले भारतीय प्रधानमंत्री थे जो कांग्रेस पार्टी से नहीं थे। वे प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति थे (और आज भी हैं)। अपने दो साल के कार्यकाल में उन्होंने कई बड़े सुधार किए। 16 जनवरी 1978 को उन्होंने 1,000 रुपये, 5,000 रुपये और 10,000 रुपये के नोटों को बंद करने का निर्णय लिया है। भारतीय खुफिया विभाग 'रॉ' के कार्य को उन्होंने शिथिल कर दिया। शांति सक्रियता का समर्थन किया और पाकिस्तान के साथ शांति वार्ता शुरू की। वे विदेशी उद्योगों के प्रति भी सख्त रहे।

चरण सिंह (28 जुलाई, 1979- 14 जनवरी, 1980)

किसानों के चैंपियन माने जाने वाले चौधरी चरण सिंह ने कुछ ही समय तक पद संभाला। भारत के विकास से निपटने के लिए नवीन रणनीतियां प्रस्तुत कीं, पिछड़े वर्गों के उत्थान के बारे में चरण सिंह काफी मुखर रहे।

चुनौतियां

जनता सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती आसी सामंजस्य का था। कई नेता ऐसे थे जो एक दूसरे को नीचा दिखाने में ज्यादा व्यस्थ रहते थे। वहीं जनता सरकार के आर्थिक नीतियों के कारण भी सरकार में आंतरिक विरोध बढ़ता जा रहा था। चौधरी चरण सिंह के नेतृत्व में दूसरी सरकार का गठन हुआ। तमाम दलों और विचाराधारा से मिलकर बनी जनता पार्टी ही उसके बिखराव का असल कारण बनी। जनसंघ से जनता पार्टी में आए नेताओं की दोहरी सदस्यता अहम मुद्दा बना, उनपर आरएसएस से नाता तोड़ने का दबाव बढ़ा। यह विवाद इतना गहरा गया कि 1980 के आम चुनाव में जनता पार्टी की हार के बाद पुराने जनसंघियों ने फैसला किया कि एक नई छवि वाली नई पार्टी बनाई जाए. इसके नतीजे में बीजेपी वजूद में आई। वहीं मूल जनता पार्टी कई दलों में टूट गई। कई क्षेत्रीय पार्टियां अस्तित्व में आईं और सभी जनता पार्टी के तर्ज पर राजनीति करती रहीं।

सातवीं लोकसभा : 1980-1984

कुल सीट **531**

कांग्रेस **353**

जनता पार्टी **41**

सीपीआई **37**

इंदिरा गांधी

कांग्रेस पार्टी

आपातकाल के दौरान मानवाधिकार हनन की जांच के लिए जो अदालतें सरकार ने गठित की थीं वे इंदिरा गांधी के खिलाफ प्रतिशोधपूर्ण दिखाई पड़ीं थीं। इंदिरा ने स्वयं को एक परेशान महिला के रूप में चित्रित करने का कोई मौका नहीं गंवाया। जनता पार्टी के नेताओं के बीच की लड़ाई और देश में फैली राजनीतिक अस्थिरता ने कांग्रेस (आई) के पक्ष में काम किया जिसने मतदाताओं को इंदिरा गांधी की मजबूत सरकार की याद दिला दी। कांग्रेस ने लोकसभा में 351 सीटें जीतीं और जनता पार्टी या बचे हुए गठबंधन को 32 सीटें मिलीं।

उपलब्धियां

1980 में, गांधी ने एक नई पार्टी-कांग्रेस (आई) के तहत चुनाव प्रचार किया और प्रधानमंत्री के रूप में अपने चौथे कार्यकाल के लिए चुनी गईं। यह कार्यकाल उनके लिए काफी कठिनाई से भरा था। 1984 में, पंजाब के अमृतसर में स्थित पवित्र स्वर्ण मंदिर पर सिख उग्रवादियों ने कब्जा कर लिया था, जो एक स्वायत्त राज्य की मांग कर रहे थे। जवाब में, गांधी ने बलपूर्वक मंदिर को वापस पाने के लिए भारतीय सैनिकों को भेजा। इसके बाद हुई गोलीबारी में सैकड़ों सिख मारे गए, जिससे सिख समुदाय के भीतर विद्रोह भड़क उठा। देश में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ने लगी। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र में टैक्स प्रणाली में परिवर्तन किया, आयकर दरों में भी परिवर्तन कर मध्यम वर्ग को राहत देने की कोशिश की गई।

चुनौतियां

1980 से 1984 तक भारत के प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दूसरे चरण के दौरान, इंदिरा गांधी को एक जटिल आर्थिक परिदृश्य का सामना करना पड़ा, जिसमें घरेलू चुनौतियों और वैश्विक अनिश्चितताओं दोनों की विशेषता थी। गांधी को एक ऐसी अर्थव्यवस्था विरासत में मिली जो मुद्रास्फीति, बेरोजगारी और बढ़ते राजकोषीय घाटे से जूझ रही थी। उसी समय वैश्विक तेल संकट और पड़ोसी देशों के साथ बढ़ते तनाव जैसे बाहरी दबाव की भी चुनौती थी। इधर देश के अंदर भी पंजाब में उग्रवाद चरम पर था। वहां से लोग पलायन कर रहे थे। वहीं विदेशी मुद्रा भंडार बनाए रखने में चुनौतियों का सामना करना पड़ा। चुनौतियों के बीच उन्होंने काम शुरू किया लेकिन 31 अक्टूबर 1984 में उनकी हत्या हो गई।

आठवीं लोकसभा : 1984-1989

कुल सीट **516**

कांग्रेस **414**

टीडीपी **30**

बीजेपी **02**

राजीव गांधी

कांग्रेस पार्टी

सीपीएम **22**

31 अक्टूबर 1984 को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या ने कांग्रेस के लिए ऑक्सीजन का काम किया तथा उसके लिए सहानुभूति मत बनाए। इंदिरा गांधी की मृत्यु के बाद लोकसभा को भंग कर दिया गया और राजीव गांधी ने अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। चुनाव प्रचार के दौरान राजीव गांधी ने लोगों को अपने परिवार के योगदान की याद दिलाई और खुद को एक सुधारक के रूप में प्रस्तुत किया। इस चुनाव में कांग्रेस ने भारी बहुमत से जीत हासिल की। तेलुगुदेशम पार्टी 30 सीटों के साथ संसद में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई।

उपलब्धियां

40 वर्ष की उम्र में प्रधानमंत्री बनने वाले राजीव गांधी ने आधुनिक भारत की नींव रखने की दिशा में काम किया। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 1984 में देश के प्रधानमंत्री बने। उन्हें भारत की आईटी क्रांति में सबसे अधिक योगदान देने का श्रेय दिया जाता है। 1984 में भारतीय दूरसंचार नेटवर्क की स्थापना के लिए सेंटर पार डिवेलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स की स्थापना हुई। भारतीय रेलवे में टिकट जारी होने की कंप्यूटरीकृत व्यवस्था भी शुरू हुई। उनके कार्यकाल में लाइसेंस राज में कमी लाई गई। वोट देने की उम्र 18 वर्ष कर युवाओं को मताधिकार दिया। राजीव गांधी ने देश में पंचायतीराज व्यवस्था को सशक्त किया। पंचायतीराज व्यवस्था का मकसद सत्ता का विकेंद्रीकरण रहा। 1986 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की घोषणा की। इसके साथ ही नवोदय विद्यालय की स्थापना की गई। इसमें कक्षा छह से 12 वीं तक की मुफ्त शिक्षा दी जाती है।

चुनौतियां

1984 में इंदिरा गांधी की मौत के बाद राजीव गांधी का एक बयान आया था, जिसमें उन्होंने कहा था, जब कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है। इस ब्यान को 1984 के सिख विरोधी दंगों से जोड़कर देखा जाता रहा। शाह बानो केस में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने पर घोर किरकिरी हुई। इसे मुस्लिम तुष्टीकरण से जोड़कर उनपर हमेशा विरोधी हमले करते रहे। 1984 के भोपाल गैस कांड के आरोपी वारेन एंडरसन को केंद्र सरकार के संरक्षण में सुरक्षित भगाया दिया गया। 1986 में भारत का स्वीडिश कंपनी एबी बोफोर्स से सौदा हुआ था। सौदे की कीमत 1437 करोड़ रुपए थी, सौदे के तहत भारतीय सेना को 400 होवित्जर तोप मिलनी थीं। लेकिन इस सौदे में भ्रष्टाखर का आरोप राजीव गांधी सहित कई लोगों पर लगे।

नौवीं लोकसभा : 1989-1991

कुल सीट **531**

कांग्रेस **197**

जनता दल **143**

बीजेपी **85**

वी.पी. सिंह

जनता दल, 2 दिसंबर से 10 दिसंबर 1990

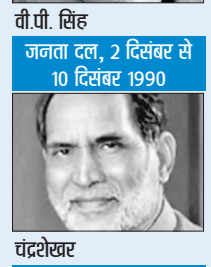

चंद्रशेखर

सजपा, 10 नवंबर 1990 से 21 जून 1991

11 अक्टूबर, 1988 को जन मोर्चा, जनता पार्टी, लोकदल और कांग्रेस (एस) के विलय से जनता दल की स्थापना हुई ताकि सभी दल एकसाथ मिलकर राजीव गांधी सरकार का विरोध करें। जल्द ही द्रमुक, तेदेपा और अगप सहित कई क्षेत्रीय दल जनता दल से मिल गए और नेशनल फ्रंट की स्थापना की। पांच पार्टियों वाला नेशनल फ्रंट, भारतीय जनता पार्टी और दो कम्युनिस्ट पार्टियों भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी (सीपीआई-एम) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के साथ मिलकर 1989 के चुनाव मैदान में उतरा। जनता दल ने 143 सीटें जीतीं।

उपलब्धियां

वीपी सिंह ने भ्रष्टाचार को पहली बार राष्ट्रीय राजनीति का मुद्दा बनाया और देश का एक आम चुनाव इसी मुद्दे पर लड़ा गया। राजीव गांधी की कैबिनेट में रहते हुए उन्होंने बोफोर्स और एचडीडब्ल्यू पनडुब्बी सौदों में रिश्वतखोरी का मामला उठाया। इस सवाल पर राजीव गांधी सरकार से उन्होंने इस्तीफा दे दिया। 1989 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस हार गई और कम्युनिस्टों और बीजेपी के समर्थन से वीपी सिंह प्रधानमंत्री बने। उन्होंने मंडल कमीशन की रिपोर्ट की एक सिफारिश लागू करके ओबीसी को केंद्र सरकार की नौकरियों में आरक्षण दिया। ये रिपोर्ट 1980 से केंद्र सरकार के पास पड़ी थी। आर्थिक चुनौतियां अभी भी सरकार के पास थीं लेकिन सरकार मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू करने के बाद इसके विरोध से निपटने में व्यस्त हो गई।

चुनौतियां

मंडल कमीशन लागू होते ही ये सब बदल गया। सवर्ण हिंदू चट्टान की तरह एकजुट हो गए। कट्टरपंथी से लेकर सेकुलर, मार्क्सवादी से लेकर गांधीवादी, शहरी से लेकर ग्रामीण सभी सवर्ण इस मुद्दे पर जिस तरह इकट्ठा हुए, वैसी एकता किसी और मुद्दे पर नहीं बनी थी। कई जगह छात्रों ने उग्र आंदोलन शुरू कर दिया। कई छात्रों ने आत्मदाह कर लिया। मंडल रिपोर्ट तो वीपी सिंह ने लागू किया लेकिन पहचान बनी मुलायम सिंह यादव, लालू,नीतीश जैसे नेताओं की। इसी समय राम मंदिर के मुद्दे पर लालकृष्ण आडवाणी ने सोमनाथ से रथ यात्रा प्रारंभ कर दिया। भाजपा ने घोषणा कर दी कि आडवाणी के रथ को रोका गया तो वे सरकार से समर्थन वापस ले लेंगे। बिहार में आडवाणी का रथ रोक लिया गया और वीपी सिंह सरकार गिर गई।

दसवीं लोकसभा : 1991-1996

कुल सीट **508**

कांग्रेस **232**

बीजेपी **120**

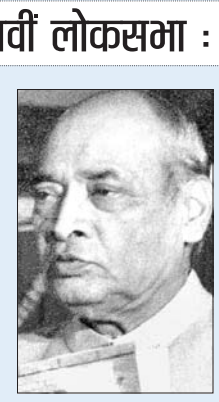

नरसिम्हा राव

कांग्रेस

जनता दल **59**

चुनावों के परिणामों के बाद एक त्रिशंकु संसद बनी जिसमें 232 सीटों के साथ कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी और 120 सीटों के साथ भाजपा दूसरे स्थान पर रही। जनता दल सिर्फ 59 सीटों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। 21 जून को कांग्रेस के पी.वी. नरसिंहराव ने प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। राव, नेहरू-गांधी परिवार के बाहर दूसरे कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे। नेहरू-गांधी परिवार के बाहर पहले कांग्रेसी प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री थे। इस बार के संसदीय चुनावों में अब तक का सबसे कम मतदान हुआ, इसमें केवल 53 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राष्ट्रीय मोर्चे में फैली अव्यवस्था ने कांग्रेस की वापसी के संकेत दे दिए थे।

उपलब्धि

भारतीय आर्थिक सुधारों के जनक कहे जाने वाले नरसिम्हा राव ने भारत के विकास और वैश्वीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में भारत ने अपने आर्थिक मॉडल में बदलाव का अनुभव किया; मिश्रित अर्थव्यवस्था से बाजार अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। उनकी कुछ प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं। 1991 के भारत के आर्थिक संकट का प्रबंधन किया, लाइसेंस राज समाप्त किया, विदेशी निवेश के लिए इक्विटी बाजार खोले गए।

ग्यारहवीं लोकसभा : 1996-1998

कुल सीट **545**

बीजेपी **161**

कांग्रेस **140**

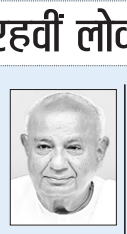

एचडी देवगोड़ा

जनता दल सेक्यूलर

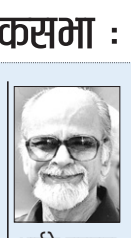

आईके गुजराल

यूनाइटेड फ्रंट

अटल बिहारी वाजपेयी

भाजपा

जनता दल **46**

11वीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव परिणामों से एक बार फिर त्रिशंकु संसद बनी और 2 वर्ष तक राजनीतिक अस्थिरता रही जिसके दौरान देश के 3 प्रधानमंत्री बने। जनता दल के नेता देवेगौड़ा ने 1 जून को एक संयुक्त मोर्चा गठबंधन सरकार का गठन किया। उनकी सरकार 18 महीने चली। देवेगौड़ा के विदेश मंत्री इंद्रकुमार गुजराल ने प्रधानमंत्री के रूप में अप्रैल 1997 में पदभार संभाला, भाजपा ने 161 सीटें जीतीं और कांग्रेस ने 140 संसद की सीटें जीतीं।

उपलब्धि

भारत के सबसे प्रसिद्ध राजनेताओं में से एक, वाजपेयी पूरे कार्यकाल तक पद पर बने रहने वाले पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे। उनके कार्यकाल में, भारत एक नए युग में प्रवेश कर गया और बहुत सारे बदलाव देखे। उनकी कुछ प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं। भारत ने पोखरण द्वितीय परमाणु परीक्षण किया। निजी क्षेत्र और विदेशी निवेश को प्रोत्साहित किया गया, कार्यान्वित राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना, सर्व शिक्षा अभियान का क्रियान्वयन किया।

बढ़ते लोकतंत्र की झलकियां

संपूर्ण क्रांति आंदोलन के तहत पटना में जय प्रकाश नारायण की गिरफ्तारी के लिए पटना में पहुंची पुलिस।

ये इमरजेंसी के दौर में ली गई ऐतिहासिक तस्वीर है। जार्ज फर्नांडिस को पुलिस बेड़ियों में जकड़ कर ले जा रही है।

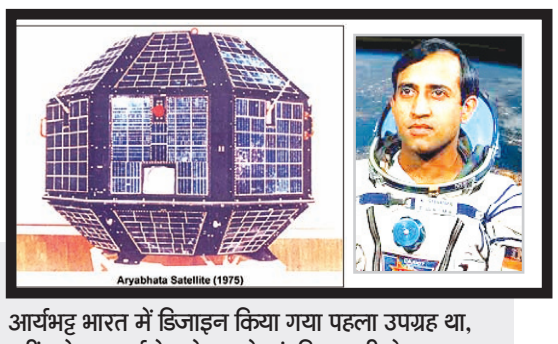

आर्यभट्ट भारत में डिजाइन किया गया पहला उपग्रह था, वहीं राकेश शर्मा देश के पहले अंतरिक्ष यात्री थे।

पोखरन 1 या लाफिंग बुद्धा के नाम से प्रसिद्ध परमाणु परीक्षण के बाद स्थल मुआयना करतीं इंदिरा गांधी।

पोखरन 2 के नाम से प्रसिद्ध परमाणु परीक्षण के बाद स्थल मुआयना करते प्रधानमंत्री वाजपेयी व जार्ज।

कारगील युद्ध में पाकिस्तान को तगड़ी शिकस्त देने के बाद जश्न मनाते भरतीय सेना के जवान।

भारतीय राजनीति में 1999 के बाद का दौर परिपक्व गठबंधन की राजनीति का दौर रहा है। दो बार गठबंधन सरकार की ठोकर खाने के बाद अटल बिहारी वाजपेयी ने 1999 से 2004 तक राजग की गठबंधन सरकार का सफल नेतृत्व किया। फिर यही क्रम मनमोहन सिंह की यूपीए 1 और यूपीए 2 में देखने को मिला। हां, इन सरकारों में भी सहयोगी दलों के तोलमोल और दबाव का खेल चला। लेकिन, 2014 से अगले दस साल तक राजग की ऐसी मजबूत गठबंधन सरकार देखने को मिली, जिसमें एक दल के पास बहुमत होने के बावजूद गठबंधन सरकार चली।

लोकसभा सफरनामा

बारहवीं लोकसभा : 1998-1999

कुल सीट **545**

बीजेपी **182**

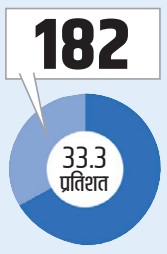

कांग्रेस **141**

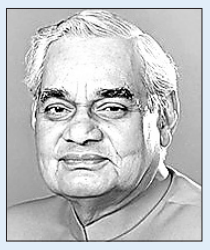

अटल बिहारी वाजपेयी

भाजपा

सीपीआई **32**

12वीं लोकसभा केवल 413 दिन चली, जो उस तिथि तक का सबसे कम समय था। एक व्यवहार्य विकल्प के अभाव के कारण तब विघटन हो गया, जब 13 महीने पुरानी भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार को 17 अप्रैल को केवल 1 मत से बेदखल कर दिया गया। ऐसा 5वीं बार हुआ था, जब लोकसभा को अपना कार्यकाल पूरा करने से पहले भंग कर दिया गया। पिछली बार आम चुनाव अप्रैल/मई 1996 में आयोजित हुए थे। चुनाव पश्चात गठबंधन की रणनीति ने भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को 265 सीटों का कार्यकारी बहुमत प्रदान किया।

उपलब्धियां

गठबंधन के भीतर राजनीतिक अस्थिरता के कारण प्रतिनिधि सभा का अब यह तक का सबसे छोटा सत्र था। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व ने भारतीय जनता पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि हासिल करने में मदद की। भारत के सबसे करिश्माई राजनेताओं में से एक, सत्तारूढ़ भाजपा में नेतृत्व के स्वर्णिम मानक, वाजपेयी ने 1998 में परमाणु परीक्षण का आदेश दिया और 1999 में एक भव्य कूटनीतिक इशारे में बस से पाकिस्तान की यात्रा की। वह पहले राजनेता थे जिन्होंने वास्तव में कांग्रेस, महान पुरानी पार्टी की विरासत को चुनौती दी, क्योंकि वह पूर्ण कार्यकाल तक चलने वाले पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे। उन्होंने कई विकास योजनाएं शुरू कीं। लेकिन गठबंधन हमेशा उनकी गति में रोड़े डालता रहा। जिस कारण कई योजनाएं पूरी तरह से काम नहीं कर पाईं। उन्होंने विश्वास मत के दौरान पोखरन शक्ति परीक्षण पर सोनिया गांधी के कटाक्ष का करारा जवाब भी दिया।

चुनौतियां

अटल बिहारी वाजपेयी भारत के सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्रियों में से एक रहे हैं। वह तीन बार प्रधानमंत्री बने, लेकिन उनका पहला कार्यकाल महज 13 दिन और दूसरा कार्यकाल 13 महीनों का रहा। अटलजी की सरकार के गिरने के पीछे जिस सांसद को जिम्मेदार माना जाता है, वो थे ओडिशा के तत्कालीन मुख्यमंत्री गिरिधर गोमांग। इन्होंने अटलजी की सरकार के खिलाफ वोट किया था। लोकसभा में वोटिंग के दौरान पक्ष में 269 वोट डले थे। वहीं विपक्ष में गिरधर गोमांग के वोट डालते ही वोटों की संख्या 270 हो गई और महज एक वोट से अटलजी की सरकार गिर गई। राजनीतिक घटनाक्रम में 13 महीनों बाद एआईडीएमके ने सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया। इसके बाद अटल सरकार अल्पमत में आ गई और राष्ट्रपति ने सरकार को बहुमत साबित करने के लिए कहा। भाजपा 182 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी थी लेकिन बहुमत से वे एक कम रह गए।

तेरहवीं लोकसभा : 1999-2004

कुल सीट **545**

बीजेपी **182**

कांग्रेस **114**

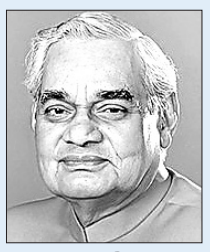

अटल बिहारी वाजपेयी

भाजपा

सीपीआई **33**

राजनीतिक विस्तार के आधार पर 1991, 1996 और 1998 के चुनावों में भाजपा और उसके सहयोगियों ने लगातार प्रगति की और क्षेत्रीय विस्तार के कारण राजग प्रतिस्पर्धी बन गया और यहां तक कि उसने कांग्रेस की बहुलता वाले क्षेत्रों जैसे उड़ीसा, आंध्रप्रदेश और असम में भी सबसे ज्यादा वोट प्राप्त किए थे। ये कारक 1999 के चुनाव परिणामों में निर्णायक साबित हुए थे। 6 अक्टूबर को आए परिणाम में राजग को 298 सीटें मिलीं तथा कांग्रेस और उसके सहयोगियों को 136 सीटों पर विजय प्राप्त हुई। वाजपेयी ने 13 अक्टूबर को प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लिया और अपना 5 साल कार्यकाल पूरा किया।

उपलब्धियां

वाजपेयी सरकार ने चुनावों में पारंपरिक मतपत्रों के साथ-साथ पहली बार इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) का प्रयोग भी देखा गया। इसी समय पाकिस्तान ने कारगिल युद्ध शुरू कर दिया। जिसमें वाजपेयी ने दृढ़ता का परिचय देते हुए सेना का मनोबल बढ़ाया और हमारी सेना विजयी हुई। 2001 में संसद पर हमला, 2002 के गुजरात दंगे और बीजेपी के भीतर वैचारिक दरार ने बाद में एनडीए के लिए मुसीबत बढ़ी। बावजूद इसके वाजयेपी सरकार ने भारत के सड़क नेटवर्क का विस्तार करते हुए स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना शुरूआत की। इससे पूरे देश में सड़कों की जाल बिछाने का काम शुरू हुआ। आतंकवादी व खासकर के 2001 में लोकसभा पर हमले के बाद पोटा कानून लाया गया।

चुनौतियां

वाजपेयी सरकार अचछी तरह चल रही थी। सभी क्षेत्रों में सरकार का प्रदर्शन अच्छा था। 2004 में लोकसभा चुनाव के पहले सरकार ने तीन राज्यों में शानदार जीत दर्ज की थी। इससे उत्साहित पार्टी के रणनीतिकारों ने साइनिंग इंडिया का नारा दिया और हर क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम को दर्शाते हुए चुनाव में उतरे। वहीं कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने सरकार को घेरने के लिए आपसी सामंजस्य बनाकर से चुनाव लड़ा। जिसमें वाजपेयी सरकार परास्त हो गई। इस चुनाव में हार के बाद वाजपेयी ने स्वास्थ्य कारणों से सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लिया। पार्टी का नेतृत्व अब उनके लंबे समय से साथी रहे लाल कृष्ण आडवाणी के हाथों आ गई। उन्हें 2015 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

चौदहवीं लोकसभा : 2004-2009

कुल सीट **545**

कांग्रेस **145**

बीजेपी **138**

डॉ. मनमोहन सिंह

कांग्रेस पार्टी

राष्ट्रीय मुद्दों की बजाय लोग अपने आसपास के मुद्दों जैसे पानी की कमी, सूखा आदि के बारे में ज्यादा चिंतित थे और भाजपा के सहयोगी सत्ता विरोधी भावनाओं का सामना कर रहे थे। 13 मई को भाजपा ने हार को स्वीकार किया और कांग्रेस अपने सहयोगियों की मदद और सोनिया गांधी के मार्गदर्शन में 543 में से 335 सदस्यों (बसपा, सपा, एमडीएमके और वाम मोर्चा के बाहरी समर्थन सहित) का बहुमत प्राप्त करने में सफल रही। चुनाव के बाद हुए इस गठबंधन को संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) कहा गया और मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने।

उपलब्धियां

बेरोजगारी की समस्या से निपटने के लिए मनमोहन सरकार रोजगार गारंटी योजना लेकर आई थी, जिसने देश को नई ऊर्जा दी। मनमोहन सरकार में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत साल भर में 100 दिनों का रोजगार और हर दिन 100 रुपये न्यूनतम मजदूरी तय की गई। यह योजना 2 फरवरी 2006 को 200 जिलों में शुरू की गई, 1 अप्रैल 2008 तक इसे भारत के सभी 593 जिलों में इसे लागू कर दिया गया। मनमोहन सरकार के दौरान ही देश में 6 से 14 वर्ष के हर बच्चे को निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षा आधिकार अधिनियम 2009 बनाया। यह पूरे देश में अप्रैल 2010 से लागू किया गया। महत्वपूर्ण सूचना का अधिकार भी मनमोहन सरकार की ही देन है।

चुनौतियां

2004 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 145, जबकि बीजेपी को 138 सीटें मिली थीं। ऐसे में एनडीए को सत्ता में आने से रोकने के लिए कांग्रेस ने अन्य विपक्षी दलों के साथ मिलकर यूपीए का गठन किया। यूपीए के गठन में कांग्रेस की तत्कालीन अध्यक्ष सोनिया गांधी और सीपीएम के दिवंगत महासचिव हरकिशन सिंह सुरजीत की अहम भूमिका रही। तब विपक्षी दलों को कांग्रेस के साथ लाने का जिम्मा हरकिशन सिंह सुरजीत ने उठाया था। 2004 में यूपीए गठन के समय कांग्रेस को 14 पार्टियां ने समर्थन दिया। कॉमन मिनिमम प्रोग्राम के तहत यह गठबंधन बना था। गठबंधन सरकार होने के कारण सरकार के सामने कई चुनौतियां थीं। सहयोगी दल सरकार पर दबाव देकर अपने हित में फैसले करवाते थे, जिससे लोगों में असंतोष बढ़ता गया।

पंद्रहवीं लोकसभा : 2009-2014

कुल सीट **545**

कांग्रेस **206**

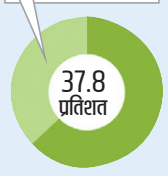

बीजेपी **116**

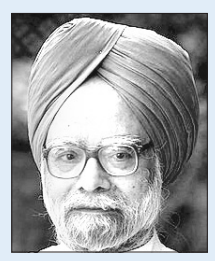

मनमोहन सिंह

कांग्रेस पार्टी

सीपीएम **16**

कांग्रेस ने 2009 के आम चुनाव में पिछली बार से बेहतर प्रदर्शन किया और सहयोगी दलों के साथ मिलकर फिर से सरकार बनाई जबकि वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर मैदान में उतरी भारतीय जनता पार्टी कोई करिश्मा नहीं कर सकी। कांग्रेस ने इस चुनाव में मनमोहन सिंह को ही प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया था और वह लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री बने। इस चुनाव में भी यद्यपि किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला लेकिन कांग्रेस की सीटें बढ़कर 206 हो गईं और उसके नेतृत्व में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की फिर से सरकार बनी।

उपलब्धियां

देश में भुखमरी आज भी बड़ी चुनौती है, यूपीए सरकार में 10 सितंबर, 2013 को इससे निपटने के लिए खाद्य सुरक्षा अधिनियम को लागू किया। इस स्कीम के तहत सार्वजनिक वितरण प्रणाली के जरिये ग्रामीण क्षेत्रों में 75 फीसदी तक और शहरी क्षेत्रों की 50 फीसदी तक की आबादी को सस्ती दरों पर अनाज उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया। खाद्य सुरक्षा कानून बनने से देश की दो तिहाई आबादी को सस्ते में अनाज मिल रहा है। मनमोहन सरकार ने 1 जनवरी, 2013 को सब्सिडी को गलत हाथों में जाने से बचाने के लिए डायरेक्ट बेनिफिट स्कीम (डीबीटी) की शुरूआत की थी। इसका मुख्य लक्ष्य पारदर्शिता बढ़ाते हुए सब्सिडी वितरण में होने वाली धांधलियों को रोकना था। आज इसका दायरा काफी बढ़ चुका है।

चुनौतियां

आर्थिक नजरिये से यूपीए-2 सरकार के समय आर्थिक मोर्चे पर निराशा का माहौल। 2007-2008 में तमाम देश वैश्विक आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे थे जिसने 2009 के बाद यानी यूपीए-2 सरकार के दौरान भारत को प्रभावित करना शुरू किया। इसका असर सरकारी खर्च में खासी वृद्धि करके लोगों और अर्थव्यवस्था का समर्थन करना पड़ा, इसका राजकोषीय घाटे पर असर पड़ना स्वाभाविक ही था। इसी बीच सरकार एक के बाद एक कई घेटालों के आरोप लगे। कई मंत्रियों को जेल जाना पड़ा। सबसे चर्चित 2 जी घोटाला, कोयला घोटला, कॉमन वेल्थ गेम घोटाला में लाखों करोड़ के घोटाले के आरोप लगे। इससे सरकार की स्थिति काफी कमजोर हो गई। जिसका असर 2014 के चुनाव में देखने को मिला।

सोलहवीं लोकसभा : 2014-2019

कुल सीट **545**

बीजेपी **282**

कांग्रेस **37**

नरेंद्र मोदी

भाजपा

भारत में सोलहवीं लोकसभा के लिए आम चुनाव 7 अप्रैल से 12 मई 2014 तक 9 चरणों में संपन्न हुए। यह पहला अवसर था जब 9 चरणों में लोकसभा चुनाव संपन्न हुआ। सभी नौ चरणों में औसत मतदान 66.38% के आसपास रहा जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। सर्वाधिक मतदान की बात हो या फिर सबसे लंबे चुनाव की, इस चुनाव में कई कीर्तिमान रचे गए। इस चुनाव के परिणाम भी चौंकाने वाले रहे। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 336 सीटों के साथ सत्ता में आया, जबकि भाजपा 282 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी।

उपलब्धियां

- जन धन योजना - 28 अगस्त, 2014
- कौशल भारत मिशन - 28 अगस्त, 2014
- मेक इन इंडिया - 28 सितम्बर, 2014
- मिशन स्वच्छ भारत - 2 अक्टूबर, 2014
- सांसद आदर्श ग्राम योजना - 11 अक्टूबर, 2014
- श्रमेव जयते योजना - 16 अक्टूबर, 2014
- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ - 22 जनवरी, 2015
- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना - 8 अप्रैल, 2015
- उजाला योजना - 1 मई, 2015

सत्रहवीं लोकसभा : 2019-2024

कुल सीट **545**

बीजेपी **303**

कांग्रेस **37**

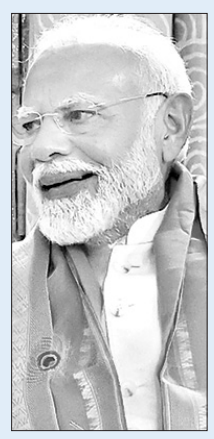

नरेंद्र मोदी

भाजपा

साल 2019 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को 303 सीटें मिली और पूर्ण बहुमत के साथ नरेंद्र मोदी लगातार दूसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने। 17 जून 2019 को 17वीं लोक सभा की पहली बैठक हुई थी। इस लिहाज से देखें तो 17वीं लोक सभा के तीन साल पूरे हुए हैं और बीते तीन सालों में कोरोना जैसे वैश्विक महामारी के बावजूद हमने संसद की सुनहरी तस्वीर देखी है जो भारत में संसदीय लोकतंत्र की मजबूती को दशार्ता है। इन तीन वर्षों में ही लोक सभा में 139 विधेयक पेश हुए, जबकि 149 विधेयक सदन से पारित हुए हैं।

उपलब्धियां

मोदी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में सबसे एतिहासिक फैसला जम्मू-कश्मीर को लेकर लिया जो जनसंघ के जमाने से उसकी प्राथमिकता रहा है। जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी बनाने का कदम उठाने के साथ-साथ राज्य को दो हिस्सों में बांटने का काम भी इसी कार्यकाल में हुआ। इसके साथ राम मंदिर निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। यह कार्यकाल आधारभूत संरचना में विकास और रेलवे के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम के लिए याद किया जाएगा।

बढ़ते लोकतंत्र की झलकियां

1991 में राव सरकार के समय देश की आर्थिक स्थिति काफी खराब थी, वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने नई आर्थिक नीति लाई।

1999 की वाजपेयी सरकार ने देश को सड़क मार्ग से जोड़ने के लिए गोल्डन क्वाडरेंगल योजना शुरू की।

अटल बिहारी वाजपेयी की मौत की खबर से पूरे देश में लोग गम में डूब गए। उनकी अंतिम यात्रा में पीएम मोदी।

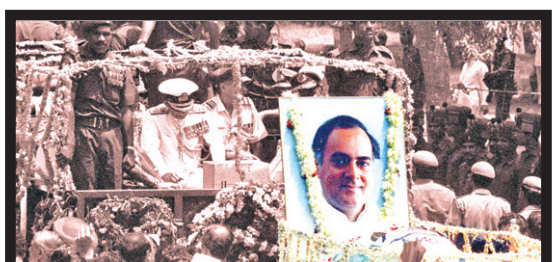

1991 में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की तमिल विद्रोहियों ने हत्या कर दी थी।उनकी अंतिम यात्रा में उमड़े लोग।

2014 में चुनाव जीतकर पहली बार संसद पहुंचने पर पीएम मोदी ने सदन की सीढ़ियों पर सिर नवाया।

सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आने के बाद अयोध्या में 2024 में भव्य राम मंदिर बनकर लगभग तैयार हो चुका है।

UDISE Code:- 20020106705 Affiliation No: 3430393 School Code:-66596 | www.stmariams.com

Chairman
Avinash Dev

HOSTEL FACILITY AVAILABLE

ST. MARIAM'S SCHOOL
Affiliated to CBSE, New Delhi

A Co-Educational English Medium School 10+2
(In the memory of Sumitra Devi)
Run & Managed by Sumitra Foundation, Registration No. :- 934/24/2012

ADMISSION OPEN for class XI

ADMISSION
Form Available

Daltonganj, Palamu, Jharkhand-822101, Contact.:- 06562-796343, 9955865321, 9955865193

ST. MARIAM'S SCHOOL
In The Memory of Sumitra Devi | Run & managed by Sumitra Foundation
A Co-Educational English Medium School | Affiliated to C.B.S.E. New Delhi

Our Toppers : 2023 -24 (Class-Xth)

Our Toppers : 2023 -24 (Class-Xiith)

एक नजर

जिला स्तरीय रेफरी व कोच सेमिनार परीक्षा संपन्न

मेदिनीनगर। पलामू जिला खोखो एसोसिएशन के तत्वावधान में नौ जून को जीएलए कॉलेज ऐथलेटिक्स स्टेडियम में जिला स्तरीय खो खो रेफरी कोच का सेमिनार व परीक्षा का आयोजन किया गया। सेमिनार में पलामू जिला के 20 रेफरी व कोच प्रशिक्षण के लिए उपस्थित हुए। सेमिनार का प्रारंभ पलामू जिला ओलंपिक एसोसिएशन के वरीय उपाध्यक्ष कमलानंद दुबे के संबोधन से हुआ। सेमिनार व रेफरी के महत्व के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। पलामू जिला खो-खो एसोसिएशन के अध्यक्ष अजातशत्रु प्रसाद सिन्हा ने सभी उम्मीदवारों के उज्जवल भविष्य को बधाई देते हुए सेमिनार प्रारंभ किया।

पारा शिक्षक आंदोलन के मूड में, आर-पार की लड़ाई को तैयार

पारा शिक्षकों को छलने का कार्य कर रही सरकार: ऋषिकांत

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। आकलन सफल सह प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ की एक बैठक रविवार को पुराना कचहरी परिसर स्थित पुराना डीएसई कार्यालय परिसर में हुई। बैठक में सहायक अध्यापक संघ का वेतनमान या समतुल्य मानदेय, आकलन पास को भी सहायक आचार्य नियुक्ति मे एक मौका देने, आकलन प्रमाण पत्र निर्गत करने, दूसरे आकलन परीक्षा का आयोजन करने पर चर्चा की गई। इसके अलावा अनुकम्पा को शिथिल करते हुए योग्यता अनुसार नौकरी, मृत सहायक अध्यापक परिजनों को एक सरकारी नौकरी व पांच लाख

एक मुस्त राशि, सेवानिवृत्ति उपरांत तीन लाख प्रोत्साहन राशि की मांगों पर सरकार द्वारा कोई निर्णय नहीं लेने पर रोष प्रकट किया गया। प्रदेश अध्यक्ष ऋषिकांत तिवारी ने कहा कि जो सरकार तीन माह में सहायक अध्यापकों को वेतनमान देने की घोषणा की थी वह सरकार के साढ़े चार वर्ष कार्यकाल उपरांत भी स्थिति वही की वही है। झामुमो की सरकार भी और सरकार की तरह सिर्फ पारा शिक्षकों को चुनाव मुद्दा बनाकर छलने का कार्य की है। बबलू सिंह ने कहा कि सरकार वर्ता का खेल समाप्त करें व पारा शिक्षकों को भविष्य को संवारते का काम करें। मौके पर आकलन सफल सह प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ के प्रदेश अध्यक्ष ऋषिकांत तिवारी, बबलू सिंह जी, हरेंद्र सिंह, सूरत राम, बृजकिशोर तिवारी, अनील सिंह, राम प्रवेश, अभिषेक शर्मा, सुरेंद्र, अमाम, नागेंद्र, पिंटू, अशोक, रंजीत, रफी उलाह, गिरवर, प्रेमचंद, जीतेन्द्र, अमरेश, कमला, राकेश, सुनील, रमेश, सुरेश, शम्भू, आशीष, विनोद, अनिथ सहित सहायक अध्यापक उपस्थित थे।

तत्काल मंहगाई देखते हुए मानदेय मे 10 हजार की बढ़ोतरी करे : जिला उपाध्यक्ष

जिला उपाध्यक्ष सूरत राम ने कहा कि सरकार तत्काल मंहगाई देखते हुए मानदेय मे 10 हजार की बढ़ोतरी करें। सरकार सहायक अध्यापक की समस्याओं का 15 दिनों के अंदर निष्पादन करें नहीं तो प्रदेश के 62 हजार पारा शिक्षक पुनः आपने रौद्र रूप में आंदोलन करने को विवश होंगे।

न्यूज बॉक्स

जेईई एडवांस में श्रेया ने सफलता प्राप्त कर जिले का मान बढ़ाया

मेदिनीनगर। रजवाडीह निवासी श्याम चंद्र पांडेय की पोती श्रेया पांडेय ने जेईई एडवांस में ईडब्ल्यूएस कैटेगरी में पूरे भारत में 4332 वां रैंक लाकर सफलता

हासिल कर जिले का नाम रौशन की है। श्रेया की प्रारंभिक शिक्षा एमकेडीएवी मेदिनीनगर से हुई है। डीएवी से दसवीं करने के बाद 12 वीं प्लस टू पलामू जिला स्कूल से इंटर पास की। बोकारो से जेईई की तैयारी कर पहली प्रयास में ही यह सफलता हासिल की। मिथलेश पांडेय की सुपुत्री श्रेया दो बहन व एक भाई में दूसरे नंबर पर है। बचपन से ही काफी मेधावी छात्रा रही है। श्रेया के मामा ओरनार निवासी वेद प्रकाश तिवारी ने सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि प्रतियोगिता के इस दौर में बच्चों की सफलता परिवार में खुशी का क्षण लाती है। साथ ही परिवार के अन्य बच्चों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। श्रेया की सफलता पर उनके दादा श्याम चंद्र पाण्डेय ने खुशी जाहिर हुए कहा कि वह बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि की रही है। और उसकी सफलता पर पूरा परिवार उसके उज्जवल भविष्य की कामना करता है। श्रेया के पिता मिथिलेश पाण्डेय अधिवक्ता है उनकी माता गृहिणी है। श्रेया ने अपनी सफलता को श्रेय अपने दादा को दिया है।

सोनियां गांधी कांग्रेस संसदीय दल का नेता बनी, हृदयानंद मिश्र ने बधाई दी

मेदिनीनगर। सोनिया गांधी को कांग्रेस संसदीय दल की नेता बनाए जाने पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व झारखंड सरकार के हिन्दू धार्मिक न्यास बोर्ड के सदस्य हृदयानंद मिश्र ने बधाई दिया है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी सौम्यता, सरलता, निष्कपट, त्याग की प्रतिमूर्ति हैं। वह दो बार देश के प्रधानमंत्री का पद ठुकरा कर अपनी जगह डा. मनमोहन सिंह को भारत का प्रधानमंत्री पद पर आसीन करवायी हैं। यह त्याग विश्व के राजनैतिक इतिहास के सुनहरे पन्नों पर सदैव अंकित रहेगा। त्याग की प्रतिमूर्ति के नेतृत्व में लोकसभा के अंदर देश के चातुर्दिक विकास में उनकी भूमिका अविस्मरणीय रहेगी।

गजलों का संग्रह चांद उतरता है का विमोचन 23 को

मेदिनीनगर। प्रगतिशील लेखक संघ पलामू की बैठक शिव शंकर प्रसाद की अध्यक्षता में शनिवार की रात संपन्न हुई। बैठक का आयोजन लोकप्रिय शायर डॉ शोएब राही के निवास स्थान पर आयोजित की गई थी। बैठक में पिछले कार्यों की रिपोर्टिंग भावी कार्यक्रम पर विस्तार से चर्चा की गई। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 23 जून को सूफी शायर मौलाना मोहम्मद अयुब शमीम नदवी शहसरामी द्वारा लिखित पुस्तक चांद उतरता है का विमोचन व मुशायरा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। बता दें कि मौलाना मोहम्मद अयुब शमीम नदवी शहसरामी सन 1938 में गिरवर उच्च विद्यालय के हेड मौलवी के रूप में नियुक्त किए गए थे। उनका जन्म सासाराम में हुआ था। गिरवर उच्च विद्यालय में हेड मौलवी के रूप में कार्यभार संभालने के बाद पलामू के ही होकर रह गए। उन्होंने उर्दू साहित्य को एक नई ऊंचाई प्रदान की। कार्यक्रम में आयोजित मुशायरा में झारखंड के अलावे अन्य प्रांत के शायर व कई कवि उपस्थित होंगे। बैठक में प्रगतिशील लेखक संघ के सचिव नुदरत नवाज, शब्बीर अहमद, डॉ मकबूल मंजर, नौशाद अहमद, डॉक्टर इंतखाब असर, पंकज लोचन, मनीष कुमार, प्रेम प्रकाश सहित अन्य उपस्थित थे।

जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन बालक बालिका खो-खो प्रशिक्षण शिविर शुरू

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिला खोखो एसोसिएशन के तत्वावधान में जिला स्तरीय बालक-बालिका, महिला-पुरुष खोखो प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 14 जून जीएलए कॉलेज के मैदान में किया गया है। शिविर का उद्घाटन रविवार को मुख्यअतिथि पलामू जिला ओलंपिक एसोसिएशन के वरीय उपाध्यक्ष कमलानंद दुबे व पलामू जिला खोखो एसोसिशन के सचिव संजय त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया। शिविर में पहले दिन डालटनगंज के जीजीपीएस स्कूल जमुने, बीसीसी मिशन बालिका उच्च विद्यालय आबादगंज, ब्राह्मण प्लस टू उच्च विद्यालय, गिरवर प्लस टू उच्च विद्यालय, डीएवी पब्लिक स्कूल के 50 खिलाड़ियों ने भाग लिया। शिविर के प्रशिक्षक रेशमा पांडेय, प्रीति कुमारी, अक्शा नाग, रंजीत सिंह ने खिलाड़ियों को नई पद्धति से प्रशिक्षण प्रारंभ किया। भाग लेने वाले खिलाड़ियो में रमन सिंह, करण कुमार सिंह, पवन कुमार, अनुज कुमार, विकास कुमार, विशाल कुमार, प्रांजल कुमार,अभिनव कुमार, अंकित कुमार, रामजी मोची, रिंकू उरांव, आकाश कुमार, पंकज कुमार, अमरजीत गुप्ता, राहुल कुमार, रंजीत कुमार सिंह, विक्रम कुमार, सूरज उरांव, बालिका वर्ग में रिया कुमारी, अंजली कुमारी, नेहा कुमारी, प्राकृतिक तिर्की, श्वेता कुमारी, मोनी कुमारी, पूजा कुमारी, अनु कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, प्रीति कुमारी, काजल कुमारी, मेरिश टेला,तनू कुमारी, निशा कुमारी सहित अन्य खिलाड़ियों ने भाग लिया। शिविर में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पलामू जिला का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा।

पंचकर्म विधि से जटिल रोगों का इलाज संभव

जड़ से सामप्त कर देता है रोग, पलामू के लोगों को भी मिलेगा लाभ

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीगनर। भारत में प्राचित पद्धति से जटिल से जटिल रोगों का इलाज संभव है। वर्तमान समय में भी प्राचिन पद्धति के पंचकर्म विधि से लोगों का कई असाध्य बीमारियों का इलाज संभव है। जानकारी के अभाव में आज भी लोग अंग्रेजी दवा व ऑपरेशन द्वारा इलाज करा रहें है। प्राचीन पद्धति का पंचकर्म विधि से इलाज कर कई असाध्य बीमारियों को जड़मूल से समाप्त कर दिया गया है। भारत सरकार आयुष मंत्रालय का गठन कर पुरानी पद्धति से इलाज कराने का बढ़ावा दे रहा है। आयुष मंत्रालय द्वारा जिला स्तर पर भवन का निर्माण भी कराया जा रहा है। पलामू में भी आयुष मंत्रायल द्वारा करीब 49 लाख की लागत से भवन का निर्माण करा दिया गया है।

गंभीर बीमारियों का होता है इलाज

पंचकर्म विधि से विकृत अंग या ऑपरेशन से भी ठीक नहीं हुए बीमारियों का इलाज कर ठीक किया जाता है। इसे कुटी प्रावेशिक विधि से भर्ती कर किया जाता है। इसमें मरीज को पंचकर्म केंद्र में रखा जाता है। वहां उनका इस कई प्रक्रिया से गुजारकर इलाज किया जाता है। विशेष तौर पर घुटने का दर्द का इलाज आसान विधि से किया जाता है। प्राचिन पद्धति से सभी रोगों का इलाज संभव है। जागरूकता के अभाव में लोग अंग्रेजी व ऑपरेशन का सहारा लेते है। घुटने का ऑपरेशन कराने के बाद भी दर्द बना रहता है। इसी प्रकार बहुत से ऐसे भी रोग हैं जो जिसका इलाज पंचकर्म विधि से ही संभव है।

जिला आयुष पदाधिकारी डॉ. राम नारायण कारक

प्राचीन व सुलभ पद्धति से इलाज संभव

पलामू जिले में आयुष भवन का पंचकर्म प्रशिक्षण सह सेवा केंद्र बनकर तैयार है। वहां आयुर्वेद की प्राचीन व सुलभ पद्धति से मरीज का इलाज किया जाएगा। मरीज के सभी अंगों का इलाज भर्ती कर किए जाने की व्यवस्था की गई है। उनमें शरीर का शोधन, बमन, बिरेचन, सिरोबीरेचन विधि से इलाज किया जाता है। जो अंग खराब होता है या कमजोर पड़ जाता है, उसका इलाज इस विधि से संभव है। झारखंड में 10 जिले में इस विधि से इलाज किया जा रहा है।

विभाग द्वारा अभी हैंडओवर नहीं करने के कारण आयुष पदाधिकारी वहां पर नहीं बैठ रहे हैं। आयुष मंत्रालय द्वारा जिला स्तर पर बनाए गए भवन का नाम पंचकर्म रखा गया है। वहां पर पंचकर्म विधि से सभी जटिल से जटिल रोगों का इलाज संभव है। पंचकर्म विधि आयुर्वेद का सबसे पुरानी पद्धति है।

आजसू पार्टी ने भगवान बिरसा मुंडा की पुण्य तिथि मनायी

मेदिनीनगर। आजसू पार्टी ने रविवार को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्य तिथि मनाई। कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि व माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। पार्टी के केन्द्रीय सचिव सतीश कुमार ने कहा कि झारखण्ड राज्य का अस्तित्व बिरसा भगवान के विचार के. बिना अधूरा है। पलामू में एक मात्र बिरसा भगवान की प्रतिमा पर प्रशासन द्वारा माल्यार्पण तो दूर निगम सफाई भी नहीं करवाया। केन्द्रीय सचिव इम्तयाज अहमद नजमी ने कहा कि पुण्य तिथि पर संकल्प लिया ले कि भगवान बिरसा मुंडा की आदर्श पर चलकर झारखण्ड नव निर्माण के आन्दोलन को तेज कर विकास की अलख जगाना है। केंद्रीहय सचिव विकेश ने कहा कि झारखण्ड अलग राज्य के आन्दोलन में लाखों लोग ने प्रताड़ित हुए हैं। हजारों ने शहादत दी। पुण्यतिथि पर शपथ लेकर आन्दोलनकारियों के मान सम्मान व स्वाभिमान, संघर्ष के मशाल को जलाकर बेहतर राज्य के सपनों को साकार करें।

अध्यात्म

श्री रामकृष्ण मां शारदा सेवा समिति के तत्वावधान में अध्यात्म पर गोष्ठी

जीवन को संवारने के लिए अध्यात्म की आवश्यकता : स्वामी भावेशानंद

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। श्री रामकृष्ण मां शारदा सेवा समिति मेदिनीनानगर के तत्वावधान में भक्त सम्मेलन विषय पर 'दैनिक जीवन मे आध्यात्म की आवश्यकता' का आयोजन दुर्गा बाड़ी के प्रांगण में रविवार को किया गया। मुख्य अतिथि श्रीमद् स्वामी विवेकानंद व रामकृष्ण मिशन आश्रम रांची के सचिव स्वामी भावेशानन्द थे। कार्यक्रम में मेदिनीनगर की प्रथम महापौर अरूणा शंकर ने कहा कि जीवन में मां ही सब कुछ देती हैं। मां जन्म से लेकर पूरे जीवन तक पालन करने का काम करती है। सभी तरह का संरक्षण मां द्वारा ही पूरी की जाती है। सुरक्षा का आधार भी मां का ही होता जब पुत्र को भय हो जाता है। डा. दीपांकर भट्टाचार्य दैनिक जीवन मे अध्यात्म की आवश्यकता का विस्तार से अपना पक्ष

रखा। सुकुमार मुखर्जी कोडिनेटर झारखंड बिहार राम कृष्ण विवेकानंद भाव प्रचार परिसदन ने जीवन में अध्यात्म की आवश्यकता क्यों है पर प्रकाश डाला। कहा कि जिस तरह शरीर के संचालन के लिए विटामिन की आवश्यकता है, उसी तरह जीवन को पूर्ण करने के लिए अध्यात्म की आवश्यकता है। जिसके प्रेरणा स्रोत विवेकानंद है। स्वामी भावेशानंद ने कहा जीवन को संवारने के लिए अध्यात्म की नितांत आवश्यकता है। जीवन के हृदय में परमात्मा को स्थान देने से जीवन कुंदन हो जाता है। भगवान राम कृष्ण स्वयं कहते है भक्त का हृदय ही ईश्वर है। उन्होने सभी भक्तों को मेडिटेशन का प्रेरणा प्रदान किया है। संस्था के अध्यक्ष राज देव उपाध्याय ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरूआत राम कृष्ण वचनामृत से शुरू हुआ। कार्यक्रम में श्री व्यास मनी त्रिपाठी, मानस कुमार, गौतम पांडेय, दुर्गेश सिंह, शुभम प्रसाद, चंद्रकांत सिंह, संदीप दास, विवेक चौबे, उज्जवल सिंह, अंकित कुमार लाल, मनीष वर्मा, संजय प्रजापति, अविनाश वर्मा, कृष्ण प्रसाद अग्रवाल, विवेक सोनी, मुकेश गुप्ता, त्रिदेव उपाध्याय, देव उपाध्याय, सचिन मिश्रा आदि उपस्थित थे।

पलामू में बिरसा मुंडा की शहादत को किया याद

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। इप्टा, प्रगतिशील लेखक संघ, अखिल भारतीय किसान सभा, जन संग्राम मोर्चा द्वारा संयुक्त रूप से बिरसा मुंडा की शहादत दिवस के अवसर पर रेलवे स्टेशन रोड स्थित बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केडी सिंह, युगल पाल, सुरेश सिंह, गोविंद प्रसाद, अभय मिश्र ने संयुक्त रूप से माल्यार्पण कर उपस्थित तमाम लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित की। माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम के बाद अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय सचिव केडी सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान बिरसा मुंडा ने जिन झारखंड वासियों के हक व अधिकार के लिए अंग्रेजों से लोहा लिया था। आज भी वह समुदाय दतवन बेच रहा है। जब तक जल जंगल जमीन पर उनका अधिकार नहीं होगा तब तक बिरसा मुंडा के सपनों का झारखंड नहीं बन पाएगा। जन संग्राम मोर्चा के युगल पाल ने कहा कि बिरसा मुंडा की शहादत जिन मूल्यों के लिए हुआ है उन मूल्यों के हिफाजत के लिए आज भी संघर्ष को जारी रखना होगा। इसके बाद इप्टा के कलाकारों ने बिरसा मुंडा के उलगुलान को याद करते हुए सामूहिक रूप से हक की लड़ाई गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में इप्टा के अध्यक्ष सुरेश सिंह ने बिरसा मुंडा के संघर्षों को याद करते हुए धन्यवाद किया। मौके पर उपेंद्र कुमार मिश्रा, राजीव रंजन, गोविंद प्रसाद, संजीव कुमार संजू, अभय मिश्रा, भोला, सौरभ कुमार, दिनेश कुमार शर्मा, भूपेश कुमार शर्मा सहित अन्य उपस्थित थे।

बिरसा मुंडा की शहादत जिन मूल्यों के लिए हुआ है उन मूल्यों के हिफाजत के लिए आज भी संघर्ष को जारी रखना होगा : युगल पाल

संवेदक की लापरवाही कभी जान पर बन सकती है भारी

जलमीनार स्टैंड में नट बोल्ट नहीं लगा

नवीन मेल संवाददाता

नावाबाजार। नावाबाजार प्रखंड के बसना पंचायत स्थित चेचरिया गांव में जल जीवन मिशन के तहत कराए जा रहे नल जल योजना संवेदक की लापरवाही व विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से पूरी तरह फेल हो गया है। संवेदक द्वारा न तो नियम संगत कार्य किया गया है व न ही विभागीय अधिकारियों द्वारा कभी पहल किया गया। संवेदक के द्वारा लगाए गए जलमीनार स्टैंड स्ट्रक्चर में नट-बोल्ट भी नहीं लगाया गया है, जो कभी बड़ी दुर्घटना को आमंत्रित कर सकता है। इतना हीं नहीं स्टैंड के लिए बना प्लेटफार्म भी घटिया है। कुआं की भांति गड्ढा खोदकर छोड़ दिया गया है। जिसमें बच्चों को गिरने का डर हमेशा बना रहता है। रविवार की सुबह स्थानीय लोगों ने बसना पंचायत के पंचायत समिति सदस्य हरिशंकर दुबे से मामले की शिकायत की। लोगों ने कहा कि संवेदक के द्वारा किए गए बोरिंग में पानी नहीं है। फिर भी जबरन जलमीनार स्टैंड खड़ा किया गया। पानी सप्लाई के लिए 100 फीट पाईप के साथ एक एचपी का मोटर लगाया गया हैं। जो कभी पानी नहीं देता। ग्रामीणों ने कहा कि नाममात्र का गड्ढा खोदकर पाईप पानी सप्लाई के लिए डाला गया है और वह भी घटिया है। लोगों को पानी मयस्सर नहीं हो रहा है। स्थानीय लोगों द्वारा मामले की शिकायत विभागीय

अधिकारियों से भी किया जाता रहा है। फिर भी न कोई कार्रवाई हो रहा और न हीं उसपर दबाव डालकर कार्य कराए जा रहे। विभागीय कनीय अभियंता द्वारा मापी पुस्तिका संधारित कर दिया गया है। जिसके बदले बिना कार्य कराए लगभग आधा राशि का भुगतान संवेदक को हो गया है। पंचायत के चेचरिया गांव में लगाए गए सभी जलमीनार की स्थिति यही है। वहीं ब्रहमोरिया गांव में केवल बोरिंग कर छोड़ दिया गया है। पंचायत समिति सदस्य हरिशंकर दुबे के समक्ष शिकायत करने वाले ग्रामीणों में बासुदेव भुइयां, दशरथ भुइयां, धर्मशिला देवी, मालती देवी, ललिता देवी, प्रमिला देवी, उर्मिला देवी, धनू राम, बुलू भुइयां के नाम शामिल है।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं

संवेदक द्वारा घटिया निर्माण कार्य कराया जा रहा है। बोरिंग जरूरत के अनुरूप कहीं नहीं किया गया। घटिया जलमीनार स्टैंड स्ट्रक्चर लगाया गया है, जो तेज हवा में कभी भी क्षतिग्रस्त हो सकता है। लापरवाही बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। संवेदक अपनी कार्यशैली सुधार लाएं।

हरिशंकर दुबे, पंचायत समिति सदस्य, बसना, नावाबाजार

संवेदक द्वारा घटिया निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जिसकी शिकायत भी विभागीय अधिकारियों से किया जाता रहा है। अधिकारियों द्वारा नियम संगत कार्य कराने के लिए संवेदक पर कभी दबाव नहीं डाला गया। बिना कार्य किए मापी पुस्तिका संधारित कर दिया गया। संवेदक की लापरवाही व विभागीय अधिकारियों की गतिविधि की जानकारी उपायुक्त पलामू को आवेदन देकर किया जाएगा। जिला परिषद बोर्ड में आवाज लाया जाएगा।

रीना देवी, जिला परिषद सदस्य, नावाबाजार पलामू

न्यूज बॉक्स

प्रियरंजन गोली हत्याकांड अपराधियों के बढ़े हुए मनोबल को दर्शाता है : एकता मंच

छतरपुर। छतरपुर थाना क्षेत्र के कंचनपुर निवासी प्रियरंजन कुमार को विगत एक सप्ताह पहले ही अपराधियों द्वारा सतबरवा थाना क्षेत्र के एक सुनसान इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। प्रियरंजन सतबरवा में एक माइक्रोफाइनेंस कंपनी के रिकवरी एजेंट के पद पर कार्यरत थे। इस गोली हत्याकांड मामले को युवा एकता मंच के अध्यक्ष संदीप सरकार ने कड़ी शब्दों में निंदा कर सतबरवा थाना प्रभारी से मुलाकात कर इस कांड में शामिल अपराधियों को जल्द गिरफ्तार करने की बात कही। उन्होंने बताया कि आज के युवा वर्ग रोजगार के तलाश में दर-दर भटक रहे हैं। बताया कि वैसे मुझे स्थानीय प्रशासन के सक्रियता पर कोई सवाल नहीं है। जहां तक मैं समझता हूं कि इस मामले में स्थानीय प्रशासन अपराधियों को पकड़ने के लिए अपनी सक्रियता दिखा रही है परंतु जल्द से जल्द अपराधियों को पड़कर उन्हें कठोर सजा मिले ताकि युवा वर्ग बेखौफ होकर अपने पारिवारिक बोझ उठाते हुए देश के विकास में अपनी जिम्मेदारियां निभा सके। थाना प्रभारी से मुलाकात के दौरान कंचनपुर मुखिया पति राम जन्म राम, पूर्व मुखिया नृपत राम, मृतक के पिता योगेश राम, मलिकचंद,विजय कुमार, चंदन कुमार इत्यादि उपस्थित रहे।

किराना दुकान में लगी आग, एक लाख की संपति का नुकसान

घटना देवरी खुर्द पंचायत के पूर्णाडीह गांव का

हुसैनाबाद। हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र के देवरी खुर्द पंचायत के पूर्णाडीह गांव में शनिवार की रात एक किराना दुकान में आग लग गई। इससे दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। पीड़ित परिवार के अनुसार इस आगजनी में करीब एक लाख रुपये का नुकसान हुआ है। घटना के बाद पीड़ित दुकानदार, उसके परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार पुणार्डीह गांव निवासी अवधेश चौधरी शनिवार की रात अपना दुकान बंद कर घर खाना खा रहा थे। इसी बीच दुकान से आग लग गई और देखते ही आग की लपट काफी तेज हो गई। स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। आग से दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। पीड़ित दुकानदार ने बताया की आग कैसी लगी पता नहीं चल सका हैं। अवधेश चौधरी ने कहा की उनका व उनके परिवार का इसी दुकान से चलाकर अपना जीवन गुजर बसर करते थे। दुकान जल जाने के बाद अपने छह बच्चों का जीवन यापन करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना होगा। आग लगी की जानकारी मिलते ही उतरी जिप सदस्य राजू मेहता व मुखिया ममता देवी ने कहा कि अग्नि पीड़ित परिवार को आपदा प्रबंधन राहत कोष से आर्थिक सहायता दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

किसानों के हित की लड़ाई जारी रहेगी : कर्नल संजय

हरिहरगंज। शहर के न्यू सब्जी मंडी स्थित नयन होटल में रविवार को किसान ब्रिगेड के तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरिहरगंज प्रखंड अध्यक्ष विनोद पासवान, संचालन पिपरा प्रखंड अध्यक्ष लालबहादुर सिंह ने किया। कार्यक्रम में हरिहरगंज, पिपरा प्रखंड के सभी पंचायत प्रभारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि किसान ब्रिगेड के संरक्षक कर्नल डॉ. संजय कुमार सिंह ने कहा कि पलामू जिला सहित पूरा हरिहरगंज-हुसैनाबाद विधानसभा के किसान खेती बारी छोड़कर पलायन करने को मजबूर है। जनता इस समय भूमि गड़बड़ी, 100 यूनिट तक मुफ्त बिजली का लाभ नहीं मिलना, बालू की समस्या, अवैध खनन, पेयजल, सरकारी कार्यालयों में फैला भ्रष्टाचार जैसे विभिन्न समस्याओं से जूझ रही हैं। इन समस्याओं के निराकरण के लिए आगामी 19 जून को अनुमंडलीय मैदान हुसैनाबाद में किसान महापंचायत में पहुंचने का आह्वान किया है। कहा कि किसानों के हित की लड़ाई जारी रहेगी। कार्यक्रम में शिक्षक संघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्याम नारायण सिंह, समाजसेवी राजीव रंजन, प्रखंड प्रभारी चंद्रभूषण सिंह, पंसस सतेन्द्र भुईयां, बद्री नारायण सिंह, अरविंद पासवान, अनुज कुमार, शंभू सिंह, लक्ष्मण चन्द्रवंशी, रघुनंदन साव, अनिल रजक, शंकर चौधरी, दूर्गा कुंवर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थें।

कोयल नदी के गहरे पानी में नहाने के दौरान डूबा युवक का शव बरामद

मोहम्मदगंज। थानान्तर्गत भीमचुल्हा शिव मंदिर के पास शनिवार को कोयल नदी के गहरे पानी में नहाने के दौरान एक युवक डूबने से लापता हो गया था। उसका शव रविवार को नदी में तैरता पाया गया। सूचना पाकर मोहम्मदगंज थाना प्रभारी पंकज कुमार तिवारी, एसआई सुबीर किस्कू घटनास्थल पहुंचकर शव को निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए हुसैनाबाद भेज दिया है। युवक के परिजन सहित आसपास के ग्रामीणों की काफी भीड़ जमा हो गई थी। परिजनों ने बताया कि सोनू तैरना नहीं जानता था। शायद काल ने अपने आगोश में ले लिया। युवक बिहार राज्य के नवीनगर थानान्तर्गत टंडवा का सोनू तिवारी करीब 31 वर्षीय बताया जाता है। वह कपड़ा फेरी का काम करता था। दो माह पूर्व ही शादी हुई थी। थाना प्रभारी पंकज कुमार तिवारी, एसआई सुबीर किस्कू घटनास्थल पर पहुंच कर स्थानीय गोताखोरों को बुलाकर शनिवार की देर शाम तक खोजबीन कराया। डूबे हुए व्यक्ति का पता नहीं चल पाया। देर शाम अंचलाधिकारी रणवीर कुमार भी घटनास्थल पहुचे पर नदी से डूबे व्यक्ति का पता नहीं चलने पर उच्चाधिकारी को एनडीआरएफ टीम की व्यवस्था के लिए आग्रह किया था। रविवार को एनडीआरएफ टीम पहुंचने का सूचना था। शव मिल जाने के बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने राहत की सांस लिया।

एक नजर

बाइक से गिरकर तीन घायल, एक रेफर

हुसैनाबाद। जपला छतरपुर मुख्य सड़क के संढा गांव के समीप रविवार को बाइक से गिरकर तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों में झरगड़ा गांव निवासी राहुल कुमार, प्रतिमा देवी व बाबू कुमार का नाम शामिल है। राहगीरों ने सभी घायलों को इलाज के लिए हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया है। वहां प्रारंभिक इलाज के बाद राहुल कुमार को बेहतर इलाज के लिए एमएमसीएच रेफर कर दिया गया। राहुल ने बताया कि वह अपने एक वर्ष की भगिना को इलाज कराने के लिये झरगड़ा गांव से जपला आ रहे थे। इसी क्रम में संढा के समीप पीछे से दूसरे बाइक सवार ने तेज गति से आते हुए धक्का मार दिया। इससे बहन,भगीना व स्वयं गिर गया। धक्का देकर दूसरा बाइक सवार भाग निकला।

बिजली चोरी के आरोप में 8 पर केस, 79 हजार का जुर्माना

हैदरनगर। थाना क्षेत्र में झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के अभियंताओं ने विशेष छापेमारी अभियान में आठ लोगों को बिजली का अवैध उपयोग करते पाया है। बिना बिजली कनेक्शन बिजली का उपयोग करने वालों के खिलाफ हैदरनगर थाना में बिजली अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। कुल 79 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया है। जिन पर जुर्माना पूरन राम, रमेश राम, नरेश राम, विश्वनाथ राम, कलेंद्र प्रसाद सिंह, उस्मान खान, मोजमिल खान व आकाश राजपूत हैदरनगर थाना क्षेत्र के निवासी हैं। यह जानकारी अवर विद्युत प्रमंडल जपला के कनीय अभियंता प्रदीप कुमार सिंह ने दी। बताया कि अभियान में उनके अलावा सहायक अभियंता रामप्रसाद महतो, मानव दिवसकर्मी जितेंद्र ठाकुर, मनोज कुमार व रंजीत कुमार शामिल थे। उन्होंने बताया कि जेवीएनएल के आदेश पर आगे भी छापेमारी का कार्य जारी रहेगा। पांच हजार रुपए से अधिक बकायेदारों के खिलाफ भी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने बकायेदारों को बिल का भुगतान अविलंब करने की चेतावनी दी है। वैध कनेक्शन के बगैर बिजली का उपयोग नहीं करने की चेतावनी दिया। कहा कि किसी भी कार्य दिवस में विद्युत कार्यालय जपला में कनेक्शन के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह सुविधा ऑनलाइन, प्रज्ञा केंद्र या किसी ऑनलाइन सेंटर से आवेदन किया जा सकता है। सभी कनेक्शन धारियों को घर या दुकान के बाहर मीटर लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। मीटर नहीं लगवाने व पांच हजार से अधिक बकाया रखने वाले उपभोक्ताओं पर कार्रवाई की जायेगी।

एक माह से ढेला गांव का ट्रांसफॉर्मर खराब, ग्रामीण परेशान

नवीन मेल संवाददाता

नीलांबर पीतांबरपुर। प्रखंड के ढेला गांव के ग्रामीण पिछले एक माह से बिजली की समस्या से जूझ रहे है। भीषण गर्मी में कूलर पंखा चलाना तो दूर मोटर से पानी चढ़ाना और मोबाइल चार्जिंग के लिए जेनरेटर चलाना पड़ रहा है। जिससे ग्रामीण परेशान हैं। हालांकि विद्युत विभाग के कर्मियों ने बीते दो-तीन दिनों से समस्या का समाधान करने की भरपूर कोशिश की, लेकिन कोशिश नाकाम रहा। ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण लो-वोल्टेज की समस्या ज्यों का त्यों बनी हुई है। इसके पीछे कर्मियों ने ट्रांसफार्मर पर अधिक लोड होना कारण बता रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब से ट्रांसफार्मर बदल गया है तब से गांव में बिजली की समस्या उत्पन्न हुई है। प्रचंड गर्मी में करीब एक महीने से लो-वोल्टेज की समस्या झेल रहे ढेला के ग्रामीणों में विभाग के प्रतीक काफी आक्रोश है। 1500 आबादी वाले इस गांव में अभी तक अलग से ट्रांसफार्मर नहीं लगा है। इस गांव में लेस्लीगंज स्टेट बैंक के सामने लगे ट्रांसफार्मर से ही विद्युत आपूर्ति होता है, जो करीब 4 किलमीटर में फैले विद्युत कनेक्शन को कवर करता है। लो-वोल्टेज का आलम यह है कि पंखा, फ्रिज, कूलर और पानी का मोटर तो दूर की बात है बल्ब का फिलामेंट भी मुश्किल से जलता है। मोटर नहीं चलने से कई घरों में पेयजल संकट उत्पन हो गई है। कुल मिलाकर गांव के लोग ढिबरी युग में जी रहे है।

ट्रांसफार्मर पर है ओवर लोड

ढेला गांव में बिजली का सप्लाई लेस्लीगंज स्टेट बैंक के सामने लगे 200 केवीए ट्रांसफार्मर से होता है। जिस पर आवश्यकता से अधिक लोड बताया जा रहा है। लोग बताते हैं कि मोबाइल टावर के लिए विभाग अलग से ट्रांसफार्मर मुहैया करती है। इसी ट्रांसफार्मर पर तीन तीन मोबाइल टावर का लोड है। साथ ही एक बर्फ फैक्ट्री, प्लेट फैक्ट्री, ग्रामीण बैंक, ठंडा एवं आइसक्रीम बेचने वाले कई छोटे बड़े दुकानों के सथ-साथ सैकड़ो घरेलू कनेक्शन का लोड है। ट्रांसफार्मर के नजदीक रहने वाले लोगों को तो काम चलने लायक बिजली मिल जा रही है, लेकिन जैसे-जैसे दूरी बढ़ता है वैसे-वैसे लोगों को लोग वोल्टेज की समस्या से जूझना पड़ रहा है।

क्या कहना है सहायक विद्युत अभियंता का

विद्युत सहायक अभियंता ने बताया कि ढेला गांव में उत्पन्न बिजली समस्या की जानकारी कर्मियों से प्राप्त हुई है। समस्या के समाधान के लिए कोई न कोई उपाय निकाला जाएगा। जरूरत पड़ने पर ढेला गांव के लिए अलग से ट्रांसफार्मर मुहैया कराया जाएगा।

लाइन चेक करने पहुंचे विभागीय कर्मियों ने मौके पर ही सहायक अभियंता से बात कर ढेला गांव के लिए 200 केवीए का अलग ट्रांसफार्मर लगवाने का सुझाव दिया। इधर बिजली समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों ने अब आंदोलन करने का रुख अख्तियार किया है। मुखिया पति वीरेंद्र कुमार ने कहा कि तीन दिनों के अंदर यदि ढेला गांव के लिए 200 केवीए का अलग ट्रांसफार्मर नहीं लगता है तो वे ग्रामीण जनता के साथ विद्युत विभाग के विरुद्ध आंदोलन करेंगें।

प्रचंड गर्मी के बीच लू लगने से एक की मौत

विश्रामपुर। क्षेत्र में प्रचंड गर्मी का कहर जारी है। प्रतिदिन पर 44 डिग्री के पार रह रहा है। जिससे आम जन जीवन प्रभावित हुआ है। इसी बीच रेहला के विशुनपुर टोला निवासी विनोद सिंह की मौत शनिवार को लू लगने से हो गई। खबर मिलने पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. ईश्वर सागर चंद्रवंशी मृतक के घर जाकर परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाया। इसके अलावा चंद्रवंशी रेहला निवासी रामनाथ चंद्रवंशी व बच्चू राम के भी घर गए।दोनो की मौत पिछले दिनों लंबी बीमारी के बाद हो गई थी। डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने क्रियाक्रम हेतु परिजनों को आर्थिक मदद भी दी और आगे भी हर संभव मदद देने का भरोसा दिलाया।मौके पर डॉ. डीपी शुक्ला, श्याम किशोर चंद्रवंशी, प्रमोद दीक्षित, नरेंद्र सिंह, आलोक पाठक, ज्वाला गुप्ता,बिनोद सिंह, इसरार हवारी, रवि शंकर तिवार सहित कई लोग मौजूद थे।

दंगवार सूर्य मंदिर का होगा सुंदरीकरण, निर्माण कार्य की निविदा निकली

विधानसभा क्षेत्र में आठ उपस्वास्थ्य केंद्र भवन भी बनेगा

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद हुसैनाबाद हरिहरगंज विधानसभा क्षेत्र में विकास की गति तेज हो गई है। स्थानीय विधायक कमलेश कुमार सिंह ने प्रेस बयान जारी कर कहा कि उनका एक-एक पल हुसैनाबाद हरिहरगंज की जनता को समर्पित है। उनकी समस्याओं को हल कराने में जुटे रहते हैं। हुसैनाबाद क्षेत्र का ऐतिहासिक दंगवार सूर्य मंदिर के विकास का उन्होंने वादा किया था,उसे पूरा कर दिया है। सूर्य मंदिर की चाहरदीवारी निर्माण के साथ परिसर को विकसित व सुसज्जित करने की निविदा निकल चुकी है। जल्द ही कार्य प्रारंभ होगा। उन्होंने बताया कि गांव में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिले, इसके लिए पहले भी कई गांव में स्वास्थ्य उप केंद्र भवन निर्माण कराया गया है। बचे हुए स्वास्थ्य उप केंद्रों के भवन निर्माण कार्य की निविदा निकाल दी गई है। इसमें पिपरा के अंधेरी भाग, सरईया, हरिहरगंज के अररुआ कला व पचमो, हुसैनाबाद के झारगड़ा,कामगारपुर व लोटानिया, हैदरनगर के बरडंडा स्वास्थ्य उप केंद्र भवन शामिल है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा ग्रामीणों की मांग पर पिपरा के तेंदुआ पंचायत अंतर्गत टंडवा जगदीशपुर पुल निर्माण की भी निविदा निकली गई है। उन्होंने बताया कि सभी ग्रामीण सड़कों की स्वीकृति के बाद अधिकांश पर कार्य किए जा रहे हैं। अन्य कार्यों को भी पूरा कराने में वह जुटे हैं। तीन माह के अंदर सभी वादा को पूरा करने का काम किया जाएगा।

सशक्त समाज से ही राजनीतिक पहचान मिलेगी : मनोज विश्वकर्मा

विश्वकर्मा समाज का पुनर्गठन, उदयनाथ विश्वकर्मा बने प्रखंड अध्यक्ष

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। रविवार को विश्वकर्मा मंदिर जपला धरहरा परिसर में विश्वकर्मा समाज की बैठक उदयनाथ विश्वकर्मा की अध्यक्षता में हुई। संचालन शिक्षक जयप्रकाश शर्मा ने किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य कमेटी का विस्तार कर पुनर्गठन करना था। सर्वप्रथम बैठक का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि मनोज विश्वकर्मा द्वारा बाबा विश्वकर्मा के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। मुख्य अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष मनोज विश्वकर्मा विभिन्न प्रखंडों के अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत कर मान बढ़ाया। सर्वसम्मिति से पुनः उदयनाथ विश्वकर्मा को हुसैनाबाद प्रखंड अध्यक्ष के रूप में चुन लिया गया। महासचिव के रूप में सतीश कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष के रूप में घनश्याम विश्वकर्मा को चुना गया। सभी नव चयनित अधिकारियों को मुख्य अतिथि व समाज के लोगों ने सशक्त समाज में अपना योगदान करने पर बल दिया। बैठक में हैदरनगर प्रखंड अध्यक्ष अखिलेश विश्वकर्मा, मोहम्मदगंज प्रखंड अध्यक्ष लल्लू विश्वकर्मा, जिला अध्यक्ष मनोज विश्वकर्मा सहित हुसैनाबाद से भोला विश्वकर्मा, कन्हाई विश्वकर्मा, राजेश विश्वकर्मा, मुकेश विश्वकर्मा, अरुण विश्वकर्मा, अशोक विश्वकर्मा, राकेश विश्वकर्मा, युगेश शर्मा, बैकुंठ शर्मा, सूर्यमोहन शर्मा, लवकुश शर्मा सहित विश्वकर्मा समाज के कई लोग उपस्थित थे।

उत्साह

प्रखंड वासियों के लिए भी गर्व की बात

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को मिला कायाकल्प आवार्ड

नवीन मेल संवाददाता

नीलांबर-पीतांबरपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नीलांबर पितांबरपुर को स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। इस बार कायाकल्प अवार्ड 2023-24 के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पूरे राज्य में प्रथम स्थान हासिल किया है। जो सिर्फ स्वास्थ्य कर्मियों के लिए ही नहीं बल्कि प्रखंड वासियों के लिए भी गर्व की बात है। इसका श्रेय डॉ अरुण चन्द्र मोहंती, बीपीएम राजकुमार सिंह, लेखा प्रबंधक मो शकीर, नीलेश कुमार पांडेय, फार्मासिस्ट प्रवीण कुमार, लैब टेक्नीशियन दीपू कुमार, एएनएम उर्मिला कुमारी, रीना शर्मा, ड्रेसर मो आजम,सूर्य उदय कुमार सहित सभी स्वास्थ्य कर्मियों को दिया जाता है।

पूर्व में भी मिल चुका है अवार्ड : सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नीलांबर पीतांबरपुर लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। कायाकल्प अवार्ड मिलने से पहले भी आयुष्मान भारत योजना में पूरे राज्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा सीएचसी प्रभारी डॉ राजीव रंजन को प्रशस्ति पत्र मिल चुका है। साथ ही कायाकल्प अवार्ड का सांत्वना पुरस्कार मिल चुका है।

सीएचसी के प्रदर्शन से स्वास्थ्य कर्मियों में हर्ष

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बेहतर प्रदर्शन से कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों में हर्ष का माहौल देखा जा रहा है। सीएचसी प्रभारी डॉ राजीव रंजन ने कहा कि आंतरिक एवं बाह्य मूल्यांकन में अस्पताल का लगातार बेहतर प्रदर्शन करना स्वास्थ्य कर्मियों व चिकित्सकों के साथ पूरी टीम के सहयोग से ही संभव हो पा रहा है। लगातार कायाकल्प अवार्ड के लिए नामित होना दशार्ता है कि स्वास्थ कर्मी लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर ढंग से उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को और भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो, इसके लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

क्या है कायाकल्प योजना

केंद्र सरकार द्वारा अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं और व्यवस्थाओं को परखने के लिए ही कायाकल्प योजना की शुरूआत की गई है। इसके तहत अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं,स्वच्छता,कचरा प्रबंधन तथा संक्रमण नियंत्रण एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने पर स्वास्थ्य केंद्र का मूल्यांकन किया जाता है। इसके तहत पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले सीएचसी को 15 लाख प्लस 5 लाख स्वास्थ्य संस्थान को मिलेगा। जिसमें 25 प्रतिशत कर्मचारियों में बंटेगा, 75 प्रतिशत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के विकास में लगाया जाता है।

एक नजर

भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाला विजय जुलूस

गढ़वा। भाजपा प्रत्याशी विष्णु दयाल राम के लगातार तीसरी बार चुनाव जीतने पर भंडरिया मंडल मुख्यालय में विजय जुलूस निकाला। जुलूस इंदिरा गांधी चौक, मुख्य बाजार, रेंज ऑफिस तक विजय जुलुस गया। मंडल अध्यक्ष राजेश्वर ठाकुर जुलूस का नेतृत्व कर रहे थे। मौके पर कार्यकर्ताओं के बीच मिठाई भी बांटा गया। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ओम प्रकाश केशरी ने कहा कि लोकतंत्र चुनावी महापर्व में कार्यकर्ता व मतदाताओं ने तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व सांसद विष्णुदयाल राम पर विश्वास जताया है। नरेंद्र मोदी की गारंटी पर जनता ने विश्वास किया। भाजपा सरकार गठन से राष्ट्र मजबूत होकर उभरेगा। आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत का लक्ष्य पूरा होगा। कराने के लिए लोकसभा चुनाव में आप सभी अपना अपना योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि राजग गठबंधन व देश की जनता के बीच प्रधानमंत्री देश विकसित करने का संकल्प है। कार्यक्रम में राजेश्वर ठाकुर, रुपनिरंजन सिंहा, विनय जायसवाल, विरझू सिंह, बबलू वर्मा, सत्यनारायण गुप्ता, अनिल केशरी, सुमित गोस्वामी, अखिलेश कुमार बैठा, रुपेश कुमार, रामजी ठाकुर, देवसागर दीक्षित, राम चरित्र महतो, मदन केशरी, अंबिका सिंह, जय महतो, राजू ठाकुर, लव यादव, आदित्य कुमार मौजूद थे।

मोटरसाइकिल से गिरकर महिला घायल

गढ़वा। गढ़वा थाना क्षेत्र के बेलचंपा गांव में संड़क दुर्घटना में एक महिला घायल हो गई। घायल महिला का पहचान पलामू जिला के पांडू थाना क्षेत्र के महूगांवा गांव निवासी तारस पासवान की पत्नी सुनैना देवी 45 वर्ष के रूप में हुई है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि सुनैना अपने रिश्तेदार के साथ अपने घर से गढ़वा की ओर आ रही थी। इस दौरान बेलचंपा गांव के पास बाइक से अनियंत्रित होकर गिर गई। घटना के बाद अस्थानीय लोग की मदद से उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना में घायल के शरीर के विभिन्न हिस्सों में गंभीर चोट आई है।

उरांव टोला में सोलर जलमीनार खराब, पेयजल की किल्लत

नवीन मेल संवाददाता

केतार। केतार प्रखंड क्षेत्र के पाचाडुमर गांव अंतर्गत उरांव टोला में सुकन साह के घर के पास विधायक मद से लगा जलमीनार पिछले कई महीनों से खराब पड़ा है। उक्त जलमीनार खराब होने से उरांव टोला के ग्रामीणों को इस भीषण गर्मी में पेयजल की किल्लत उत्पन्न हो गई है। ग्रामीण संगीता देवी,कलवंती देवी,राधीका देवी, बिहारी उरांव, पिंटू उरांव, रामदेव साह, जितेन्द्र उरांव, अनीता देवी, सुनीता देवी ने बताया की जलमीनार खराब होने से पेयजल की समस्या उत्पन्न हो गई। लोग चिलचिलाती धूप में पीने के लिए पानी लाने दूसरे टोला जाते हैं। ग्रामीणों ने बताया की मवेशियों को भी पानी पिलाने में परेशानी हो रही है। टोला केअधिकांश चापानल भी खराब हो गया है। ग्रामीणों ने अधिकारियों व विधायक मद से बना खराब पड़े जलमीनार की मरम्मत कराने का आग्रह किया है ताकि पेयजल की समस्या से निजात मिल सके। इस संबंध में विधायक प्रतिनिधि ज्वाला प्रसाद ने कहा कि जानकारी मिली है जल्द मरम्मत करा दिया जायेगा।

नाईट क्रिकेट टूर्नामेंट में दुद्धी क्रिकेट टीम 31 रन से विजयी

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। युवा शक्ति कॉस्को नाइट क्रिकेट क्लब भवनाथपुर के तत्वावधान में नाईट क्रिकेट टूनार्मेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि गढ़वा जिला पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडेय ने फीता काटकर किया। पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव ने बॉलिंग कर व पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडेय ने बैटिंग कर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव ने कहा कि खेल को खेल भावना से खेल कर अच्छे वातावरण में खेल का समापन करें। प्रखंड विकास पदाधिकारी नंदजी राम ने खेल के आयोजकों को बधाई दी। टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह में प्रखंड प्रमुख शोभा देवी, जिला पार्षद धर्मराज पासवान, पूर्व सूत्री अध्यक्ष बृजेश कुमार सिंह, झामुओ जिला उपाध्यक्ष लल्लू राम ने भी संबोधित किया। मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सत्येंद्र नारायण सिंह, थाना प्रभारी कृष्ण कुमार, अनुमंडल झामुमो अध्यक्ष मुक्तेश्वर पांडेय, विजय रावत, बबलू सिंह, पवन सिंह, मनीष जायसवाल सहित अन्य उपस्थित थे। उद्घाटन मैच यूपी के दुद्धी क्रिकेट टीम एवं झारखंड के जंगीपुर नगर के बीच खेला गया। जहां दुद्धी की टीम 31रन से विजयी हुई। उद्घाटन मैच में यूपी के दुद्धी क्रिकेट टीम ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुई 12ओवर में 9 विकेट खोकर 132रन बनाई। वही जंगीपुर नगर सभी विकेट खोकर 101रन ही बना पाई। मैन ऑफ द मैच दुद्धि क्रिकेट टीम क्रिकेट टीम के मुकेश कुमार को दिया गया।

पूर्व मंत्री ने परिवर्तन सह जनसंपर्क अभियान शुरू किया

प्रखंड में भ्रष्टाचार चरम पर है: गिरिनाथ सिंह

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। पूर्व मंत्री गिरिनाथ सिंह के नेतृत्व में परिवर्तन यात्रा सह जन संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के रमकंडा प्रखंड के विभिन्न पंचायत व गांव में चौपाल लगाकर जनता से सीधे जनसंवाद किया गया। इस क्रम में कसमार, बिचला टोला, रमकंडा मदरसा, ऊपरीटोला, गोबरदाहा, तेतरडीह, बालिगढ़, बिराजपुर सहित विभिन्न गांवो का दौरा करते हुए आगे भी इस तरह का कार्यक्रम जारी रखने का निर्णय लिया गया। मौके पर पूर्व मंत्री ने कहा कि गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न प्रखंडों व थानों में भ्रष्टाचार चरम पर है। प्रखंड जनता के हित के लिए बनवाया था, लेकिन आज लोग चरागाह बना दिए है। जनता परेशान है। भ्रष्टाचारियों का बोलबाला हो गया है। इस स्थिति को देखते हुए गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रखंड मुख्यालय पर जन आंदोलन किया जाएगा।

परिवर्तन यात्रा निकालकर जनता से सीधे संवाद स्थापित किया जाएगा : पूर्व मंत्री

पूर्व मंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि जल्द से जल्द जितने भी भ्रष्टाचार में लिप्त लोग हैं, वह इस तरह का कार्य को करना छोड़ दे। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में गढ़वा विधानसभा के विभिन्न प्रखंडों में परिवर्तन यात्रा निकालकर जनता से सीधे संवाद स्थापित किया जाएगा।

हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में कर्मी की प्रतिनयुक्ति

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वस्थ सेवा बहाल करने के उदेश से हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में कर्मी को प्रतिनयुक्ति की गई है। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर अरंगी में एएनएम सविता कुमारी, बंखेता में एएनएम सरोज देवी, एमपीडब्लू पिंटू कुमार गुप्ता, मकरी सीएचओ इंद्रकिशोर विश्वकर्मा, एएनएम सीमा कुमारी, एमपी डब्लू उपेंद्र साह, बिजडीह में एएनएम राजकुमारी, कधवन सीएचओ विपिन कुमार शर्मा, खरौंधी में सीएचओ रेणु बैजंती खलखो, हरिहरपुर में सीएचओ कमल सिंह सैनी, कैलान में सीएचओ अंकित कुमार त्रिवेदी, एमपी डब्लू मनोज राम, एएनएम मीना कुमारी, रोहिनियां में सीएचओ जितेंद्र कुमार वर्मा, एमपीडब्लू सत्यनारायण सिंह, एएनएम सुषमा कुमारी, बंखेता सिसरी में सीएचओ अविनाश कुमार सुधांषु, एएनएम किरण कुमारी, केतार में सीएचओ राधा रितु कुमारी, एमपीडब्लू मनोज कुमार पाठक, एएनएम बबिता कुमारी, रपूरा में सीएचओ प्रतिमा कुमारी, एएनएम सुलेखा हेमंती कुजूर, चौरीया में सीएचओ सवाई राम, एएनएम संगीता कुजूर, डुमरसोता में सीएचओ पवन कुमार, एमपीडब्लू विकास कुमार चंदेल, एएनएम सविता कुमारी, चौबे मझिगावां में एएनएम हन्ना तिर्की, परती में सीएचओ भावेश कुमार, एमपीडब्लू विद्याननंद प्रजापति, कूपा में सीएचओ विशाल दवे, मुकुंदपुर में सीएचओ लालसा कुमारी, एएनएम सुलेखा कुमारी, परसोडीह में एएनएम मंजू कुमारी, राजी में सीएचओ अंजली कुमारी एएनएम रंजू कुमारी, कोनमंडरा में सी एचओ महावीर बारूपाल, एएनएम अंचला कुमारी, एमपीडब्लू गुप्तेश्वर प्रसाद, अमरोरा में सीएचओ विनीत कुमार, एएनएम चंचला कुमारी की प्रतिनयुक्ति की गई है।

कमेटी को सशक्त बनाने व विस्तार करने का निर्णय

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन पार्टी के तत्वावधान में रविवार को कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में एआईएमआईएम के कार्यकताओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। सम्मेलन के दौरान जिला कमेटी को सशक्त करने एवं विस्तार करने का निर्णय लिया गया। वहीं एआईएमआईएम के नीति और सिद्धांतो को जन जन तक पहुंचाने की बात कही गई। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर की जाने वाली तैयारी पर विस्तार पूर्वक विचार की गई। विधान सभा चुनाव को लेकर भी रणनीति बनाई गई। सम्मेलन के दौरान ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल के जिला, प्रखंड व पंचायत के नेताओं ने बारी-बारी से अपने अपने क्षेत्र की बात रखी। साथ ही गढ़वा रंका विधानसभा के वरिष्ठ कार्यकताओं ने भी अपनी बात रखी। इस दौरान पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर एमएन खान ने कहा कि आज का कार्यक्रम मिशन 2024 के सिलसिले में रखी गई है। उन्होंने एमआईएम पार्टी को सिर्फ मुस्लिम समुदाय के पार्टी से खारिज करते हुए सभी का पार्टी बताया। उन्होंने कहा कि यह पार्टी मुस्लिम, इसाई, सीख, जैन, पारसी, हिंदु सहित अन्य समुदायों के दबे-कुचले, गरीब, बेरोजगार सहित अन्य की पार्टी है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार, कदाचार, परिवारवाद, जातिवाद वाले लोगों के हाथ में देश की सत्ता है। वहां पर इंसाफ हो ही नहीं सकता। उन्होंने एआईएमआईएम पार्टी के हितों में स्रोताओं के बीच काफी देर बात रखी। वहीं सभी से एमआईएम पार्टी को सपोर्ट करने की अपील की। उन्होंने कहा कि एक समुदाय की बात नहीं कर सकते। हमें तो सभी जाति, धर्म, समुदाय के लोगों की बात करनी है। उन्होंने वर्तमान सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि जो विकास गरीब, मजलुमों का होना चाहिए था उसके जगह में केन्द्र सरकार सिर्फ पूंजीपति लोगों का विकास कर रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा पार्टी मुसलमानों को पीछे रखने को लेकर भरपूर कोशिश करते रहती है। इस कारण एमपी, एमएलए में मुस्लिम प्रत्याशी नहीं के बराबर उतरते हैं। जिला अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार रजक ने कहा कि एक मर्तबा अगड़ा न पिछड़ा यहां के लोकल गढ़वा रंका विधानसभा का बेटा विधायक बनना चाहिए।

न्यूज बॉक्स

उप विकास आयुक्तस से पंचायत सचिव का प्रभार दिलाने की मांग

भवनाथपुर। प्रखण्ड के मकरी पंचायत के मुखिया सरिता देवी ने उपविकास आयुक्त को आवेदन दे कर पंचायत सचिव को प्रभार दिलाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि महीना पूर्व भवनाथपुर प्रखण्ड अंतर्गत मकरी पंचायत के पंचायत सचिव भुनेश्वर सिंह का स्थानांतरण हो गया है। स्थानंतरण के बाद वर्तमान पंचायत सचिव को प्रभार नहीं देने से पंचायत स्तरीय सभी विकास कार्य प्रभावित हो रहा है। साथ हीं 15 वीं वित्त से दर्जनों कार्य कराया गया है, जिसका भुगतान नहीं होने से आगे का कार्य काफी प्रभावित है। भुनेश्वर सिंह को अनेकों बार इस संबंध में मौखिक रूप से बोला गया जो टाल-मटोल करते आ रहे हैं। भुनेश्वर सिंह अपने कार्यकाल में भी पंचायत स्तरीय कार्य का निष्पादन समय से नहीं कर रहे थे, जिससे कार्य लम्बित पड़ा है। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को भी अवगत कराया गया है। बावजूद अभी तक सम्पूर्ण प्रभार नही दिलाया गया है।

सांप काटने से महिला गंभीर

गढ़वा। भवनाथपुर थाना क्षेत्र के सिंदुरिया गांव निवासी धर्मेंद्र अगरिया की पत्नी सरिता देवी को शनिवार की रात्रि सांप काटने से जख्मी हो गई। उसे इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि सरिता देवी अपने नानी के यहां नगर उटांरी थाना क्षेत्र के तूम्मा गांव डेढ़ महीने से रह रही थी। इस दौरान शनिवार की रात्रि 11 बजे सांप ने उसे काट लिया। परिजनों ने उसे करौंदी थाना क्षेत्र के राजी गांव ले जाकर उसकी झांड़ फूंक करने के बाद भी उसकी स्थिति में सुधार नहीं हुई तो उसे रविवार को शाम गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जनसंघ के कार्यकर्ता का निधन

गढ़वा। तिवारी मरहटिया निवासी जनसंघ के वरिष्ट कार्यकर्ता 90 वर्षीय रामलखन तिवारी का उनके आवास पर निधन हो गया। वह पिछले कई महीनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन की सूचना मिलने पर भाजपा के वरिष्ठ नेता अलखनाथ पांडेय, ब्रजेश उपाध्याय, अंजनी तिवारी, रामसरीख चंद्रा, धनंजय तिवारी,भाजपा गढ़वा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष शिवनारायण चंद्रा, सिद्धि उपाध्याय सहित अन्य भाजपाइयों ने उनके निधन पर गहरा दुख प्रकट किया है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्व तिवारी के पार्थिव शरीर पर भाजपा का झंडा ओढ़ा कर उन्हें सम्मान दिया। वरिष्ठ भाजपा नेता अलखनाथ पांडेय ने कहा कि राम लखन तिवारी जनसंघी थे। उनका मार्गदर्शन कार्यकताओं को मिलते रहता था। उनके निधन से पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है। भाजपा नेता ब्रजेश उपाध्याय ने कहा कि राम लखन तिवारी आजीवन जनसंघ व उसके अनुषांगिक इकाइयों के प्रति अपने निष्ठा को बरकरार रखा। उनके निधन से भाजपा परिवार को बड़ा नुकसान हुआ है। श्री तिवारी अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। दाह संस्कार गांव के ही घाट पर किया गया।अंतिम संस्कार के मौके पर ग्रामीण केदार तिवारी,रमेश तिवारी,उपेंद्र तिवारी,मनोज तिवारी,विनोद तिवारी,अशोक तिवारी,विश्वनाथ तिवारी, दीपक तिवारी, कृष्णा तिवारी, मनु शुक्ला, चंदू तिवारी, राम प्रवेश तिवारी,अनोज तिवारी मौजूद थे।

अखिल भारतीय आदिम जनजाति विकास परिषद ने किया कार्यक्रम का आयोजन

चिनिया। अखिल भारतीय आदिम जनजाति विकास परिषद के द्वारा चिनिया प्रखंड के जमुनिया टांड़ मिशन विद्यालय में क्षमता वर्धन एवं संगठनात्मक सुदढीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता नंनहेशवर कोरवा ने की। मुख्य अतिथि पाली के पुरोहित आमोद गीध ने बताया कि अखिल भारतीय आदिम जनजाति विकास परिषद अपने आदिम जनजाति परिवार की मांगों को लेकर हमेशा तत्पर रहा है। समाज में आज भी शिक्षा की कमी है। मौके पर सचिव हरेंद्र कोरवा, कोषाध्यक्ष चंद्रिका कोरवा, संरक्षक महेंद्र कोरवा, आदिम जनजाति कर्मचारी संघ के अध्यक्ष रानदेव देवार, मुंद्रिका माझी, वीरेंद्र माझी, सचिव कमलेश कोरवा, अंबिका मांझी, बिगन मांझी,किशोर मिंज, जितेंद्र कुमार वकील, ज्योति लकड़ा सुनील मींज सहित अन्य मौजूद थे ।

मोदी के प्रधानमंत्री का शपथ लेने की खुशी में भाजपा ने निकाला जुलूस

मेदिनीनगर। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल गढ़वा के द्वारा मंडल अध्यक्ष उमेश कश्यप के अध्यक्षता में देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने व पलामू लोक सभा क्षेत्र के सांसद बीडी राम को तीसरी बार सांसद बनने पर विजय जुलूस निकाला गया। वक्ताओं ने कहा कि 60 वर्षों के बाद नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा जिला महामंत्री संतोष दुबे, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अलख नाथ पांडेय, सूरज गुप्ता, आजसू ज़िला अध्यक्ष दीपक शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम रंका मोड़, संकट मोचन मंदिर के पास से शुरू होकर शहर भ्रमन किया। कार्यक्रम में भारी संख्या में भाजपा नेता, कार्यकर्ता, समर्थक उपस्थित थे। सभी एक दूसरे को मिठाई खिलाकर, पठाखे फोड़ कर खुशियां मनायी। मौके पर प्रमोद चौबे, ब्रजेश उपाध्याय, विनय चौबे, रिंकू तिवारी, शनि चन्द्रवंशी, विनोद चन्द्रवंशी, राजकुमार मधेशिया, रविंदर पासवान, रविंदर जायसवाल, दशरथ पासवान, दिनेश पासवान, चंदन जायसवाल, राजकुमार गुप्ता, धनंजय गोंड, मनोज पटनायक, राकेश शंकर गुप्ता, सुप्रीत केसरी, संजय केसरी, राजू सोनी, लखन गुप्ता, टींकू गुप्ता, शुभम गुप्ता, विजय केसरी, दीपक तिवारी, अंजलि गुप्ता, वीणा पाठक, मनोज पाठक, मीरा यादव, वीणा गुप्ता, उषा देवी, मनोज महतो, अजय पासवान, राजू गोंड, मुकेश गोंड, आशीष कश्यप, संतोष कश्यप, गौरी बिंद, मनोज गुप्ता आदि मौजूद थे।

3 लाख से कम आय वालों को मुफ्त कानून का लाभ दिया जाता : बलबीर चौधरी

मेराल। जिला विधिक सेवा प्राधिकार व विधिक जागरूकता शिविर, चलंत लोक अदालत न्याय आपके द्वारा कार्यक्रम का आयोजन रविवार को मेराल पूर्वी पंचायत भवन के सभागार में आयोजित किया गया। उद्घाटन अधिवक्ता उत्तम कुमार भारती, बलबीर चौधरी, प्रमुख दीपमाला कुमारी, मुखिया राम सागर महतो ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। अधिवक्ता बलबीर चौधरी ने कहा कि सरकार के सभी तरह के योजनाओं की जानकारी गांव के अंतिम व्यक्ति तक देना ही विधिक जागरूकता शिविर का मुख्य उद्देश्य है। साथ ही लोगों को कानून से संबंधित जानकारी भी दिया गया। उन्होंने कहा कि 3 लाख से कम आय वाले व्यक्ति को मुफ्त में कानून का लाभ दिया जाता है। इसके अलावे मुफ्त में लोगों को अपने हक और अधिकार के बारे में सलाह दी जाती है। अधिवक्ता उत्तम कुमार भारती ने कहा कि विधि जागरूकता शिविर के तहत लोगों को कानून के बारे में जानकारी मुफ्त में दिया जाता है। उन्होंने डायन, बिसाही, महिला उत्पीड़न, बाल विवाह, नशा मुक्त, सहित कई बिंदुओं पर विस्तार से लोगों को जानकारी दिया। प्रमुख दीपमाला कुमारी ने कहा कि अधिक से अधिक लोगों को इस तरह के शिविर में शामिल होकर अपने हाथ और अधिकार के साथ कानून के बारे में जानकारी उपलब्ध करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार की सभी योजनाओं के बारे में जानकारी होता है। इस अवसर पर पीएल भी गोपाल चौबे, मुखिया राम सागर महतो ने भी लोगों को विधिक जागरूकता के बारे में जागरूक किया। मौके पर रौशन आरा, प्रधान सहायक सुनील कुमार, रिजवान अख्तर, जितेंद्र चौबे, पंचायत सचिव परमानंद पाठक, डॉक्टर लालमोहन, छोटू कुमार, वीरेंद्र राम सहित अन्य मौजूद थे।

बिरसा ने आदिवासियों को संस्कार सिखाया: अजय सिंह

नवीन मेल संवाददाता

चिनिया। अखिल भारतीय आदिवासी महासभा प्रखंड इकाई चिनिया द्वारा सिधवा मोड़ चिरका में जननायक भगवान बिरसा मुंडा की शहादत दिवस मनाई गई। बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर पुष्पांजली की गई। अध्यक्षता अजय सिंह खरवार ने की। शहादत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के जिला अध्यक्ष ने कहा बिरसा मुंडा को 9 जून 1900 को मृत्यु जेल हुई थी। भारतीय जमींदारों, जागीरदारों, ब्रिटिश शासकों के शोषण की भट्टी में आदिवासी समाज झुलस रहा था। बिरसा मुंडा ने आदिवासियों को शोषण की यातना से मुक्ति दिलाने के लिए उन्हें तीन स्तरों पर संगठित करना आवश्यक समझा। जिससे सामाजिक स्तर पर आदिवासी समाज अंधविश्वासों व ढकोसलों के चंगुल से छूट कर पाखंड के पिंजरे से बाहर आ सके। इसके लिए उन्होंने आदिवासियों को स्वच्छता का संस्कार सिखाया। शिक्षा का महत्व समझाया। सामाजिक स्तर पर आदिवासियों के इस जागरण से जमींदार, जागीरदार, तत्कालीन ब्रिटिश शासन तो बौखलाया ही, पाखंडी झाड़-फूंक चंगाई चमत्कार करने वालों की दुकानदारी भी ठप हो गई।और यह सब बिरसा मुंडा के खिलाफ हो गए। उन्होंने बिरसा को साजिश रच कर फंसाने की काली करतूतें भी शुरू कर दिए। यह सामाजिक स्तर पर बिरसा का प्रभाव था। दूसरा था आर्थिक स्तर पर सुधार ताकि आदिवासी समाज को जमींदारों और जागीरदारों के आर्थिक शोषण से मुक्त किया जा सके। बिरसा मुंडा ने जब सामाजिक स्तर पर आदिवासी समाज में चेतना पैदा कर दी तो आर्थिक स्तर पर सारे आदिवासी शोषण के विरुद्ध स्वयं ही संगठित होने लगे। बिरसा मुंडा ने नेतृत्व की कमान संभाली। आदिवासियों ने बिगारी प्रथा ,के विरुद्ध जबरदस्त आंदोलन किया। परिणाम स्वरूप जमींदारों और जागीरदारों के घरों तथा खेतों और वन की भूमि पर कार्य रुक गया। तीसरा था राजनीति स्तर पर आदिवासियों को संगठित करना। उन्होंने सामाजिक और आर्थिक स्तर पर आदिवासियों में चेतना की चिंगारी सुलगा दी थी।

प्रतिभा

टाउन हॉल के सभागार में सम्मान समारोह का आयोजन

माता-पिता के विश्वास पर खरा उतरें : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। सेकेंड स्कूल की ओर से टाउन हॉल के सभागार में सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त शेखर जमुआर, पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडेय, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी सुशील कुमार ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। कार्यक्रम के दौरान नीट के परीक्षा में बेहतर करने वाले विद्यार्थी श्यामू तिवारी, स्वरित रंजन, ओमप्रकाश प्रजापति, फैजान अख्तर, वैष्णवी पांडेय को प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। मौके पर उपायुक्त शेखर जमुआर ने कहां की आप सभी अपने-अपने लक्ष्य निर्धारित कर पढ़ाई करें। उन्होंने कहा कि माता-पिता अपने आप चीजों में कटौती करते हुए आपकी शिक्षा के लिए विभिन्न तरह के व्यवस्था करते हैं। बच्चों को उनके विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गढ़वा की धरती से उनकी बेटी यूपीएससी निकालकर आईएएस बनी है। उन्होंने कहा की लगन के साथ पढ़ाई करें व अपने मुकाम तक पहुंचे। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडेय ने कहा कि इस तरह का शिक्षण संस्थान का खुलना काफी सराहनीय है। शिक्षण संस्थान पहले महानगरों में होता था। कार्यक्रम में शामिल होकर उन्हें लगा की गढ़वा में भी इस तरह के विद्यार्थियों को शिक्षा मिलती है। उन्होंने कहा कि माता-पिता के विश्वास पर खरा उतरे, क्योंकि मां बाप को अपने बेटा व बेटी पर काफी उम्मीद रहता है। आगे चलकर उनका बेटा बेटी बेहतर करें ताकि उनका नाम रोशन हो। विद्यार्थी अपना लक्ष्य निर्धारित कर पढ़ाई करेंगे तो जरूर लक्ष्य प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि आने वाले कुछ वर्ष में सेकंड स्कूल विद्यार्थी अच्छे पद पर प्रतिस्थापित होंगे तो सिर्फ सेकंड स्कूल का ही नहीं जिला सहित राज्य का भी नाम रोशन होगा। कार्यक्रम में गजाला सिद्दीकी, समी खान, शौकत खान, मेदनी खान, संतोष केसरी, सेकंड स्कूल के फाउंडर ऋषिकेश पांडेय, राजू दुबे, रिंकू पांडेय, सुधांशु पाठक, सुशांत गुप्ता, विवेक, सोनू कुमार, कमलेश कुमार, हीरा, सुशांत सिंह, साबिर, शमशेर, अर्जुन, संजय, शंभू, आयुष, अरशद, संजीव सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

माता-पिता के विश्वास पर खरा उतरें : एसपी

माता-पिता के विश्वास पर खरा उतरे, क्योंकि मां बाप को अपने बेटा व बेटी पर काफी उम्मीद रहता है। आगे चलकर उनका बेटा बेटी बेहतर करें ताकि उनका नाम रोशन हो।

एक नजर

लू की चपेट में आने से एक्स आर्मी जवान की मौत

चतरा/सिमरिया। सिमरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत चाडरम गांव में लू की चपेट में आने से एक्स आर्मी जवान 35 वर्षीय पुत्र कुलेश्वर गोप पिता स्व. द्वारका गोप की मौत हो गई। मृतक की पत्नी सरिता देवी ने बताया कि इनकी तबियत 3 दिन से खराब थी। अपने स्तर से दवा भी चला रही थी। परन्तु आज अचानक इनको हिचकी आयी और सांसे रुक गई। ग्रामीणों के अनुसार घटना के बाद हड़बड़ाए परिजनों ने कुलेश्वर को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया। परन्तु चिकित्सक ने इन्हें जांचोपरांत मृत घोषित कर दिया। इधर सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद कुलेश्वर के शव को परिजनों को सौंप दिया गया। ज्ञात हो कि कुलेश्वर गोप आर्मी के जवान थे, जो कुछ दिन पूर्व ही भीआरएस लेकर घर आये थे।

अनुकम्पा के तहत दो को मिला नियुक्ति पत्र

चतरा। जिला अनुकम्पा समिति द्वारा दिवंगत दो कर्मियों के आश्रितों को चौकीदार के पद पर नियुक्त किया गया है। अनुकंपा समिति के अनुशांसा के उपरांत उपायुक्त रमेश घोलप द्वारा शशि कुमार पासवान, पिता स्व. रामचन्द्र पासवान, ग्राम व पोस्ट धनगडा, थाना टण्डवा, जिला चतरा को व आरती देवी, पति स्व. राम पवन कुमार, ग्राम डाड़ी, पोस्ट एदला, थाना सिमरिया, जिला चतरा को नियुक्ती पत्र दिया गया। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त ने दोनो को चौकीदार पद के लिए नियुक्ति पत्र देते हुए कार्यों को इमांदारीपूर्वक करने की बात कही।

सड़क हादसे में किशोरी की मौत सड़क जाम

इटखोरी (चतरा)। रविवार को इटखोरी थाना क्षेत्र अंतर्गत असढ़िया चौक के समीप ट्रेलर व ऑटो में टक्कर हो गई। जिसमें 10 वर्षीय किशोरी की मौत घटना स्थल पर ही हो गई। वहीं हादसे के बाद ग्रामीणों द्वारा रोड को जाम कर दिया। वहीं सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस, आक्रोशित लोगों को समझाने का हर संभव प्रयास किया पर पर लोग नहीं माने। मृतका कि पहचान हजारीबाग जिले के कटकमसांड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत ढौठवा गांव निवासी हसनैन अंसारी की 10 वर्षीय पुत्री हशीना खातून के रूप में की गई। जबकि घटनास्थल पर बीडीओ सह सीओ सोमनाथ बाकीरा, थाना प्रभारी सूर्य प्रताप सिंह, एसआई विजय कुमार सिंह, सहरजाम के जीतेन्द्र रजक मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों व परिजनों को समझाबूझाकर 3 घंटे के बाद जाम हटवाया। उसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चतरा भेजा गया।

छुट्टी बढ़ाने की अपील की

महुआडांड़। 8 जून से सभी सरकारी स्कूल खोल दिए गए हैं, लेकिन भीषण गर्मी कम नही हुआ, हीटवेव और गर्मी के कारण बच्चों के परेशानी को देखते हुए झारखंड सहायक अध्यापक संघ के जिला अध्यक्ष विजय प्रसाद और महुआडांड़ प्रखंड अध्यक्ष सुभाष कुमार गुप्ता के द्वारा तीखा धूप और गर्मी में झारखंड सरकार से छुट्टी बढ़ाने की अपील की है, जिसके द्वारा बच्चों और शिक्षकों को लू और हीट वेव का शिकार न होना पड़े।

लातेहार में नशा तस्कर गिरोह का पुलिस ने किया उद्भेदन

छह लाख के अफीम के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। पुलिस ने अफीम तस्कर गिरोह का पदार्फाश कर एक बड़ी सफलता हासिल की है।इस दौरान पुलिस ने लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र के सुभाष चौक स्थित बस स्टैंड के पास में छापेमारी कर करीब 5 से 6 लाख अफीम डोडा के साथ एक तस्कर राजकुमार उरांव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वहीं रविवार को प्रेस वार्ता कर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अरविंद कुमार ने बताया कि एसपी अंजनी अंजन के निर्देश पर एसडीपीओ अरविंद कुमार चंदवा थाना प्रभारी रणधीर कुमार के नेतृत्व में चंदवा थाना अंतर्गत सुभाष चौक स्थित बस स्टैंड के पास छापेमारी की।जब पुलिस टीम के द्वारा राजकुमार उरांव उम्र 33 वर्ष पिता जगेश्वर उरांव के पास से उसके बैग से लगभग 6 किलो अफीम बरामद किया गया।बरामद अफीम की खुले बाजार में कीमत करीब 5 से 6 लाख रुपये है। इस दौरान एक तस्कर राजकुमार उरांव को गिरफ्तार किया गया है।आरोपी से पूछताछ में पता चला कि वे अन्य तस्करों के माध्यम से अफीम का स्टॉक करवाता है। इसके बाद उसे बाहर के बाजार राजस्थान और हरियाणा में बेच देता है। आगे श्री कुमार ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ चंदवा थाना में मामला दर्ज कर लिया गया है। एक अन्य तस्कर की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। छापेमारी टीम में थाना प्रभारी रणधीर कुमार समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी भी शामिल थे।

आरओबी निर्माण की मांग को लेकर उपायुक्त को खून से लिखा ज्ञापन सौपेंगी माकपा

चंदवा। मार्क्सवादी कम्युनिष्ट पार्टी (माकपा) आगामी 12 जून को टोरी-चंदवा में आरओबी का निर्माण की मांग को लेकर खून से लिखा मांगपत्र तैयार करने की बात कही है। माकपा के जिला सचिव सुरेंद्र सिंह व वरिष्ठ नेता अयुब खान ने एक प्रेस वक्तव्य जारी कर बताया कि समाहरणालय स्थित नगर पंचायत कार्यालय परिसर में खुन से मांगपत्र लिखे जाने का कार्यक्रम है। उन्होंने बताया कि 3 अप्रैल 2021 को सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्री नीतिन गडकरी ने टोरी में आरओबी निर्माण का ऑनलाईन शिलान्यास किया था लेकिन एनएच विभाग की घोर लापरवाही के कारण आजतक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। रेलवे क्रॉसिंग जाम से प्रतिदिन लाखों ग्रामीण परेशान हैं, जाम पर घंटों फंसे रहने के कारण महिलाओं का प्रसव और बीमार व्यक्तियों की मौत रेल क्रॉसिंग पर ही हो जा रही है।

न्यूज बॉक्स

एक सप्ताह के अंदर सब्जी की दामों में हुई बढ़ोतरी

बारियातू। प्रखंड क्षेत्र के साप्ताहिक भाटचतरा बाजार में कई शब्जियों के मूल्य में एक सप्ताह के भीतर मूल्यों में कफी बढ़ोतरी हुई है। शब्जियों के दामों में बढ़ोतरी के कारण खरीदारी करने आ रहे लोगों के चेहरे लाल हो रहे हैं। बीते सप्ताह मुख्यालय स्थित बारियातू, टोटी, गोनिया, फूलसु सहित क्षेत्र के अन्य बजारों में प्याज 15 से 20रु. की मूल्यों में बेचीं जा रही थी जबकि एक सप्ताह के अंदर 25 से 30रुपया प्रतिकिलो बेचीं जा रही है। भिंडी पिछले सप्ताह के बाजार में 10 रु. प्रतिकिलो बेची जा रही थी। कीमत में बेहताशा बढ़ोतरी हुई। वहीं करेला 15 से 20 रुपए के दर से बेचीं जा रही थी लेकिन शनिवार साप्ताहिक बाजार भाटचतरा में 25 रुपए बेची गई।

हूर मोड़ के पास दो बाइक की टक्कर, एक घायल, रिम्स रेफर

हेरहंज। बालूमाथ मार्ग पर थाना क्षेत्र के हूर मोड़ के पास दो बाइक के बीच हुई टक्कर में एक बाइक सवार ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल ग्रामीण की पहचान थाना क्षेत्र के चुकु ग्राम निवासी नागेश्वर यादव के पुत्र महरंग यादव के रूप में हुई है। जिसे परिजनों द्वारा बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया। जहां पर डॉक्टर रवि रंजन एवं डॉक्टर सुरेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से प्राथमिक उपचार की पश्चात बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया। इस घटना में घायल महरंग यादव का दाहिना पैर टूट गया है और शरीर के कई जगह पर गंभीर और आंतरिक चोट लगी है। जानकारी के अनुसार घायल महरंग यादव बाइक द्वारा नवादा ग्राम से अपने जरूरी कार्यों का निपटारा कर अपने घर लौट रहा था कि इसी दौरान हूर मोड़ के पास एक अनियंत्रित बाइक ने सीधे टक्कर मार दी और यह घटना घट गई।

निलंबित दुकानदार के राशन वितरण पर रोक लगाने की मांग

नवीन मेल संवाददाता

बरवाडीह। प्रखंड के लूहूर ग्राम के ग्रामीणों ने प्रखंड प्रमुख सुशीला देवी को आवेदन देकर मनमानी तरीके से निलंबित चेतना स्वयं सहायता समूह का राशन दुकान चालू करने पर आपत्ति करते हुई.दुकानदार द्वारा राशन वितरण करने के आदेश पर तत्काल रोक लगाने की मांग किया है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार प्रखंड के लूहूर ग्राम के राशन कार्डधारी द्वारा राशन कम देने, ग्राहकों के साथ भेदभाव एवं दुर्व्यवहार करने की शिकायत करते हुई दुकानदार पर करवाई की मांग किया गया था। जिसके जांच के उपरांत दुकानदार को निलंबित कर उस दुकान को दूसरे जन वितरण प्रणाली के दुकानदार में अटैच करते हुए राशन वितरण शुरू कर दिया गया था। ग्रामीण कार्डधारी को सही तरीके से राशन मिल रहा था। लेकिन ग्रामीण कार्डधारी असमीना बीवी, विपती देवी, सोमरिया देवी, तेतरी देवी, नजबून बीबी, रीता देवी, शान्ति देवी, सायरा बीबी, जुबेरा बीबी, जमीला बीबी, नामो बीबी, रीता देवी,भरत राम समेत अन्य कार्डधारी ने बताया कि प्रभारी आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा 20 अप्रैल 24 को गांव में ग्रामीणों के अनुपस्थित रहने के बावजूद भी बैठक दिखाकर गलत तरीके से निलंबित चेतना स्वयं सहायता का दुकान पुनः चालू कर दिया गया। इसके विरोध में उपरोक्त ग्रामीण कार्डधारी ने प्रमुख सुशीला देवी को आवेदन देकर प्रभारी आपूर्ति पदाधिकारी की मनमानी पर अंकुश लगाते हुए। दुकानदार को निलंबित या लाइसेंस रद्द करने की मांग किया है। ग्रामीण कार्ड धारी का यह भी कहना है कि महिला समूह के जगह दूसरे पुरुष दुकान दार बसंत द्वारा राशन दुकान चलाया जाता है.कार्डधारी ने दुकानदार पर उचित कार्रवाई नहीं होने पर सभी कार्डधारी धरना प्रदर्शन व आंदोलन की बात कही है। वहीं प्रखंड प्रमुख सुशीला देवी ने कहा कि प्रभारी आपूर्ति पदाधिकारी के मनमानी पर अंकुश लगाने हेतु आवश्यक करवाई किया जाएगा.सभी कार्डधारी को उनके सुविधा के अनुसार राशन वितरण कराया जायेगा।

क्या कहते हैं प्रभारीआपूर्ति पदाधिकारी : प्रभारीआपूर्ति पदाधिकारी अरविंद रवि ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा पुन उसी दुकानदार द्वारा दुकान चालू करने के दिए गए आवेदन के आलोक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी केआदेश पर महिला समूह द्वारा दुकान चालू करवाया गया है।

सिंचाई के साथ वाटर लेवर को बनाए रखने में तालाबों का अहम योगदान रहता है : सुरजीत सिंह

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। बदलते दौर में जिस तरीके से पानी की समस्याएं आम होती जा रही है। हमारा जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है। इसे बनाये रखने के लिए अधिक से अधिक तालाबों आदि जलस्त्रोतों के निर्माण होने से इसे कम किया जा सकता है । जलस्तर को बनाए रखने में इन तालाबों का अहम योगदान होता है। साथ ही तालाबों के निर्माण से आस पास के खेतों में सिंचाई भी किया जा सकता हैं। उक्त बातें लातेहार के उप विकास आयुक्त सुरजीत कुमार सिंह ने भूमि संरक्षण विभाग के द्वारा बनाए जा रहे तालाबों के निरीक्षण के दौरान कही। उप विकास आयुक्त के द्वारा लातेहार और मनिका क्षेत्र में भूमि संरक्षण विभाग द्वारा बनाए जा रहे तालाबों का जमीन स्तर पर निरीक्षण किया। उन्होंने लातेहार के जलता, परसही, डूंडू, मतनाग, लबरपुर, इचाक और मनिका के मंगरू दोहर आदि स्थानों पर पहुंच बन रहे तालाबों के गुणवत्ता की जांच की। जांच के उपरांत उन्होंने इनके गुणवत्ता को देख संतुष्ट हुए। साथ ही इस दौरान उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश भी देते देख गए। तालाब निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त सुरजीत सिंह के साथ भूमि संरक्षण विभाग के पदाधिकारी विवेक मिश्रा भी साथ रहे।

छठ घाट का ट्रांसफॉर्मर जला भीषण गर्मी में हैं उपभोक्ता

नवीन मेल संवाददाता

बरवाडीह। प्रखंड मुख्यालय एवं आसपास क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ता विद्युत विभाग की मनमानी रवैया से भीषण गर्मी में काफी परेशान है। इसी बीच बीते दो दिनों से प्रखंड मुख्यालय के आदर्श नगर स्थित छठ घाट का मुख्य ट्रांसफार्मर जल गया है. जिसे विद्युत अधिकारियों के प्रखंड मुख्यालय में नहीं रहने के कारण अनुबंध के दैनिक वेतन भोगी अकुशल बिजली मिस्त्री द्वारा ट्रांसफार्मर को बीते दो दिनों से मरम्मत कर ठीक किया जा रहा था, लेकिन पूरी तरह से खराब हुई ट्रांसफार्मर को ठीक नहीं किया जा सका है. ट्रांसफार्मर चल जाने से क्षेत्र आदर्शनगर,बाजारके आधे क्षेत्र में विद्युत सेवा बाधित है जिससे लोग भीषण गर्मी से परेशान है .वहीं विद्युत संबंधित आवश्यक सेवाएं पूरी तरह बाधित है. जिससे लोगो के अपनी घरों में पानी भी मिलना मुश्किल हो गया है. इस संबंध में किसी भी तरह की जानकारी देने के लिए कोई भी विद्युत अधिकारी प्रखंड मुख्यालय में नहीं है जिससे उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति बाधित होने की जानकारी भी सही नही मिल पा रहा है.मुख्यालय स्थित विद्युत पावर सबस्टेशन से उपभोक्ताओं को कुछ जानकारी तो जरूर मिल जाता है. लेकिन समस्या का समाधान भी नही हो पाता है. छठ घाट आदर्शनगर प्रखंड के क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं ने संबंधित विद्युत अधिकारियों एवं लातेहार उपायुक्त से इस संबंध में गुहार लगाते हुए तत्काल जले हुई ट्रांसफार्मर को बदले जाने की मांग किया है. वही प्रखंड मुख्यालय के दूसरे क्षेत्रों में भी आंधी तूफान व बिजली गर्जन मौसम खराब रहने के कारण ट्रांसफार्मर खराब होने की शिकायत है.जिससे उस क्षेत्र के उपभोक्ता काफी परेशान है।

मारपीट के आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से असंतोष

एसपी को आवेदन सौंप कर गिरफ्तार करने की मांग की

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। थाना में लिखित आवेदन के बाद भी पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार नहीं करने से लोगों में असंतोष है। बता दें कि बालूमाथ थाना क्षेत्र के कोलपटीया ग्राम निवासी विशेश्वर यादव ने लातेहार एसपी को आवेदन देकर स्थानीय पुलिस द्वारा मारपीट के आरोपी को एक माह बीत जाने के बाद भी गिरफ्तार नहीं करने का आरोप लगाया है। पीड़ित द्वारा दिए गए आवेदन के अनुसार विशेश्वर यादव एवं आदित्य यादव को धारदार टांगी व अन्य हथियार से आरोपी के जानलेवा हमला से घायल कर दिया गया था। हमले से उपरोक्त व्यक्ति का कमर, कंधा एवं सिर पर गहरी जख्म के साथ लहूलुहान होकर घटनास्थल पर ही बेहोश हो गया था। जिसके बाद घायल व्यक्तियों ने बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक इलाज के बाद स्थिति को गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने घायलों को रांची रिम्स रेफर कर दिया था।

इसी दौरान घायल विशेश्वर यादव के पुत्र कृष्णा यादव ने 5 मई को बालूमाथ थाना में आवेदन देकर थाना क्षेत्र के कोलपटिया ग्राम के रामदेव यादव एवं विजय यादव पर हत्या करने की नीयत से धारदार टांगी से मारकर घायल करने का आरोप आवेदन देकर लगाया गया था। जिस पर स्थानीय थाना पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आरोपी व्यक्तियों पर नामजद केस दर्ज की थी। पर घटना का एक महीने बीत जाने के बाद भी आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार नहीं किया। पीड़ित विशेश्वर यादव ने यह आरोप लगाया है कि आरोपी को केस इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर गिरफ्तार नहीं कर रही है और उसे बेल करवाने के लिए समय दी है। अपराध करने वाले व्यक्ति से पुलिस इस तरह से बर्ताव करेगी तो क्षेत्र में अपराध दिन प्रतिदिन बढ़ते जाएंगे और अपराधियों का मनोबल बढ़े रहेंगे। बालूमाथ के थाना प्रभारी विक्रांत उपाध्याय ने आरोपियों को गिरफ्तार करने का कोशिश की जा रही है जल्द ही आरोपी पुलिस गिरफ्त में होंगे।

चंदवा में भाजपा ने निकाला विजय जुलूस

चंदवा। चतरा लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह की प्रचंड जीत व केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने की खुशी में रविवार को भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित कुमार गुप्ता के नेतृत्व में गाजे-बाजे के साथ विजय जुलूस निकाला गया। इस दौरान जमकर आतिशबाजी भी की गयी। विजय जुलूस जिला परिषद बस स्टैंड से शुरू होकर गैरेज लेन,मेन रोड,बुधबाजार, सुभाष चौक तक पहुंची। गाजे-बाजे के साथ निकले विजय जुलूस के दौरान भाजपाई जमकर थिरके। इस अवसर पर महेंद्र प्रसाद साहू,राजकुमार पाठक,रविराज कुमार,कुलामन साव,सजीव आजाद,विनोद कुमार गुड्डू, सुनील कुमार,आशीष सिंह, सूरज साहू, श्रवण गुप्ता, मनीष गुप्ता, दीपक निषाद, कृष्णा कुमार, धन्नू खान सहित बड़ी संख्या में भाजपा की महिला-पुरुष कार्यकर्ता मौजूद थे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने गाजे बाजे के साथ निकाला विजय जुलूस

बारियातू। प्रखंड मुख्यालय क्षेत्र मे भाजपा कार्यकताओं ने गाजे बाजे के साथ विजय जुलूस निकाला। चतरा लोकसभा प्रत्याशी कालीचरण सिंह के चुनावी जीत व केन्द्र में एनडीए के सरकार मे नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री के शपथ लेने के अवसर पर मंडल अध्यक्ष लव सिह के नेतृत्व में विजय जुलुस निकाला गया। विजय जुलूस मे भारी संख्या में कार्यकताओं व समर्थकों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर लोगों के बीच मिठाईयां बांटी गयी। लोगो ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर खुशी व्यक्त किया। युवा कार्यकर्ताओ ने जम कर आतिशबाजी की। वहीं भाजपा मंडल अध्यक्ष लव सिह ने भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह की भारी मतों से जीत व केन्द्र में तीसरी बार नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने पर भाजपा कार्यकताओं, समर्थकों तथा क्षेत्रवासीयों के प्रति अभार व्यक्त किया.। मौके पर भारी संख्या मे भाजपा कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद रहे।

मनिका पुलिस ने अवैध कोयला लदे ट्रक को किया जब्त चालक को भेजा जेल

लातेहार। मनिका पुलिस ने रविवार की सुबह लगभग 4 बजे मनिका प्रखंड क्षेत्र के बंदुआ मोड़ के समीप से अवैध कोयला लदे12 चक्का ट्रक को जप्त कर ट्रक चालक सुभाष खरवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लातेहार जेल भेज दी है।एवं ट्रक मलिक अभय कुमार सिंह एवं भट्ठा मलिक लालू प्रसाद यादव पर भी मुकदमा दर्ज की गई है। हालांकि ट्रक चालक और भट्ठा मालिक पुलिस प्रशासन के पकड़ से बाहर है जिसकी गिरफ्तारी को लेकर मनिका पुलिस प्रशासन लगातार छापेमारी अभियान चला रही है। मनिका थाना प्रभारी जयप्रकाश शर्मा ने कहा कि अवैध कोयला लदा ट्रक लालू प्रसाद यादव के ईंट भट्ठे में जा रही थी उन्होंने कहा कि मनिका प्रखंड क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना हमारी प्रथम प्राथमिकता है एवं मनिका पुलिस प्रखंड क्षेत्र में अवैध धंधे पर अपनी नजर रखी हुई है। उन्होंने कहा कि अपराधी प्रवृत्ति के व्यक्ति को मनिका पुलिस लगातार चिन्हित करने का कार्य कर रही है। ताकि प्रखंड क्षेत्र में शांति व्यवस्था बना रहे।

दुषित पानी पीने को विवश हैं बिरहोर परिवार कुपोषण का शिकार हो रहे बच्चे

मयूरहंड(चतरा)। जिले के मयूरहंड प्रखंड अंतर्गत करमा में लगभग चालिस घर आदिम जनजाति बिरहोर परिवार निवास करते हैं। उन परिवारों को दुषित जल जमाव के पास से पेयजल लेने को मजबूर हैं। जिसका बिरहोर परिवारों के स्वास्थ्य पर प्रतिकुल असर पडने के साथ बच्चे कुपोषण का शिकार हो रहे हैं। बिरहोर टोला में जलनल योजना के तहत सोलर संचालित टंकी लगाकर घर-घर शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए नल लगाया गया है। लेकिन ना तो जल जमाव से बचाव के लिए कोई समुचित व्यवस्था की गई है और ना हीं पनसोखा निर्माण किया गया है। जिसके कारण नल के समीप गंदगी का अंबार लगा हुआ है। परंतु लचार लोगों का दुख दर्द सुनने वाला ना तो सरकारी महकमे के जिम्मेदार पदाधिकारी और ना हीं जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधि हैं। ऐसे में आदिम जनजाति परिवार बेबसी के हालात में गंदगी भरे आलम में हीं पेयजल लेने व जीवन यापन करने को मजबूर हैं। जिला व प्रखंड प्रशासन के साथ जनप्रतिनिधियों ने स्वच्छता पखवाडा के नाम पर केवल हांथों में लंबा लंबा झाड़ू लेकर खुब फोटो खिचवाकर अपनी पीठ सरकार से थपथपवाया। पर जमीनी हकिकत कुछ और ब्यां कर रही है और स्वच्छता को आईना दिखा रही है।

भीषण गर्मी में अनियमित बिजली की सप्लाई रात में गर्मी से छोटे बच्चे परेशान

महुआडांड़। भीषण गर्मी के बीच अनियमित बिजली की सप्लाई से उपभोक्ता परेशान है, 24 घंटे में मुश्किल से बिजली काट कर 5 या 4 घंटा सप्लाई किया जा रहा है, उपभोगताओ को सबसे अधिक परेशानी रातों को हो रही है, इस उमस भरी गर्मी में रात भर बिजली काट दिया जा रहा है, घर में रहने वाले छोटे-छोटे बच्चों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। बिजली सब स्टेशन के आसपास रहने वाले कुछ उपभोक्ता तो बताते हैं कि सब स्टेशन में बिजली रहने के बाद भी रात को बिजली मिस्त्री द्वारा जानकर बिजली सप्लाई नहीं की जाती है, काट कर रखा जाता है। इस बात को लेकर भी बिजली विभाग के प्रति ग्रामीणों में काफी रोश है।

आस्था

156 बच्चों को दृढ़ीकरण संस्कार के साथ पहला परम प्रसाद का आयोजन

बच्चों को ईश्वर के वचन को फैलाने के लिए चुन रहे हैं : बिशप थियोडोर

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़। प्रखंड के संत मिखाइल प्रभु प्रकाश पल्ली साले में रविवार को 156 बच्चों को दृढ़ीकरण संस्कार के साथ-साथ 90 बच्चों ने पहला परम प्रसाद संस्कार ग्रहण किया। पवित्र समारोह शुरू होने के पूर्व पल्ली के पल्ली पुरोहित फादर सुमन निरंजन मिंज ने बिशप थियोडोर का अपार हर्ष से स्वागत किया। उन्होंने बताया की बिशप कठिन मेहनत और सेवा में विश्वास करते और उसमे चलते हैं। वे जाति धर्म छोड़ कर सभी से बराबार प्यार करते हैं। विशेस कर आदिवासियों के वे बहुत प्यार करते हैं । उनके हक के लिए आवाज उठाते हैं। इस समारोही मिस्सा पूजा के मुख्य अनुष्ठाता बिशप थियोडोर मसकरेन्हस रहे। उन्होंने बच्चों और लोगों के लिए अपने संदेश में कहा कि जिस प्रकार ईश्वर ने मूसा को अपने काम करने लिए चुना उसी प्रकार आज वह 156 बच्चों को ईश्वर के वचन को फैलाने के लिए चुन रहे हैं,

ताकि ये मजबूती और ईमानदारी के साथ अच्छे बच्चे बन कर अच्छी पढ़ाई कर सके। वे निडर होकर सचाई की गवाही दें। ईश्वर इस दृढ़ीकरण संस्कार में अपनी आत्मा को बच्चों को देता है, एंव हम सब पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाते हैं। अब हम हरेक जन का यह कर्तव्य है कि हम सभों को बुराई नही बल्कि अच्छाई की राहों में चलना है। विशप स्वामी ने सभी बच्चों को अपनी भविष्य को उजवल और सफल बनाने की सलाह दी और सभों से आग्रह किया की सभी प्रभु के प्रेम से संचालित हों और परिपक्व बने। बिशप थियोडोर ने सभी माता-पिताओं से बच्चों की अच्छी पढ़ाई लिखाई तथा उनकी भविष्य को सफल बनाने तक सहायता करने की गुहार की है। मिस्सा समारोह सम्पन होने के तत्पश्चात विशप स्वामी के साथ नए जीवन पाए सभी बच्चों के साथ फोटो सेशन हुआ और तुरंत ही बच्चों द्वारा विशप स्वामी का स्वागत किया गया। इस मौके पर विशप थियोडोर मसकरेन्हस के साथ बिशप के सेक्रेटरी फादर अमरदीप, पल्ली पुरोहित फादर सुमन, मुक्तलाल सहित अन्य फादर उपस्थित थे, साथ में अपारिषण की धर्म बहने तथा अन्य संस्था के धर्म बहने, और हजारों की तादात में खीस्त बिश्वासी उपस्थित थे।

10 लाख का इनामी नक्सली सबजोनल कमांडर गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला पुलिस ने भाकपा माओवादी के 10 लाख रुपये के इनामी सबजोनल कमांडर शंभु गंझू उर्फ रवि गंझू को गिरफ्तार कर रविवार को जेल भेज दिया। रवि गंझू का घर चतरा जिला के टंडवा थाना स्थित हुम्बी सराढू गांव है। पुलिस ने उसे घाघरा थाना के दीरगांव स्थित झलकापाठ कारासिली जंगल से गिरफ्तार किया है। उसके ऊपर चतरा, लातेहार, गुमला में एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज है।

गुमला के पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह को इसकी गुप्त सूचना मिल गय। इसके बाद एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ गुमला, घाघरा थाना प्रभारी व क्यूआरटी की टीम का गठन किया । पुलिस टीम ने रवि गंझू को पकड़ने के लिए रणनीति बनायी। इसके बाद पुलिस टीम घाघरा थाना क्षेत्र के दीरगांव इलाके में घुसी और घेराबंदी कर रवि गंझू को गिरफ्तार किया, जिस समय रवि गंझू को पकड़ा गया। वह अकेला था। उसके अन्य साथी साथ में नहीं थे। रवि के पास हथियार नहीं मिला है। क्योंकि वह ग्रामीण वेशभूषा में गांव-गांव घूमकर संगठन मजबूत करने में लगा हुआ था। हालांकि, उसके पास से एक थैला मिला है, जिसमें रवि गंझू के उपयोग के समान साबुन, टूथ ब्रश, कोलगेट पेस्ट, कपड़ा साथ ही भाकपा माओवादी की प्रिंटेड पर्चा मिला है।

प्रेस कांफ्रेंस में गुमला के एसपी शंभू कुमार सिंह ने बताया कि गुमला के बिशुनपुर, घाघरा व चैनपुर इलाके में भाकपा माओवादी के कमजोर होने के बाद सैक सदस्य छोटू खेरवार के कहने पर रवि गंझू घाघरा इलाके में लेवी का पैसा वसूलने व संगठन विस्तार करने के इरादे से घुसा था। तभी गुप्त सूचना मिली। तुरंत पुलिस टीम का गठन किया गया और रवि गंझू को गिरफ्तार किया गया. एसपी ने बताया कि जब पुलिस दीरगांव के झलकापाट इलाके में घुसी तो एक व्यक्ति का संदिग्ध अवस्था में घूमते हुआ देखा। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पीठ पर टांगे बैग की जांच की तो उसमें से भाकपा माओवादी का पर्चा मिला। पूछताछ में पता चला कि वह भाकपा माओवादी का सबजोनल कमांडर है और उसके ऊपर सरकार ने 10 लाख रुपये का इनाम रखा है। रवि गंझू से पूछताछ में उसने कई महत्वपूर्ण जानकारी दी है, जिसके आधार पर पुलिस कार्रवाई करेगी। एसपी ने बताया कि रवि गंझू के दस्ते में कुल आठ सदस्य है। लेकिन उसके अन्य साथी बूढ़ापहाड़ इलाके में है। वह अकेले इस क्षेत्र में घुसा था। खुद रवि गंझू लातेहार जिला के बूढ़ा पहाड़ में ही रहता था। परंतु, भाकपा माओवादी के शीर्ष नेताओं के आदेश पर वह गुमला में घुसा और पकड़ा गया।

भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित, कहा-

संस्कृति की रक्षा के लिए संस्कार होना आवश्यक

सेन्हा-लोहरदगा। भगवान बिरसा मुंडा के पुण्यतिथि के अवसर पर जिला परिषद सदस्य राधा तिर्की ने भडगांव बेड़ा टोली स्थित निर्मित भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया और उनके मार्गदर्शन पर चलने का आम जनों से अपील किया।भगवान बिरसा मुंडा का पुण्यतिथि कार्यक्रम सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के भड़गांव बेड़ा टोली में निर्मित भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर जीप सदस्य राधा तिर्की द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके जीवनी पर प्रकाश डाला गया।मौके पर जिला परिषद सदस्य श्रीमती तिर्की ने कहा की धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा ने 19 वीं सदी में अंग्रेजो के विरुद्ध धर्म व संस्कृति को बचाने के लिए लोहा लेते हुए वीर गति को प्राप्त किये थे।साथ ही बताते हुए उन्होंने कहा राज्य देश हित मे कार्य करते हुए शहीद हुए। भगवान बिरसा मुंडा के नेक रास्ते पर चलने के लिये उनके आवाहन पर लोग जुड़ते गए और पूरे आदिवासी समाज के विरो ने अंग्रेजो के खिलाफ लड़ाई में कूद पड़े।जिसका आज परिणाम है। कि झारखंड के साथ साथ पूरे देश वासी उन्हें आदर के साथ याद करते है। महापुरुषों का जीवनी उल एवं दिनचर्या से समाज व संस्कृति का ज्ञान प्राप्त होता है।साथ ही उन्होंने कहा की आज भी ऐसे विरो का देश को आवश्यकता है।वीरगति प्राप्त महापुरुष के प्रति श्रद्धा भाव से अदब करने का और उनके कार्यशैली से ज्ञान प्राप्त कर उनके मार्गदर्शन पर चलने का अपील किया गया।

न्यूज बॉक्स

जी मैक्स फार्मास्यूटिकल्स का उद्घाटन

लोहरदगा। रविवार को लोहरदगा जिला के बगडु मोड़ स्थित राहत नगर में जी मैक्स फार्मास्यूटिकल्स का उद्घाटन मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव एवं पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू के द्वारा फीता काट कर किया गया। इस मौके पर मंत्री डॉ. रामेश्वर ने कहा की लोहरदगा जिला में जी मैक्स फार्मास्यूटिकल्स का उद्घाटन से लोहरदगा वासियो को स्वास्थ्य के क्षेत्र में काफी लाभ होगी। वर्तमान समय में हर व्यक्ति को स्वास्थ्य सेवा की जरूरत होती है। जी मैक्स फार्मास्यूटिकल्स के खुलने से लोगो को काफी राहत होगी । लोगो को परेशानी से निजात मिलेगी । पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि जी मैक्स फार्मास्यूटिकल्स का खुलना स्वास्थ्य क्षेत्र में एक बेहतर कार्य का शुरूआत हुई है । इसका लाभ लोगो को मिलेगी। उचित दाम में दवा की व्यवस्था भी मिलेगी। लोगों को वर्तमान समय में लोगों की सबसे बड़ी समस्या स्वास्थ्य की है जो हो दूर होगी। मौके पर लोहरदगा पुलिस अधीक्षक हारिश बिन जमा,जिप अध्यक्ष रीना भगत, डॉ अजय नाथ सहदेव,हाजी शकील अहमद,विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, अंजुमन इस्लामिया के सदर रऊफ अंसारी,हाजी अब्दुल जबारुल,शेखर भगत, आदिब हुसैन,कमरू जमा कुरैसी, डॉ मंसूर अंसारी, खास असलान, एवं काफी संख्या में उपस्थित थे।

परीक्षा संचालन के लिए दण्डाधिकारियों की हुई प्रतिनियुक्ति

लोहरदगा। झारखण्ड लोक सेवा आयोग द्वारा बाल विकास परियोजना पदाधिकारी के पद के लिए प्रारंभिक परीक्षा दिनांक 10 जून 2024 को निर्धारित है। लोहरदगा जिला में इस परीक्षा के लिए कुल 13 परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं जिसमें कुल 4741 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा दो पालियों में सुबह 10 बजे से 12 बजे और दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक होगी।परीक्षा के सफल संचालन के लिए दण्डाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति कर दी गई है। उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत परीक्षा के संपूर्ण व्यवस्थाओं के वरीय प्रभार में रहेंगे। परीक्षा सीसीटीवी की निगरानी में होगी। परीक्षा के लिए नियंत्रण कक्ष की भी व्यवस्था की गई है जिसमें भूमि सुधार उप समाहर्ता को नोडल पदाधिकारी बनाया गया है। विधि व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था के संपूर्ण प्रभार में एसडीओ और एसडीपीओ रहेंगे। परीक्षा के लिए चार उड़न दस्ता दल बनाया गया है जिसके लिए जोनल दण्डाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। प्रत्येक परीक्षा केंद्र में प्रेक्षक-सह-स्टैटिक दण्डाधिकारी की भी प्रतिनियुक्ति की गई है।

परीक्षा केंद्र और अभ्यर्थियों की संख्या : राजकीयकृत प्लस टू चुन्नीलाल उच्च विद्यालय, लोहरदगा (264), राजकीयकृत प्लस टू नदिया हिंदू उच्च विद्यालय लोहरदगा (324), उसुर्लाइन कॉन्वेंट बालिका उच्च विद्यालय (288), मंजुरमति उच्च विद्यालय, लोहरदगा (648), संत अन्ना बालिका उच्च विद्यालय लोहरदगा (384), मधुसूदन लाल अग्रवाल इंटर महिला महाविद्यालय लोहरदगा (384), शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर लोहरदगा (432), लदेव साहू महाविद्यालय लोहरदगा (360), ग्रेटर त्रिवेणी पब्लिक स्कूल लोहरदगा (432), एमडीएवी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल लोहरदगा (480), राजकीयकृत कस्तूरबा बालिका मध्य विद्यालय लोहरदगा (252), उत्क्रमित उच्च विद्यालय कुजरा लोहरदगा (276), कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कुजरा लोहरदगा (217)।

बालू की किल्लत से विकास योजनाएं बाधित

नवीन मेल संवाददाता

भंडरा। प्रखंड में बालू की किल्लत से प्रखंड में संचालित विकास योजनाओं प्रभाव पड़ रहा है। इससे अबुआ आवास, सिंचाई कूप निर्माण में भी असर देखने को मिल रहा है। भंडरा प्रखंड में इस वित्तीय वर्ष 755 अबुआ आवास की स्वीकृति हुई है। जिसमें 383 अबुआ आवास लाभुकों को बालू की किल्लत से कार्य को प्रगति नहीं मिल रही है। इसके अलावे मनरेगा से संचालित सिंचाई कूप में भी इसका असर देखने को मिल रहा है। सिंचाई निर्माण कार्य करा रहे लाभुक कहते है की वेंडर द्वारा बालू की आपूर्ति की जानी है, परंतु वेंडर समय से बालू की आपूर्ति नहीं कर रहे है। इससे काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अबुआ आवास लाभुक सरोज देवी, करम दयाल उरांव कहते है की बालू की किल्लत से आवास निर्माण कार्य पूरा करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बालू नहीं रहने से सप्ताह में दो-तीन दिन काम बंद करना पड़ रहा है। भंडरा में दो से ढाई हजार रुपए ट्रैक्टर बालू खरीदना पड़ रहा है। इसके बावजूद बालू नहीं मिल रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि अवैध बालू उठाव को लेकर प्रशासन द्वारा कार्रवाई को देखते हुए बालू की किल्लत हो रही है। हालांकि इसी बीच बालू माफिया रात के अंधेरे में मनमाने दाम पर बालू की बिक्री कर रहे हैं। बीडीओ प्रतिमा कुमारी ने कहा कि बालू की किल्लत के बावजूद विकास कार्य को गति देने के लिए प्रखंड प्रशासन सजग है।

आदिवासी समाज, संस्कृति व सभ्यता को हम सभी मिलकर संरक्षित करें : रामेश्वर उरांव

अरकोसा गांव में उपवास तोड़ाई सह प्रार्थना सभा का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। रविवार को लोहरदगा प्रखंड के ग्राम अरकोसा में राजी पड़हा प्राथना सभा के द्वारा उपवास सह प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सरना उपवास (चाला आयो) रखे सभी को मंत्री रामेश्वर उरांव के द्वारा पानी दे कर उपवास तोड़ा गया। इससे पूर्व सभी के द्वारा झंडा गड़ी पूजा अर्चना कर उपवास खत्म किया गया । मौके पर मुख्य अतिथि लोहरदगा विधायक सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा आदिवासी संस्कृति सभ्यता यही हम आदिवासी की पहचान है। उपवास तोड़ाईं राजी पड़हा समाज के द्वारा किया जाना सराहनीय कार्य है। इस प्रकार के कार्यक्रम से ही समाज का विकास होता है । आज हमारी

सरकार आदिवासी समाज ,संस्कृति,सभ्यता के रक्षा एवं उनके विकास के लिए कार्य कर रही है। हम सभी को मिलकर अपने समाज को आगे बढ़ने का कार्य करनी है। वर्तमान समय में सबसे पहले अपने समाज को शिक्षित करने की जरूरत है। शिक्षित व्यक्ति ही समाज का विकास करते हैं। हमारे द्वारा लोहरदगा विधानसभा में आदिवासी समाज के संरक्षण हेतु काफी कार्य किया जा रहे हैं। समाज को एकत्रित करने एवं आगे बढ़ाने के लिए आदिवासी बहुल क्षेत्र में धुमकुडिया, पड़हा भवन का निर्माण किया जा रहा है। जिससे हमारे समाज के लोग एकत्रित होकर समाज का कार्य कर सके। आदिवासी बहुल गांव में अखड़ा का निर्माण किया जा रहा है। अखड़ा में स्ट्रीट लाइट का भी कार्य किया जा रहा है। आदिवासी संस्कृति में वाद्य यंत्र भी एक पहचान है जिसके संरक्षण के लिए विभिन्न गांव में मांदर,नगाड़ा,आदि वाद्य यंत्र का वितरण किया जा रहा है। इन सभी से हमारी संस्कृति की पहचान होती है। मौके पर विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, जिप अध्यक्ष रीना भगत, अजय उरांव, बिरेंदर उरांव, गोयंदा उरांव, रीता उरांव, जमुना उरांव, बालकिशुन उरांव,बांधनी उरांव, पुनीत उरांव, मनीषा उरांव एवं काफी संख्या में आयोजनकर्ता एवं उपवास व्रती उपस्थित थे।

एक नजर

सेन्हा में छात्रा की मौत से गांव में पसरा मातम

सेन्हा-लोहरदगा। सेन्हा ग्राम पंचायत के गौसिया मस्जिद मोहल्ला निवासीस हकीम अंसारी के पुत्री तसीम सबा 17 वर्ष की मौत अचानक रविवार रात्रि में हो गई।वही परिजनों द्वारा बताया जाता है। की तसीम सबा को रात्रि में दो बार अचानक दस्त और एक बार उलटी हो गया था।जिसे सुबह करीब 9 बजे के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेन्हा ले जाया गया।जहाँ चिकित्सक द्वारा जांच करने के पश्चात मृत घोषित कर दिया गया।वही छात्रा के मृत्यु की सूचना पर अस्पताल में भीड़ लग गई।वही गांव घर में चर्चा है की भीषण गर्मी की वजह से गर्मी जनित बीमारी के कारण छात्रा की मौत हुई है। मृतक तसीम सबा नंदलाल प्लस टू उच्च विद्यालय अरु में वाणिज्य की छात्रा थी। जो इस वर्ष वाणिज्य विषय में प्रथम श्रेणी से उतीर्ण हो विद्यालय का नाम रौशन की थी। वही अचानक से छात्रा की मौत का खबर सुनने पर गाँव मुहल्ला में मातम छा गया।छात्रा की मृत्यु का खबर पा कर शोक संवेदना प्रकट करने वालों में पंचायत के मुखिया धनबाज उरांव,वार्ड सदस्य रुस्तम अंसारी,सदर मोख्तार अंसारी, पूर्व सदर इमतियाज अंसारी कसमुल अंसारी,बाबर अंसारी, मुस्ताक अंसारी सहित अन्य ने शौक संवेदना प्रकट किया है।

आपसी विवाद में दो जख्मी पुलिस ने करवाया इलाज और जांच में जुटी

सेन्हा-लोहरदगा। कोराम्बे ग्राम में रविवार को एक ही परिवार के दो पक्षों में पुराने विवाद को लेकर हुआ मार पीट में दो लोग जख्मी हो गए। घटना की सूचना मिलने पर पहुंची सेन्हा पुलिस घायलों को इलाज हेतु भेजा स्वास्थ्य केंद्र सेन्हा विदित हो कि लोहरदगा जिला अंतर्गत सेन्हा थाना क्षेत्र के कोराम्बे ग्राम में शुक्ला परिवार के बीच पुराने विवाद को लेकर गाली गलौज एवं मारपीट हुआ। वहीं बताया जाता है कि कोराम्बे निवासी शम्भू शुक्ला के पुत्र शिवनन्दन शुक्ला अपने भाई के साथ गुमला जिला के पालकोट थाना क्षेत्र के बघिमा मिश्री टोली स्थित तालाब में मछली मारने गया हुआ था। तभी गांव वालों ने मछली चोरी होने का संदेह जताते हुए घण्ट बजा दिया जिसके बाद ग्रामीण गोलबंद हो शिवनन्दन शुक्ला तथा उसके भाई और सहयोगी को धर पकड़ कर पंचायती किया गया।

लोहरदगा की सड़कों पर अतिक्रमण

शहरी क्षेत्र में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाने की जरूरत

हर चौक-चौराहा व बाजार में अतिक्रमण होने से सड़के हुई संकीर्ण

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा की सड़कों पर वर्तमान में अतिक्रमण का कब्जा हो गया है। अतिक्रमण ऐसा की सड़कें छोटी हो गई है। लोग संकीर्ण सड़कों पर चलने को मजबूर हैं। शहर के बाजारों को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए नगर परिषद द्वारा शुरू किया गया अभियान भी छोटे बड़े दुकानदारों के आगे बेमानी साबित हो रहा है। नगर परिषद के द्वारा कुछ माह पहले अभियान चलाया गया था लेकिन उसका असर लोगो पर नहीं हुआ। जबतक अभियान चलता है तबतक लोग सड़कों से दुकान हटा लेते हैं और जैसे ही अभियान वाले पदाधिकारी जाते हैं वैसे ही लोग पुनः दुकान लगा देते हैं। वर्तमान में पावरगंज से महावीर चौक तक आने के लिए लोगो को लगभग आधा घंटा तक समय लग जाता है जबकि इसकी दूरी महज लगभग डेढ़ किमी ही है। सड़को पर अतिक्रमण होने के कारण सड़क जाम लग जाती है जिसके कारण लोगो को ज्यादा समय लग जाता है। ऐसा ही हालात बरवाटोली चौक से महावीर चौक के बीच की भी है। यहाँ की सड़कों पर भी छोटे छोटे दुकानदार अतिक्रमण कर लिए है। वही सोमवार बाजार, बड़ा तालाब, गुदरी बाजार, शास्त्री चौक, थाना चौक आदि मुख्य सड़कों पर अतिक्रमण ज्यादा है। शहर में अतिक्रमण हटाने का अभियान लगातार करना होगा सिर्फ जुमार्ना लगाकर इसको नहीं रोका

जा सकता है। लोगों की मानसिकता भी बदलनी जरूरी है। इसके लिए जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। इससे सड़के भी चौड़ी हो जाएगी और सड़क जाम की समस्या भी दूर हो पाएगी। वर्तमान में लोहरदगा शहर के हालात ऐसे हैं कि फुटपाथ पर भी अतिक्रमणकारियों ने कब्जा कर लिया है और दुकानदार सड़कों पर अपनी दुकान लगा रहे हैं। अपना खुद का स्थाई दुकान होने के बावजूद सड़कों पर दुकान को आगे बढ़ा लेते हैं। जिसके कारण सड़के संकीर्ण हो जा रही है। सड़को को अतिक्रमण से मुक्त कराने की दिशा में अबतक कोई कार्रवाई नही किया जा रहा है। वही दुकानदार एक जिम्मेदार शहरी होने का भी फर्ज नहीं निभा रहे है। सड़को से अतिक्रमण हटाने की दिशा में दुकानदारों को स्वयं पहल करनी चाहिए। वर्तमान में बढ़ती जनसंख्या के साथ अब गाड़ियों की संख्या भी बढ़ती जा रही है. इसके कारण शहर की अधिकांश सड़कों पर सुबह से देर शाम तक भीड़-भाड़ रहती है. अनुशासनहीनता के कारण पहले से ही खचाखच भरी सड़कें ट्रैफिक का भार संभालने में असमर्थ साबित हो रही हैं. दूसरी ओर सड़को पर अतिक्रमण हो जाने से लगातार जाम की समस्या बढ़ गई है। बहरहाल सड़को पर अतिक्रमण होने की वजह से आम जनता को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसके लिए नगर परिषद लोहरदगा को विशेष पहल करने की जरूरत है।

एलोपैथी चिकित्सा से आयुर्वेद चिकित्सा बहुत ही बेहतर : संजय मधुर

लोहरदगा। रविवार को पतंजलि स्वदेशी वितरक इंटरप्राइजेज एवं पतंजलि आरोग्य केंद्र ब्लॉक मोड के द्वारा आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें अर्थराइटिस ,शुगर, ब्लड प्रेशर ,अनिद्रा ,थकान ,कमजोरी, स्त्री रोग, गठिया ,बाबासीर ,पथरी, डिप्रेशन एवं अनेकानेक व्याधि का उपचार आयुर्वेद चिकित्सा, अकू प्रेशर , एवं प्राकृतिक चिकित्सा के द्वारा किया गया। मौके पर आयुष विभाग के चिकित्सक डॉ हरेंद्र कुमार साहू के द्वारा व्याधि के अनुसार आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं प्राकृतिक चिकित्सा के द्वारा उपचार दिया गया। साथ ही साथ ऋषि मुनियों के द्वारा दिया गया ज्ञान आयुर्वेद चिकित्सा पर देशवासियों से आग्रह किया गया कि एलोपैथी चिकित्सा से आयुर्वेद चिकित्सा बहुत ही बेहतर है। मौके पर संचालक संजय कुमार मधुर ने बताया कि एलोपैथिक चिकित्सा के अनेक अनेक साइड इफेक्ट है जबकि आयुर्वेद चिकित्सा का कोई भी तरह का साइड इफेक्ट नहीं है बल्कि एक बीमारी का दवा खाने से अनेक अनेक बीमारी ठीक होता है। पतंजलि का जो दवा रिसर्च और एविडेंस बेस जो दिया जा रहा है इससे लोग चिंता मुक्त होकर इस आयुर्वेद मेडिसिन का उपयोग करें और अपने आप को निरोग करने में सहभागी बने। जिसमें मुख्य रुप से नवीन झा ,जयशंकर साहू, साक्षी कुमारी ,संयोजकता देवी, अपर्णा कुमारी, राहुल कुमार, राजेश गुप्ता, शंभू शर्मा, मुन्नी उरांव जया कुमारी, विनीता देवी इत्यादि लोगों ने भाग लेकर उपचार का लाभ उठाया।

नीट की परीक्षा में सफलता अर्जित कर ज्योत्स्ना ने माता- पिता की सपना को किया साकार

सेन्हा-लोहरदगा। सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के सेन्हा ग्राम निवासी अजय साहु की पुत्री ज्योत्स्ना कुमारी नीट की परीक्षा में सफलता अर्जित कर माँ पिताजी का सपना को सच कर दिखाया।परिवारिक सूत्रों द्वारा बताया जाता है। कि अजय साहू की पुत्री ज्योत्सना कुमारी द्वारा नीट की परीक्षा में सफलता अर्जित करने पर परिवार व प्रखंड वासियों में हर्ष का माहौल है।वहीं सहपाठियों के लिए प्रेरणा दायक बनी प्रखंड क्षेत्र के व्यवसायी अजय साहु की पुत्री ज्योत्सना कुमारी 2024 में नीट की परीक्षा में सफलता अर्जित कर प्रखंड क्षेत्र का नाम रौशन की है। ज्योत्स्ना कुमारी का पूरे भारत में 24713 रैंक प्राप्त की है। ज्योत्स्ना कुमारी ने कहा कि मेरी सफलता के पीछे परिवार के सदस्य व गुरुजनों का श्रेय है। मूल श्रेय दादा स्वर्गीय रामस्वारथ साहू,दादी सुमित्रा देवी तथा अपने चाचा चाची को देते हुए कहा कि माता पिता का उपकार कभी भुलाया नही जा सकता है।पूरे परिवार के प्रयास से हम नीट की परीक्षा में सफल हो सके और साथ ही कहा की डॉक्टर बन कर गरीबों का सेवा करना ही मेरा प्रथम लक्ष्य है। ज्योत्स्ना कुमारी जवाहर नवोदय विद्यालय जोगना लोहरदगा से पढ़ाई कर कोटा राजस्थान से नीट की तैयारी कर रही थी।जहाँ से वह नीट की परीक्षा में पास की है। ज्योत्स्ना के पिताजी व्यवसायिक हैं,तथा दादा स्व।रामस्वारथ साहु शिक्षक थे।दो बड़ी बहनों में एक शिक्षिका और दूसरी बहन सुलक्षणा कुमारी रिम्स राँची से एमबीबीएस की पढ़ाई पूर्ण कर चुकी है।ज्योत्स्ना की सफलता पर पिता अजय साहु माँ पद्मावती देवी,दादी सुमित्रा देवी,चाचा विजय साहु,मिथलेश कुमार,चाची रंजीता देवी व भाई बहनों में खुशी का माहौल है।वही लोगों ने सफलता अर्जित करने पर बधाई दिया है।

आस्था

बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर भाकपा माले के नेताओं ने बारी-बारी से माल्यार्पण किया

शहादत दिवस पर याद किए गए भगवान बिरसा मुंडा

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला जिला मुख्यालय में जननायक भगवान बिरसा मुंडा की 124वीं शहादत दिवस गुमला जिला मुख्यालय स्थित बिरसा मुंडा पार्क में भाकपा माले लिबरेशन के कार्यकर्ता द्वारा मनाया गया। बिरसा मुंडा पार्क में स्थित प्रतिमा पर भाकपा माले के जिला सचिव कामरेड गजेंद्र सिंह एवं पार्टी जन संगठन के नेताओं द्वारा बारी-बारी से माल्यार्पण कर बिरसा मुंडा अमर रहे बिरसा मुंडा के क्रांतिकारी उलगुलान परंपरा को आगे बढ़ाओ, जल, जंगल, जमीन और खनिज पर जन अधिकार कम करो, सांप्रदायिक कॉर्पोरेट फास्टेस्ट बातों को ध्वस्त करो आदि नारों के साथ

श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। कार्यक्रम में जिला सचिव गजेंद्र सिंह ,महेंद्र जंक्शन उरांव, बिरजानंद उरांव, सुषमा देवी ,रवि उरांव ,हुमायूं साहू, किशोर एक्का, चेंगरे उरांव, विद्यासागर उरांव, मंजारो देवी, बिरसाऊ ओराओ, संजू देवी सीता देवी, दर्शन उरांव, लाल देवी, संदीप एक्का, कोशिला देवी, श्याम बिहारी ,जगल मुंडा, विष्णु माझी ,सहित दर्जनों नेता कार्य करता उपस्थित थे। मौके पर भाकपा माले के जिला सचिव गजेंद्र सिंह ने कहा कि सांप्रदायिक कॉरपोरेट की फासीवादी हमले और उसके विचारधारा के खिलाफ वर्गीय संघर्ष को मजबूत करते हुए बिरसा मुंडा के रास्ते पर चलकर जल जंगल जमीन खनिज लोकतंत्र और संविधान को बचाने की लड़ाई को आगे बढ़ना होगा।

ट्रेनिंग से लौटे अग्निवीर जवानों को किया गया सम्मानित

गुमला। भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर चाहा मैदान गुमला में अग्निवीर की ट्रेनिंग कर लौटे दो जवानों को लक्ष्य फिजिकल अकादमी की ओर से सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में अग्निवीर जवान रोशन साहू एवं सोनू माली शामिल हैं। अपने अनुभव शेयर करते हुए जवानों ने कहा कि अग्निवीर योद्धाओं का ट्रेनिंग फौजी ट्रेनिंग की तरह ही होता है। शुरू में थोड़ा कठिन था, लेकिन देशभक्ति के जुनून ने ट्रेनिंग को सहज कर दिया। आरएसएस के विभाग प्रचारक शम्मी एवं सेव योर लाइफ संस्था के सचिव संतोष झा ने दोनों अग्निवीर जवानों के साथ-साथ लक्ष्य फिजिकल अकादमी के निदेशक नेल्सन भगत, संतोष प्रसाद आदि को अंगवस्त्र, बुके एवं माला प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रेमचंद साहू, बबलू साहू, गजेंद्र उरांव, अभिषेक किंडो, पूजा कुजूर, संध्या उरांव व अनामिका कुमारी मौजूद थे।

गठबंधन सरकार मोदी की नई परीक्षा

चुनाव सबसे बड़े लोकतंत्र का हो तो बड़ी उथल पुथल स्वाभाविक है और इस बार के चुनाव परिणाम ने अनेक राजनीतिक दलों को उत्तर भी दिए हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस चुनाव को अपने जेल के अंदर रहने या बाहर रहने का अधिकार मतदाताओं को सौंपा था, जिसका नतीजा यह रहा कि उनके दिल्ली में 'आप' का खाता तक नहीं खुला, तो वहीं उनकी पार्टी पंजाब में विधानसभा चुनाव-2022 का चमत्कार दोहराने में विफल हो गई और 13 में से केवल 3 सीटें ही जीत पाई। शरद पवार का राजनीतिक वारिस कौन और असली शिवसेना किसकी? क्या माया और ममता अब भी ताकतवर हैं? यह चुनाव ऐसे ही कई सवालों के साथ शुरू हुआ था। इनमें से कुछ के जवाब मिल गए हैं और कुछ के बाकी हैं। जिस तरह के नतीजे आए हैं, उससे यह संदेह भी पैदा हुआ है कि क्या देश में आर्थिक सुधार जारी रहेंगे? क्या देश विकास के पथ पर अग्रसर होता रहेगा? नीतिगत स्थिरता का क्या होगा? शायद इसी संदेह की वजह से शेयर बाजार में भारी गिरावट आई। लेकिन नरेन्द्र मोदी के भाजपा मुख्यालय में दिये पहले भाषण से जवाब काफी हद तक मिल गये, जिससे शेयर बाजार ने भी तेजी पकड़ी है एवं भाजपा एवं सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ है। देश एक बार फिर गठबंधन सरकारों के युग में प्रवेश कर रहा है। अब यह एक हकीकत है कि मौजूदा जनादेश के मद्देनजर गठबंधन सरकार बनाना भाजपा की मजबूरी हो गई है। निश्चित रूप से पूर्ण बहुमत के साथ सहयोगी दलों के साथ सरकार चलाने और अल्पमत में सहयोगी दलों के साथ सरकार चलाने में बड़ा फर्क है। सवाल उठाया जा रहा है कि पूर्ण बहुमत वाले दो कार्यकालों में देशहित के बड़े फैसले लेने वाली भाजपा क्या गठबंधन के सहयोगियों के दबाव के बीच शासन करने में खुद को सहज महसूस कर सकेगी? लेकिन मोदी के नेतृत्व में सरकार मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी और अपने संकल्पों एवं योजनाओं को आकार देगी, इसमें कोई संदेह नजर नहीं आता। देश में केंद्रीय स्तर 2009 के बाद पहली बार गठबंधन सरकार बनने जा रही है। अतीत में नरसिंह राव और अटल बिहारी वाजपेयी ने गठबंधन सरकारों का कुशलता से संचालन भी किया है और आवश्यक सुधारों को भी आगे बढ़ाया है। मनमोहन सिंह ने भी दस वर्ष तक गठबंधन सरकार का संचालन किया है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि उन्हें किस तरह कई बार सहयोगी दलों के अनुचित दबाव में झुकना पड़ा। अटल बिहारी वाजपेयी की गठबंधन सरकार चुनौतियों से जूझती रही । मोदी राजनीति के धुरंधर खिलाड़ी है, अमित शाह राजनीतिक जोड़ तोड़ के खिलाड़ी है, इसे देखते हुए भाजपा और उसके नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार सफलतापूर्वक अपना काम कर सकेगी, ऐसा उनके समर्थकों को लगता है। न केवल सरकार बल्कि भाजपा के बड़े मुद्दों का भी क्रियान्वयन होगा। जब-जब भाजपा के सामने अनुचित राजनीतिक दबाव की स्थितियां बनेगी, सरकार कोई सार्थक रास्ता निकाल लेगी। भाजपा बहुमत के आंकड़े से ज्यादा दूर नहीं है, इसलिए यह उम्मीद की जाती है कि तेलुगु देसम पार्टी, जनता दल-यू, शिवसेना समेत अन्य सहयोगी दलों के साथ उसके लिए सरकार चलाना कहीं अधिक आसान होगा। इसके बाद भी इतना तो है ही कि प्रधानमंत्री मोदी पहली बार गठबंधन सरकार का संचालन करेंगे। उनके लिए ऐसी सरकार चलाना एक नया अनुभव होगा। लेकिन वे भाजपा संगठन में अनेक पदों पर रहते हुए संगठन की गतिविधियों के कुशल संचालन से भिज्ञ है। देश-विदेश के दबावों को झेलते हुए उन्होंने भारत को एक शक्ति के रूप में खड़ा किया है, दुनिया जब आर्थिक संकट झेल रही है, भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, निश्चित ही गठबंधन सरकार का उनका संचालन उनकी नेतृत्व क्षमता और सबको साथ लेकर चलने के राजनीतिक कौशल को एक नया आयाम देगी। उनके पास चुनौतियों के बीच देश की समस्याओं का समाधान करने की एक राजनीतिक दृष्टि एवं कौशल है। गठबंधन सरकारों के कुछ सकारात्मक पक्ष होते हैं तो कुछ नकारात्मक पक्ष भी। गठबंधन सरकारों का नेतृत्व करने वाले को घटक दलों से समन्वय के साथ चलना होता है। इसमें समस्या तब आती है, जब घटक दल अनुचित मांगें मनवाने लगते हैं अथवा सौदेबाजी करने की कोशिश करते हैं या फिर अपने संकीर्ण हितों की पूर्ति के लिए दबाव की राजनीति करने लगते हैं।

अर्थव्यवस्था

कीर्तिमान बना रहे शेयर मार्केट का संदेश

शशांक भारद्वाज

नई ऐतिहासिक ऊंचाइयों का कीर्तिमान बना रहे भारतीय शेयर मार्केट ने पिछले सप्ताह उतार चढ़ाव का ,विचलन का कीर्तिमान बना दिया। निफ्टी ,सेंसेक्स में ऐसी बड़ी उठापटक देखी नहीं गई थी। निफ्टी ने सप्ताह में मंगलवार को 21281 का निकला स्तर बनाया जो सोमवार के ऐतिहासिक उच्चतम स्तर 23338 से 2057 अंकों की बहुत ही बड़ी गिरावट थी। सोमवार के भी उच्चतम स्तर 23179 से 1898 अंकों की कमी थी। इतनी बड़ी गिरावट तो बड़े से बड़े संकटों में नही आयी थी परंतु यह स्वाभाविक भी हो गई थी क्योंकि भारतीय शेयर मार्केट मोदी सरकार की बड़े तथा निर्णायक बहुमत के साथ वापसी की ले कर पूर्ण आश्वस्त था। एक्जिट पोल भी ऐसा ही संकेत कर रहे थे तथा इससे सोमवार की मार्केट ने ऐतिहासिक ऊंचाई बनाई, निफ्टी 733 अंक चढ़ा। परंतु मंगलवार को जब चुनाव परिणाम में बीजेपी को अपने बल पर पूर्ण बहुमत न मिलने का संकेत मिला,बहुमत नहीं मिला भी, तो मार्केट में बड़ी गिरावट स्वाभाविक हो गई। यह एक अतिरेक की घबराहरपूर्ण बिकवाली थी। अनेकों शेयरों में निचला सर्किट लग गया। फिर मार्केट ने स्थिति का पुनर्मूल्यांकन किया। भाजपा को तो बहुमत नहीं था परंतु एनडीए को बहुमत था। इस कारण मंगलवार को निचले स्तरों से खरीद आई तथा निफ्टी 21884 पर बंद हुआ । इससे मार्केट का आत्मविश्वास लौटा तथा जैसे जैसे प्रमुख सहयोगी दलों तेलगु देशम तथा जेडीयू के द्वारा पूर्ण सहयोग की बात आई, मार्केट ने भरपूर तेजी पकड़ ली। फिर तो सप्ताह के शेष तीनों व्यापारिक सत्रों में तेजी देखी गई। सेंसेक्स ने तो 76795 का सार्वकालिक उच्च स्तर बना दिया तो निफ्टी मात्र 18 अंकों से नई ऊंचाई बनाने से चूक गया। रुचिकर यह है कि मार्केट की इस पुनर्वापसी में एफआईआई के क्रय का योगदान नहीं रहा। उन्होंने तो पिछले सप्ताह नकद संभाग में 13718 करोड़ की बिकवाली ही की, सामने घरेलू संस्थागत निवेशकों ने भी 5578 करोड़ रुपए के शेयर ही खरीदे, फिर भी मार्केट नई ऊंचाई के निकट आ गया। यह मार्केट की तीसरी शक्ति, सामान्य निवेशकों जिसमें उच्च संपत्ति निवेशक भी माने जा सकते हैं, उनका शक्तिशाली प्रदर्शन था। यह एक महत्वपूर्ण संकेत है। इस शक्ति प्रदर्शन का क्रम बना रहा तो भारतीय शेयर मार्केट का आधार बहुत अधिक शक्तिशाली हो सकता है। मार्केट की अगली तात्कालिक चाल अब सरकार की सरंचना तथा सहयोग दलों की प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगी। वित्त समेत अन्य प्रमुख आर्थिक मंत्रालय किनको मिलता,यह भी मार्केट को प्रभावित करेगा। आर्थिक विकास तथा कारक भारत में अच्छे बने हुए हैं। राजनीतिक स्थिति स्थिर तथा स्पष्ट होने पर मार्केट पुनः आर्थिक कारकों के आधार पर अधिक प्रतिक्रिया देगा।चूंकि आर्थिक कारक अच्छे हैं,अतः निफ्टी 23500 से 23700 की ओर बढ़ सकता है यदि राजनीतिक मोर्चे से कोई नकारात्मक समाचार नहीं आए। नीचे में 22500 एक अच्छा आधार हो सकता है। चुनाव परिणामों के पश्चात जो तेजी आई उसमे तेजी का आधार थोड़ा विस्तृत होता दिखा। ऐसा प्रतीत होता है कि एचएनआई निवेशक उचित तथा आकर्षक मूल्यांकन पर उपलब्ध शेयरों में अच्छी खरीद कर रहें हैं। ऐसे में इन शेयरों में अच्छा उछाल देखा जा सकता है। पिछली तेजी में कुछ क्षेत्र विशेष रक्षा, रेलवे, सरकारी उपक्रमों में ही निवेशकों की बहुत अधिक रुचि दिखाई थी। इनके मूल्यों में कई गुना वृद्धि हुई थी। बीजेपी को अपने बल पर पूर्ण बहुमत नहीं मिला है, अतः मोदी 3.0 में अब आर्थिक सशक्तिकरण पर विशेष तथा सर्वाधिक ध्यान रहेगा। फिर एक प्रमुख सहयोगी चंद्रबाबू नायडू हैं जो भारत में आर्थिक विकास की राजनीति के प्रतीक माने जाते हैं। यह शेयर मार्केट के लिए बहुत उत्साहजनक हो सकता है। मोदी सरकार अगले चुनावों में पुनः अपेक्षित अच्छा प्रदर्शन करने के लिए 3.0 में और भी अच्छा कार्य करने को प्रेरित रहेगी। चुनाव परिणाम में भाजपा को बड़ा बहुमत मिलता तो मार्केट बड़ी उछाल दिखाता ,गिरता ही नहीं क्योंकि अमेरिका में एसएंडपी तथा नासदाक नई ऊंचाई बना रहे, क्रूड 80 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया, यूरोप के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों में .25 प्रतिशत की कमी की विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में ब्याज दर में कमी का समय प्रारंभ हो सकता है। एक अनुमान के अनुसार 7.3 ट्रिलियन डॉलर जो भारत की जीडीपी तथा पूरे भारतीय शेयर मार्केट के पूंजीकरण से भी अधिक धनराशि है, मुद्रा मार्केट में निवेशित हैं जिनका बड़ा भाग अब ब्याज दरों में कमी से शेयर मार्केट में आ सकता है। इंडिया विक्स भी 31 से घट कर 16.88 पर आ गया है। यह मार्केट में भय की कमी का संकेत हैं। पीएमआई मई में 57.5 है। यह विनिर्माण गतिविधि अच्छी बने रहने का संकेत है। निर्यात आदेश ने भी 13 वर्षों में सबसे तीव्र वृद्धि रही। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक बिकवाल बने हुए हैं। मई में उन्होंने 25586 करोड़ रुपए के तथा जून ने 14794 करोड़ रूपए के शेयर बेचे।संतोष तथा गर्व की बात यह है कि उनकी इस बड़ी बिकवाली के पश्चात भी भारतीय शेयर बाजार तेज तथा शक्तिशाली बने हुए हैं। यदि कोई राजनीतिक अस्थिरता नहीं आती तो भारतीय शेयर मार्केट में अच्छी तेजी बनी रह सकती है। मोदी सरकार 3.0 अधिक सजग,परिणामोन्मुखी , दृढनिश्चय की होगी तथा भारत के स्वर्णिम विजय की नई गाथा लिखेगी तथा शेयर मार्केट भी।

काव्य कोना

एहसास

कोई दरार कहीं दिखती नहीं
बुझे-बुझे बहार का एहसास क्यों?
लबों के बीच दबी-दबी मुस्कुराहटें
हमारे करार का इकरार है।
निगाहों-निगाहों में हाल बयाँ किये
दुनिया जान गई बेकरारी के किस्से ।
जुल्फों को जो एक बार संवार दूँ
चाँदनी अपने में सिमट जायेगी।
मौका यूँ एक बार तो दिजिए
यूँ ही फासले मिट जायेंगे।
दूरियाँ औ फासला की फिर चर्चा कहाँ!
तन्हा-तन्हा सफर यूँ ही कट जायेगा।

- नाग मणि

आपकी बात

विनाश का कारण बनते जा रहे युद्ध के घातक हथियार

डॉ. मनमोहन प्रकाश

विज्ञान एवं तकनीकी युग में आज मनुष्य एक ओर तो प्रकृति पर विजय प्राप्त करना चाहता है, कई वर्षों तक जीवित रहना चाहता है, बुढ़ापे को दूर भगाना चाहता है, जिंदगी को आराम दायक बनाना चाहता है, वहीं दूसरी ओर अपनी बढ़ती महत्त्वाकांक्षा से चालित प्रकृति को जाने-अनजाने में तरह-तरह से हानि पहुंचा रहा है। साथ ही समय-समय पर विभिन्न देशों के मध्य होने वाले युद्ध, युद्धाभ्यास, आतंकी हमलों में प्रयुक्त घातक हथियार और उनकी टेस्टिंग जल (समुद्र), वायु ,थल,नभ को बुरी तरह से प्रभावित कर रही हैं, प्रदूषित कर रही है। आजकल जो युद्ध हो रहे हैं वे इतिहास की किताबों में दर्ज परम्परागत युद्ध जैसे नहीं हैं, जिनमें तलवार, धनुष और तोपखाने का उपयोग किया जाता हो। उन्नीसवीं शताब्दी से युद्ध में उपयोग होने वाले हथियार और सामग्री में बहुत बदलाव आया है। कम्प्यूटरीकृत प्रणाली तथा सूचना तंत्र का उपयोग हथियारों में बढ़ा है। युद्धक विमान, मिसाइल, रॉकेट लांचर, तोप, बम और उनमें उपयोग होने वाले तरह-तरह के विस्फोटक और उनकी सटीक मारक क्षमता ने युद्ध को मनुष्य और पर्यावरण के लिए पहले से ज्यादा घातक और नुकसान दायक बना दिया है। उदाहरण के लिए लगभग पिछले दो वर्ष से जारी रुस-यूक्रेन युद्ध में तरह-तरह के घातक हथियारों का उपयोग हो रहा है यथा विस्फोटक हथियार जो अपने विखंडन, विस्फोटक, आगजनी के प्रभाव से प्रकृति और मानव को बेतहाशा नुकसान पहुंचा रहे हैं। रासायनिक हथियार (क्लोरोपिक्रिन जैसे दम घुटने वाले ऐजेंट आदि) जो मनुष्य सहित विभिन्न जीव-जंतुओं के फेफड़ों, आंखों, त्वचा में जलन पैदा करके तथा उल्टी, मतली, दस्त का कारण बन हथियार के प्रभाव क्षेत्र में आने वाले हर व्यक्ति और जीवों को मौत के घाट उतार रहे हैं, इनका वनस्पतियों पर क्या प्रभाव पड़ा है युद्ध समाप्ति पर होने वाले शोध से ही अवज्ञत हो सकेगा। कुछ हथियार ऐसे भी उपयोग में लायें जा रहे हैं जो आगजनी तथा धुआं फैला कर जन-धन को हानि पहुंचा रहे हैं (नेपान, थर्माइट, सफेद फास्फोरस आदि) तथा कुछ हथियार ऐसे हैं जिन्हें ईंधन वायु विस्फोटक(थमोर्बेरिक हथियार) कहा जाता है (एरोसोल बम या वैक्यूम बम) जो उच्च तापमान वाले विस्फोट को उत्पन्न करने के लिए हवा से आक्सीजन का उपयोग करते हैं। इन विस्फोटक से उत्पन्न गर्मी इंसान को झुलसा देती है। इसके घातक प्रभाव को देखते हुए इन हथियारों को गैर परमाणु हथियार में सबसे खतरनाक माना जाता है। परमाणु हथियार को अभी होल्ड पर रखा है जो बड़े क्षेत्र में सामुहिक विनाश का कारण बन सकता है। रुस-युक्रेन युद्ध में इस विनाशक हथियार के उपयोग की आंशका बनी हुई है। इन हथियारों के प्रभाव को जानकर इतना तो स्पष्ट है कि ये प्रकृति/पर्यावरण और उसके जैविक और अजैविक घटकों को बहुत ज्यादा क्षति पहुंचा रहे हैं और युद्ध विराम के बाद भरपाई करने या यूं कहें युद्ध के पहले की स्थिति में लाने में वर्षों लग सकते हैं। आज विश्व के देशों में गुटबाजी स्पष्ट दिखाई देती है। एक तरफ रूस, चीन, उत्तरी कोरिया जैसे देशों का समूह है तो दूसरी तरफ अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी जैसे नाटों देशों का समूह है तो तीसरी ओर भारत जैसे वे देश है जो अभी किसी गुट में नहीं है तथा विश्व शांति के पक्ष में है और उन्हें अपने देश में पर्यावरण की रक्षा करते हुए विकास की रफ्तार को तेज करना है, विकसित राष्ट्र बनना, अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है तथा अपने नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना है।

राजनीति

यदि ये मोदी की हार है तो कांग्रेस की जीत कैसे?

मयंक चतुर्वेदी

लोकसभा चुनाव के आए परिणाम के बाद देश अभी समीक्षा के दौर से गुजर रहा है, कहीं खुशी और कहीं गम का माहौल बरकरार है, लेकिन सत्ता का नेतृत्व फिर से नरेन्द्र मोदी के पास है। दूसरी ओर विपक्ष है, विशेष कर कांग्रेस जिसके नेता रह-रह कर इस प्रकार के बयान दे रहे हैं, जैसे उन्हें समझ नहीं आ रहा, आखिर भारतीय जनता पार्टी इतनी सीट जीत कर कैसे सरकार में आ गई? देश में फिर तीसरी बार कांग्रेस को विपक्ष में बैठना होगा। देखा जाए तो यह सच है कि इस बार के चुनाव परिणाम भाजपा के लिए उसकी आशा अनुरूप नहीं आए, किंतु क्या यह कांग्रेस की तुलना में लगातार आने वाले संख्यात्मक बहुत ज्यादा अच्छे परिणाम नहीं हैं? इस बात को कांग्रेस आज क्यों नहीं स्वीकारना चाहती, यदि हैं तो फिर कांग्रेस आज किस बात की खुशी मना रही है? बात तो तब होती जब भजपा-नीत एनडीए गठबंधन को वह सत्ता के लिए आवश्यक बहुमत से दूर रख पाती। वस्तुतः आश्चर्य होता है यह देखकर कि एनडीए गठबंधन का बहुमत आने के बाद भी कांग्रेस एवं संपूर्ण विपक्ष एक ही रट लगाए हुए है कि नरेन्द्र मोदी एक व्यक्ति और संपूर्ण भारतीय जनता पार्टी एक संगठन के रूप में हार चुके हैं। जनता ने इस बार उन्हें नहीं जिताया, नकार दिया है। किंतु जो कांग्रेस आज यह कह रही है अच्छा होता वह स्वयं अपना आत्ममंथन करती और इस सच को हृदय से स्वीकारती कि वर्तमान में जो भाजपा 240 जितनी भी सीटें एनडीए कुल 293 हासिल हुई हैं, यह बहुमत के आंकड़े 272 से 21 सीटें अधिक हैं और यह सभी सांसद प्रधानमंत्री मोदी का चेहरा एवं भविष्य के विकसित भारत के संकल्प के साथ जीते हैं। इसके बाद भी देखिए, कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश और राहुल गांधी की अकड़ कि वह नरेंद्र मोदी का मजाक उड़ाने का बार-बार प्रयास करते नजर आते हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश कह रहे हैं कि आज 'ढोल बजाने वाले' लोग पीएम मोदी के 'दयनीय' चुनावी प्रदर्शन को बेवजह सही ठहरा रहे हैं। ''नरेंद्र मोदी के लिए ढोल पीटने वाले उनकी नैतिक, राजनीतिक और व्यक्तिगत हार वाले जनादेश में भी उम्मीद की किरण तलाश रहे हैं। इसे खूब प्रचारित किया जा रहा है कि जवाहरलाल नेहरू के बाद मोदी लगातार तीन बार जनादेश प्राप्त करने वाले पहले व्यक्ति हैं। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

> **वस्तुतः आश्चर्य होता है यह देखकर कि एनडीए गठबंधन का बहुमत आने के बाद भी कांग्रेस एवं संपूर्ण विपक्ष एक ही रट लगाए हुए है कि नरेन्द्र मोदी एक व्यक्ति और संपूर्ण भारतीय जनता पार्टी एक संगठन के रूप में हार चुके हैं।**

फेसबुक वॉल से

X - से

अपने पत्र हमें इमेल कर सकते हैं-**article.rnmail@gmail.com**

जनादेश का सम्मान

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

इस बार चुनाव के दौरान संविधान से संबंधित मुद्दे चर्चा में रहे। चुनाव प्रचार के दौरान सत्ता पक्ष पर संविधान बदलने का आरोप लगाया गया लेकिन यह मुद्दा कौआ कान ले गया कहावत को चरितार्थ करने वाला था। जिस सरकार ने दस वर्षों तक संविधान बदलने का कोई प्रयास नहीं किया, उस पर संविधान बदलने का आरोप निराधार था। भारत में संविधान बदलना संभव भी नहीं है। इतना अवश्य है कि सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 370 को हटाया। यह संविधान का अस्थाई उपबंध था। इसको हटाना संविधान सम्मत था। इसके आलावा पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में उत्पीड़ित लोगों के लिए नागरिकता कानून में संशोधन किया। यह मानवीय निर्णय था। इससे बड़ी संख्या में हिंदू, सिख और जैन परिवारों को उत्पीड़न से मुक्ति मिली। सरकार ने संविधान दिवस मनाने का निर्णय किया था। यह संविधान और संविधान निर्माताओं के प्रति सम्मान था। डॉ. आंबेडकर के जीवन से जुड़े पंच तीर्थों को भव्य रूप में प्रतिष्ठित किया गया। यह संविधान के शिल्पी के प्रति सम्मान था। संविधान में संशोधन हो सकते हैं। बयालीसवें संविधान संशोधन को तो लघु संविधान तक कहा गया। यह कांग्रेस सरकार के समय हुआ था लेकिन किसी सरकार पर यह आरोप लगाना हास्यास्पद है कि वह पांच वर्ष में संविधान बदल देगी। भारतीय संविधान इतना कमजोर भी नहीं है। भारत जैसे विशाल और विविधापूर्ण देश में नया संविधान बनाना आसान भी नहीं है। भारतीय संविधान सभा को भारत के संविधान बनाने में 2 वर्ष 11 माह 18 दिन लगे थे। 26 नवम्बर 1949 को संविधान राष्ट्र को समर्पित किया था। गणतंत्र भारत में 26 जनवरी 1950 से संविधान अमल में आया। वर्तमान सरकार ने संविधान सभा के प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव आंबेडकर के 125वें जयंती वर्ष के रूप में 26 नवम्बर 2015 को पहली बार संविधान दिवस में मनाया गया। उसके बाद से प्रत्येक वर्ष संविधान दिवस मनाया जा रहा है। इससे पहले इसे राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में मनाया जाता था। संविधान के मूल ढांचे में बदलाव संभव भी नहीं है। 1973 में केशवानंद भारती मामले के तहत सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान की मूल संरचना या मूल ढांचा का सिद्धांत दिया जिसके तहत भारतीय संसद संविधान में उसी हद तक संशोधन कर सकती है जहां तक संविधान के मूल ढांचे पर कोई प्रभाव ना पड़े। संविधान की सर्वोच्चता, कानून का शासन, संसदीय प्रणाली, न्यायिक समीक्षा, राष्ट्र की एकता और अखंडता, संघीय स्वरूप, विधायिका कार्यपालिका तथा न्यायपालिका के बीच शक्ति का विभाजन, गणराज्य, लोकतंत्र, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव, न्यायपालिका की स्वतंत्रता आदि में बदलाव नहीं किया जा सकता। चुनाव में राजनीतिक पार्टियों की जय-पराजय स्वाभाविक है। सरकारें बनती हैं, बदलती हैं। लेकिन बड़ी बात यह कि भारत की संवैधानिक व्यवस्था मजबूत है। संविधान पर खतरा बताना, संविधान को बदलने की बात करना व्यर्थ है। यह सम्भव भी नहीं है। आम चुनाव ने एक बार फिर संवैधानिक व्यवस्था की मजबूती को प्रमाणित किया। एक बार फिर लोकतंत्र विजयी हुआ। बेहद प्रतिकूल मौसम में चुनाव हुए। कष्ट सहते हुए लोगों ने मतदान किया। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

बोधि वृक्ष

रांची : बोडेया में 356 साल पुराना कृष्ण मंदिर

रांची के बोड़ेया में स्थित है मदन मोहन मंदिर पर सरकार का कोई ध्यान नहीं है. जिसकी वजह से अब तक इस मंदिर को राजकीय पहचान नहीं मिल पाई है। लिहाजा इस प्राचीन मंदिर की पहचान महज कुछ क्षेत्रों तक ही सीमित रह गई है। कहा जाता है कि यह मंदिर रांची ही नहीं बल्कि झारखंड के प्राचीन मंदिरों में से एक है। कई बार आवेदन देकर ट्रस्ट बनाने की मांग संस्थापक के वंशजों द्वारा की गई, लेकिन अब तक इस दिशा में पहल करने की जहमत किसी ने नहीं उठाई. यही वजह है कि संस्थापक के वंसज ही मंदिर का संचालन करते आ रहे है। **(समाप्त)**

टेक वर्ल्ड

व्हाट्सएप पर स्क्रीन शेयरिंग का स्टेप-बाय-स्टेप प्रोसेस

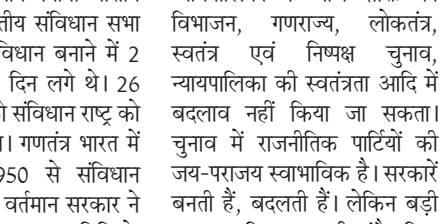

1. व्हाट्सएप अपडेट करें: सबसे पहले, यह सुनिश्चित करें कि आपके पास व्हाट्सएप का लेटेस्ट वर्जन इंस्टॉल हो। स्क्रीन शेयरिंग फीचर केवल लेटेस्ट वर्जन में ही उपलब्ध है। अगर आपका ऐप अपडेट नहीं है, तो इसे Google Play Store Apple App Store से अपडेट करें।

2. वीडियो कॉल शुरू करें: स्क्रीन शेयरिंग केवल वीडियो कॉल के दौरान ही संभव है। इसलिए, सबसे पहले उस व्यक्ति को वीडियो कॉल करें जिससे आप स्क्रीन शेयर करना चाहते हैं।

3. स्क्रीन शेयरिंग बटन पर क्लिक करें: जब वीडियो कॉल कनेक्ट हो जाए, तो स्क्रीन पर दिए गए 'स्क्रीन शेयर' बटन पर क्लिक करें। यह बटन आमतौर पर कॉल कंट्रोल पैनल में दिखाई देगा।

4. कन्फर्मेशन: स्क्रीन शेयर बटन पर क्लिक करने के बाद, एक पॉप-अप विंडो आएगी जो आपसे कन्फर्मेशन मांगेगी कि क्या आप वास्तव में अपनी स्क्रीन शेयर करना चाहते हैं। इस कन्फर्मेशन को स्वीकार करें।

5. शेयरिंग शुरू करें: कन्फर्मेशन के बाद, आपकी स्क्रीन शेयरिंग शुरू हो जाएगी। अब जो भी आपके फोन की स्क्रीन पर दिख रहा है, वह वीडियो कॉल में शामिल दूसरे व्यक्ति को भी दिखेगा।

6. स्क्रीन शेयरिंग रोकना: जब आप स्क्रीन शेयरिंग को समाप्त करना चाहते हैं, तो वीडियो कॉल के कंट्रोल पैनल में दिए गए 'स्टॉप स्क्रीन शेयरिंग' बटन पर क्लिक करें। इससे स्क्रीन शेयरिंग तुरंत बंद हो जाएगी। **(क्रमशः)**

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. **RNI.** 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-83001, फोन नं.- 0651-3553943, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : **news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com**
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

खुल गया | खुल गया | खुल गया

नीलकमल फर्नीचर

मेसर्स विनय इंटरप्राइजेज

गायत्री मंदिर रोड, सुदना

प्रो. अभिषेक कुमार

नीलकमल के अधिकृत विक्रेता सभी तरह के फर्नीचर के लिए एक बार जरूर पधारें

दीवान, सोफा, आलमीरा, स्कूल फर्नीचर, प्लास्टिक की कुर्सी, टेबल व सभी सामानों के सेट उपलब्ध

8789497720 | 9199963588

एक नजर

गम्हरिया में बिरसा मुंडा के प्रतिमा स्थल के सौंदर्यीकरण की मांग की

आदित्यपुर। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की शहादत दिवस पर गम्हरिया के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और जिला उपाध्यक्ष फुलकांत झा ने श्रद्धांजलि अर्पित की. साथ ही उन्होंने सीएम चंपाई सोरेन से काड़ाकाटा स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थल के सौंदर्यीकरण की मांग की। उन्होंने कहा कि यहां धरती आबा की प्रतिमा लगे पांच साल बीत गये लेकिन अब तक यहां सौंदर्यीकरण नहीं हो सका है। उन्होंने धरती आबा को याद करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने शोषण के खिलाफ देश में आंदोलन छेड़ा था। उन्हें इतिहास में उलगुलान का जनक कहा जाता है। मौके पर रंजीत पासवान, सुनील कुमार, विकास कुमार, तुलसी मोदक, खिरोद नायक, बीरेन मोदक आदि उपस्थित रहे।

कपाली में पति ने पत्नी को पीट कर किया घायल

जमशेदपुर । जमशेदपुर से सटे कपाली थाना अंतर्गत तामुलिया शिव मंदिर के पास रहने वाली मलिका गोस्वामी को उसके पति राज गोस्वामी ने मारपीट कर घायल कर दिया। घायल अवस्था में मलिका थाने पहुंची। वहां से उसे इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल भेजा गया। एमजीएम अस्पताल में मलिका का इलाज चल रहा है। जानकारी देते हुए मलिका ने बताया कि उसने अपने जीजा से पति को 20 हजार रुपये दिलवाए थे। जीजा कई दिनों से रुपये वापस मांग रहे थे, पर राज रुपये वापस नहीं कर रहा था। आज इसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद राज ने उसे घर से घसीटकर बाहर निकाला और बुरी तरह से पीटकर घायल कर दिया। इधर, शिकायत के बाद पुलिस जांच में जुट गई है।

भाजपा एसटी सेल ने शहादत दिवस पर धरती आबा को किया याद

जमशेदपुर। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा जमशेदपुर ने भगवान बिरसा मुंडा की 124वीं पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया। मोर्चा के सभी जिला पदाधिकारियों ने उनकी प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। जिला उपाध्यक्ष राकेश मुखी के नेतृत्व में सभी साकची स्थित भवन बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पहुंचे और दीपक जलाकर और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य परेश मुखी, जिला महामंत्री पी के करवा, जिला उपाध्यक्ष मनोज करवा, मोर्चा के मंत्री मिली दास,अजय रजक, राकेश मुखी, सतीश मुखी, धीरज मुखी, चंद्रशेखर दास, ममता मुखी, पोरेश कालिंदी, सबुर दास, संतोष दास, दीपक करवा, अशोक कुमार, विश्वनाथ मुखी, राजाराम आदि उपस्थित रहे।

एनएच पर अज्ञात वाहन की चपेट में आकर वृद्ध घायल

जमशेदपुर। एमजीएम थाना अंतर्गत एनएच 33 पर सिमुलडांगा के पास एक अज्ञात वाहन ने खड़िया बस्ती निवासी 60 वर्षीय निताय सबर को अपनी चपेट में ले लिया। घटना को अंजाम देने के बाद चालक वाहन तेजी से लेकर मौके से फरार हो गया। इधर, स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल पहुंचाया। वहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। परिजनों ने बताया कि निताय किसी काम से बाहर गया था। सड़क पार करने के दौरान वह किसी वाहन की चपेट में आ गया।

आदिवासी-मूलवासी के मौलिक अधिकारों को छीन रहा कुजू डैम : बीर सिंह बुड़ीउली

नवीन मेल संवाददाता

जमशेदपूर। राजनगर प्रखंड अंतर्गत कुजू पंचायत में ईचा खरकई बांध विरोधी संघ, कोल्हान के बैनर तले जन जागरण सह जनांदोलन चलाया गया. जनांदोलन की अध्यक्षता वीर सिंह बुड़ीउली ने की। अभियान का शुभारंभ भगवान वीर शहीद बिरसा मुंडा की 125वीं शहादत दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि देकर किया। संघ ने धरती आबा की राह पर चलकर ईचा डैम को निरस्त करने का संकल्प लिया। जनांदोलन सह श्रद्धांजलि सभा में संघ के अध्यक्ष बीर सिंह बुड़ीउली ने कहा कि ईचा डैम 126 गांव के आदिवासी मूलवासियों और उनकी पीढ़ियों को संविधान उद्देशिका प्राप्ति से दूर करता है। मौलिक

अधिकारों को छीनता है। राज्य सरकार इस योजना को नहीं रोक रही है। यह संविधान के उपबंधों से असंगत है। नियम अधिनियमों रूढ़ी प्रथा विधि के खिलाफ है। डैम से झारखंड और ओडिशा के आदिवासी और मूलवासी विस्थापित हो जायेंगे।

सचिव सुरेश सोय और उपाध्यक्ष रेयांस सामड ने भी सभा को संबोधित किया। सभा में आने वाले भविष्य में डैम आंदोलन की लड़ाई में तन मन और धन से अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की गयी। जनांदोलन में मुख्य रूप से सचिव सुरेश सोय, उपाध्यक्ष रेयांस सामड, सह संयोजक योगेश कालुंडिया, मीडिया सचिव रविंद्र अल्डा, सह कोषाध्यक्ष बिरसा गोडसोरा, मनसा बोदरा, सुनील बाड़ा, पालो, सरिता आदि आंदोलनकारी और खुटंकट्टी रैयतगण आदि उपस्थित रहे।

उलगुलान के महानायक शहीद बिरसा मुंडा का मनाया गया शहादत दिवस

नवीन मेल संवाददाता। जमशेदपुर

ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स आर्गनाइजेशन की जमशेदपुर नगर इकाई ने भुइयांडीह चौक पर उलगुलान के महानायक शहीद बिरसा मुंडा का 125वां शहादत दिवस मनाया. कार्यक्रम में सर्वप्रथम संगठन के प्रदेश कोषाध्यक्ष युधिष्ठिर कुमार ने धरती आबा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर संगठन की जनशेदपुर नगर सचिव सबिता सोरेन ने कहा कि आज केवल झारखंड ही नहीं बल्कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में बिरसा मुंडा को याद कर उनके विचारों को लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। बिरसा मुंडा के शहादत को 125 वर्ष हो गये हैं, लेकिन राज्य का दुर्भाग्य है कि जिस उद्देश की पूर्ति के लिए उन्होंने शहादत दी, वह पूरा नहीं हो सका है। अवसरवादी राजनीति ने उनके सपने को कहीं खो दिया है। हमारा झारखंड बड़ा हुआ,

बढ़ा नहीं, विकसित नहीं हुआ। हम सभी को मिलकर उनके सपनों पूरा करने का दायित्व लेना होगा।सबिता सोरेन ने कहा कि संगठन ने झारखंड के स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालयों और घर-घर में बिरसा मुंडा की तस्वीर और उनके विचारों को पहुंचाने का संकल्प लिया है। कार्यक्रम का संचालन नगर सचिव मंडल सदस्य प्रेमचंद्र टुडू ने किया। इस अवसर पर संगठन के पूर्व राज्य कमेटी सदस्य हरिपद पॉल, जिला सचिव सोनी सेनगुप्ता, राहुल महतो, कोमल कुमारी समेत कई छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ट्रक की टक्कर से बिजली पोल हुआ धराशायी आक्रोश में लोगों ने किया सड़क जाम

नवीन मेल संवाददाता। गिरिडीह

धनबाद मुख्य मार्ग के मोहनपुर में बिजली विभाग के खिलाफ लोगों ने जमकर प्रदर्शन किया. इतना ही नहीं, आक्रोश में लोगों ने सड़क जाम भी कर दिया। जिसके बाद विभाग के लोग सक्रीय हुए और फिर फौरन मिस्त्री को भेज समस्या के समाधान में लगाया। बताया गया कि देर रात को मोहनपुर में एक अज्ञात ट्रक ने 11 हजार वोल्ट लोड बिजली के पोल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर में पोल दो टुकड़ों में विभक्त होकर गिर गया। इसके बाद से इलाके में बिजली गुल हो गयी। रात को बिजली मिस्त्री वहां पहुंचें भी, लेकिन कोई पहल नहीं की गयी। इसके बाद सुबह पोल के तार काटकर अलग कर दिया गया, लेकिन बिजली व्यवस्था बहाल करने को लेकर कोई कदम नहीं उठाए गए। इधर इस भीषण गर्मी में बिजली गुल रहने से लोगों में आक्रोश पनप गया और दोपहर के वक्त सड़क जाम कर लोग प्रदर्शन करने लगे। लोगों द्वारा बिजली को लेकर प्रदर्शन किए जाने की जानकारी पर विभाग के लोग सक्रीय हुए और मिस्त्री को भेज कर बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने में लगाया। काम शुरू होने के बाद स्थानीय लोग शांत हुए और फिर सड़क से जाम हटा लिया।

अवैध ढिबरा लदा पिकअप वाहन जब्त, कार्रवाई में जुटा वन विभाग

जब्त वाहन के ब्रेकडाउन हो जान के कारण उसे बिट कार्यालय लाने में वन कर्मियों को भारी फजीहत का सामना करना पड़ा

नवीन मेल संवाददाता। तिसरी

वन विभाग की टीम ने एक बार फिर अवैध ढ़िबरा परिवहन के विरुद्ध कार्यवाई की है। रविवार की अहले सुबह तिसरी और गावां वन विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर तिसरी के सिंघो से अवैध ढ़िबरा लदे एक पिकअप वाहन को जब्त किया है। इस संबंध में तिसरी के वनपाल अमर विश्वकर्मा ने बताया कि पंचरुखी वन भूखंड से अवैध ढ़िबरा लोड कर कोडरमा - डोमचांच की ओर ले जाने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर तिसरी व गांवा वन विभाग की टीम ने कोडरमा की ओर जाने वाले सारे रास्ते ब्लॉक कर दिए। तस्करों को इसकी भनक लगने पर उनलोगों ने ढ़िबरा लोड वाहन को लेकर सिंघो के पेशम नदी को पार कर भागने का प्रयास किया। इस दौरान वाहन का ब्रेक डाउन हो गया, वनकर्मियों को आता देख चालक

व अन्य वाहन छोड़कर फरार हो गए। जब्त वाहन के ब्रेकडाउन हो जान के कारण उसे बिट कार्यालय लाने में वन कर्मियों को भारी फजीहत का सामना करना पड़ा। अंततः जेसीबी मशीन और ट्रैक्टर की मदद से वनकर्मियों ने जब्त वाहन और ढ़िबरा को बीट कार्यालय लाया। कहा कि इससे जुड़े लोगों की पहचान की जा रही है। जब्त वाहन व इसमें संलिप्त लोगों पर वन अधिनियम के सुसंगत धाराओं के तहत अग्रतर कार्यवाई की जाएगी। टीम में मुख्य रूप से वन परिसर पदाधिकारी अमर विश्कर्मा, वन उप परिसर पदाधिकारी अशोक कुमार, पवन चौधरी, जिलाजित कुमार, हीरालाल पंडित, अनिल हेंब्रम एवं राजेन्द्र प्रसाद शामिल थे।

ब्रह्मर्षि विकास मंच ने ब्रह्मेश्वर मुखिया की पुण्यतिथि पर लगाया रक्तदान शिविर

रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र दिया व सम्मानित किया

जमशेदपुर ब्लड बैंक की देखरेख में हुआ शिविर का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। जमशेदपुर

ब्रह्मर्षि विकास मंच, जमशेदपुर ने रविवार को स्व. ब्रह्मेश्वर मुखिया की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया. शिविर बारीडीह क्लब हाउस, चूना भट्ठा मैदान में अयोजित किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन सुबह नौ बजे किया गया, जो शाम पांच बजे तक चला। रक्तदान शिविर में ब्रह्मर्षि विकास मंच के अध्यक्ष राम प्रकाश पांडेय ने कहा कि आज के समय में इतनी तेज गर्मी पड़ रही हो तो रक्त की आवश्यकता और बढ़ जाती है। इसीलिए मंच ने स्व। ब्रह्मेश्वर मुखिया की पुण्यतिथि पर इस कार्यक्रम को आयोजित किया है। शिविर में काफी संख्या में शहर के कोने-कोने से लोग शामिल हुए। मंच ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें मंच की ओर से प्रमाण पत्र दिया और सम्मानित किया। मंच की ओर से रक्तदाताओं की सुविधा के लिए सुबह का नाश्ता और दोपहर के भोजन की व्यवस्था भी की गई थी। जमशेदपुर ब्लड बैंक की देखरेख में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। रक्तदान शिविर में कुल 87 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। शिविर में कई लोग हीमोग्लोबीन की कमी के कारण रक्तदान नहीं कर पाए।कार्यक्रम में ब्रह्मर्षि विकास मंच के अध्यक्ष राम प्रकाश पांडेय, उपाध्यक्ष विजय नारायण सिंह, महासचिव योगेन्द्र मउआर, एडवोकेट अमरेंद्र कुमार शर्मा, ब्रजेश सिंह, मुकेश शर्मा, मंत्री श्रीनिवास ठाकुर, रंजीत सिंह, मनोज ठाकुर, उपेन्द्र चौधरी, सुधीर कुमार सिंह, संजीव ओझा, उपेन्द्र चौधरी, कामेश्वर तिवारी, संजय राय, प्रमोद ठाकुर, शंभू शर्मा, रविन्द्र सिंह, धर्मेन्द्र कुमार, धीरेन्द्र कुमार, विरेन्द्र कुमार सिंह, जितेन्द्र कुमार सिंह, जिला और क्षेत्रीय कमिटी के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

मैथन में 6 घंटे बिजली गुल

धनबाद। मैथन में एनएचएआई की ओर से रविवार को एनएच पर पोल गाड़ने व तार खींचने का काम किया गया. इसके चलते संजय चौक सबस्टेशन के 11 केवी पीएचईडी फिडर से सुबह 9।30 बजे से दिन के 3:30 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई थी। इससे मैथन के वनमेढ़ा, प्रोफेसर कॉलोनी, बासुदेव नगर, आदर्श नगर तथा कुमारधुबी का संजय नगर, मैथन मोड़, एग्यारकुंड, शिवलीबाड़ी मुंडाधौड़ा आदि क्षेत्र प्रभावित रहे।

निरसा में फैक्ट्री के सुरक्षा गार्ड को बंधक बना लाखों का सामान ले गए चोर

धनबाद। निरसा अनुमंडल क्षेत्र के कालूबथान ओपी अंतर्गत बोरिया स्थित मां तारा सेरामिक फैक्ट्री में शनिवार की रात हथियारबंद अपराधियों ने सुरक्षा गार्ड को बंधक बनाकर लाखों रुपये के समान लूटकर ले गए। फैक्ट्री संचालक घोषाल राम ने रविवार को इसकी लिखित शिकायत कालूबथान ओपी में की। पुलिस को दिए आवेदन में फैक्ट्री संचालक ने बताया कि अपराधियों ने हथियार का भय दिखाकर सुरक्षा गार्ड को एक कमरे में बंद कर घटना को अंजाम दिया।

जमीन के विवाद में महिला से मारपीट मामले की जांच में जुटी पुलिस

नवीन मेल संवाददाता। तिसरी

थाना क्षेत्र के दोमहन गांव में जमीन विवाद में एक महिला के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घायल महिला दोमहन निवासी दिनेश प्रसाद की 35 वर्षीय पत्नी रिंकू देवी है। मिली जानकारी के अनुसार एक पक्ष के द्वारा उक्त विवादित जमीन पर बाथरूम का टंकी बनवाया जा रहा था। इसको लेकर रिंकू देवी ने पुलिस से शिकायत की थी। जिसके बाद पुलिस ने मौके पर जाकर काम को बंद करवा दिया था, लेकिन इसके बावजूद फिर से टंकी बनाया जाने लगा जिसका विरोध करने पर टंकी निर्माण करवा रहे लोगों ने रिंकू देवी से पहले मारपीट की फिर धारदार हथियार से सिर पर वार कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर तिसरी थाना प्रभारी संजय नायक दल बल के साथ दोमहन गांव पहुंचे और घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल लाया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए इलाज के लिए गिरिडीह रेफर कर दिया गया। इस संबंध में घायल महिला रिंकू देवी ने महिला थाने में लिखित आवेदन देते हुए महिला - पुरुष समेत कुल 10 लोगों पर मारपीट का आरोप लगाया है। आवेदन में रिंकू देवी ने दावा किया है कि खाता न। 6,प्लॉट न। 68, 21 डी। रकवा वाले उनके जमीन पर कुछ लोगों द्वारा जबरन बाथरूम की टंकी बनवाई जा रही है। जिसका विरोध करने पर दूसरे पक्ष के लोगों ने उनके साथ गाली - गलौज,दुर्व्यव्हार करते हुए धारदार हथियार से सिर पर वार कर दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में कर रही है।

नाबालिग बच्चों को रुपये का लालच देकर करवाई जा रही है मवेशी चोरी

नवीन मेल संवाददाता। गिरिडीह

पचंबा थाना इलाके में इन दोनों मवेशी चोरी की घटना बढ़ गई है। मवेशी चोर नाबालिक बच्चों का सहारा लेकर मवेशी चोरी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। शनिवार की शाम परसाटांड़ पंचायत के चंदनडीह गांव में चोरी के संदेह पर दो नाबालिक बच्चों को ग्रामीणों ने एक मवेशी को ले जाते पकड़ा। ग्रामीणों द्वारा नाबालिकों से पूछताछ के क्रम में पता चला कि उक्त मवेशी को गिरिडीह ले जाने के

लिए उन्हें पांच सौ रुपए मिले हैं। पूछताछ के क्रम में नाबालिकों ने अन्य चार मवेशियों को भी गिरिडीह पहुंचने की बात कबूली। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पचंबा थाना पुलिस को दी। वहीं दोनों नाबालिक को लेकर सैकड़ों लोग पचंबा थाना पहुंच गए। ग्रामीणों ने पकड़ में आए नाबालिक बच्चों से पूछताछ कर मवेशी चोरी करने वाले गिरोह का पता लगाने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि पचंबा थाना क्षेत्र में मवेशी चोरी की घटना बढ़ चुकी है। कई लोगों के मवेशी की चोरी हुई है, लेकिन अभी तक एक भी मवेशी को पुलिस ने बरामद नहीं किया है। इसलिए ग्रामीणों ने पुलिस से पकड़ में आए नाबालिक बच्चों से पूछताछ कर असली चोर को गिरफ्तार करने की मांग की है। वहीं पचंबा थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर मंटू कुमार ने कहा कि नाबालिक बच्चों के निशानदेही पर पुलिस छानबीन कर रही है। उनके बताएं जगह पर छापेमारी की जा रही है। उन्होंने दोषियों को चिन्हित कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

न्यूज बॉक्स

पेड़ से लटका मिला युवक का शव जांच में जुटी पुलिस

गिरिडीह। मुफ्फसिल थाना के नजदीक सीसीएल डीएवी पब्लिक स्कूल के पीछे जोगीटांड़ में शीशम के पेड़ से एक शव झूलता हुआ देखें जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव होने की सूचना पर काफी संख्या में लोगों की भीड़ मौके पर जुटी गई। मामले की सूचना पर मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को पेड़ से उतरवाया। दौरान काफी प्रयास के बाद भी शव की पहचान नहीं हो सकी। मौके पर पुलिस द्वारा मौजूद लोगों पूछताछ की गई। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस द्वारा मृतक के शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है। बता दें कि शव गमछे के सहारे से पेड़ पर झूला हुआ देखा गया है ऐसे में कयास लगाया जा रहा है कि युवक ने आत्महत्या की है। हालांकि यह आत्महत्या है या हत्या से जुड़ा मामला है ये शव के पहचान होने और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। खबर लिखें जाने तक पुलिस शव के शिनाख्त के प्रयास में जुटी हुई थी।

नेताजी शिशु उद्यान परिसर में धरती आबा की पुण्यतिथि मनी

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा के नेताजी शिशु सुभाष उद्यान परिसर में रविवार को भगवान बिरसा मुंडा का शहादत दिवस मनाया गया. मौके पर उपस्थित लोगों ने धरती आबा की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पअर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की. इस अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा, मुंडारी समाज, सुसार समिति, सरना समिति, भारत मुंडा समाज समिति के प्रमुख लोगों ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला. सभी ने भगवान बिरसा मुंडा अमर रहे के नारे लगाये. मौके पर आदित्य प्रधान, असित मिश्रा, प्रोफेसर श्याम मुर्मू, कृष्ण मुंडा, शीलू मांडी, रमेश सिंह, नवीन हेंब्रम, बुधराम सिंह मुंडा, निकेश मुंडा, अनीता मुंडा आदि समेत समिति के कई सदस्य उपस्थित रहे।

तालाब में डूबे बच्चे की हुई पहचान, चर्च हाटिंग का था निवासी

किरीबुरू। किरीबुरु स्थित लोकेश्वर मंदिर तालाब से बरामद एक बच्चे के शव की पहचान एलेक्स गोप (7 वर्ष), पिता चन्द्र मोहन गोप, माता पूनम तुबीड के रूप में हुई है. यह बच्चा अपने माता-पिता के साथ किरीबुरु स्थित चर्च हाटिंग में रहता था. एलेक्स गोप 8 जून की सुबह लोकेश्वर मंदिर तालाब में घर वालों को बिना बताये अन्य बच्चों के साथ नहाने गया था। इसी दौरान गहरे पानी में डूब गया। शाम में बच्चे का शव पानी में पाया गया था। शव को बरामद कर किरीबुरु पुलिस ने रविवार को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बच्चे का परिवार अत्यंत गरीब है। जैसे-तैसे गुजारा करता है। परिवार में शोक की लहर है।

हाईटेंशन तार गिरने से पोटाश जंगल में लगी आग, बाकी गांव जलने से बचा

घाटशिला। घाटशिला थाना अंतर्गत बाकी गांव के निकट 11 हजार वोल्ट का तार टूटकर गिरने से पोटाश जंगल में रविवार को भीषण आग लग गयी। देखते ही देखते आग ने पूरे जंगल को चपेट में ले लिया। ग्रामीणों की सूचना पर मुखिया फागु सोरेन और जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू दमकल लेकर घटनास्थल पर पहुंचे। सब बीट ऑफिसर शिवचरण हेम्ब्रम और अजित मुर्मू भी वहां पहुंचे। ग्रामीणों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। ग्रामीणों ने पूरी तत्परता से बाकी गांव चलने से बच गया। मौके पर सुधीर मानकी, सचिन दास, सुनील मानकी, बादल मानकी, सीमाल किस्कू, लुकास टुडू, आकाश मानकी, रमेश मुंडा, हलधर मांडी, लखन मांडी, कमल दास, बुदेश्वर मानकी, भवानी मानकी समेत अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

जिला इंटक ने भगवान बिरसा की मनाई पुण्यतिथि

आदित्यपुर। रविवार को आदित्यपुर 2 स्थित डीएवी स्कूल एनआईटी गेट के सामने अवस्थित भगवान वीर शहीद बिरसा मुंडा की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं उनकी कीर्तियों की चर्चा कर जिला इंटक ने भगवान बिरसा मुंडा की 124वीं पुण्यतिथि मनाई। इस मौके पर वक्ताओं ने उन्हें देश का स्वतंत्रता सेनानी बताया। कांग्रेस के प्रदेश सचिव सुरेश धारी ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों के साथ देश के महाजनों और सूदखोरों के विरुद्ध देश में पहली क्रांति का आह्वान किया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंटक के जिला महासचिव खिरोद सरदार ने किया।

सीतारामडेरा में श्री गुरु अर्जन देव जी के शहादत दिवस पर लगी छबील

जमशेदपुर। सीतारामडेरा गेडू परिवार ने पारंपरिक रूप से श्री गुरु अर्जन देव जी की शहादत कोई याद करते हुए छबील का आयोजन किया। बिरसा नगर स्त्री सत्संग सभा की बीबीयों ने सुखमणि साहिब जी का पाठ किया और अरदास कर वाहेगुरु की रजा में रहने का संकल्प लिया। सरदार हरपाल सिंह और जसबीर कौर ने बताया कि गुरुजी को याद करते हुए पिछले कई सालों से संगत एवं आम जनता के बीच चना एवं मीठा शर्बत का वितरण किया जाता है। जिसमें स्थानीय लोगों का भरपूर सहयोग मिलता है। इस आयोजन में जसपाल सिंह, सतपाल सिंह, शुभम पटनायक समेत अन्य लोगों की सराहनीय भूमिका रही।

आज का राशिफल

मेष — मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा।

वृषभ — निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी।

मिथुन — कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

कर्क — ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है।

सिंह — विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे।

कन्या — स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

तुला — शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है।

वृश्चिक — कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अतः हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ।

धनु — मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा।

मकर — स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे।

कुम्भ — मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। किसी से निकटता प्रेम-प्रसंग में बदलेगी।

मीन — अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें।

महाराष्ट्र के कई जिलों में भारी बारिश, सिंधुदुर्ग के लिए रेड अलर्ट

एजेंसी मुंबई

महाराष्ट्र के कई जिलों में सोमवार सुबह से ही जोरदार बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आज के लिए सिंधुदुर्ग जिले के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि विदर्भ के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। बारिश की वजह से पालघर के वसई विरार इलाकों में जलभराव हो गया है। भारतीय मौसम विभाग ने अगले तीन से चार दिन तक राज्य में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। कोंकण में गरज के साथ भारी बारिश और 50-60 किमी प्रति घंटे की औसत गति से हवा चलने की संभावना जताई गई है। रत्नागिरी में आज ऑरेंज अलर्ट जारी किया है और कुछ स्थानों पर 100 मिमी से अधिक बारिश की संभावना जताई है। इसी तरह सिंधुदुर्ग में आज रेड अलर्ट जारी किया है और समुद्र में मछुआरों को न जाने की अपील की है। कोंकण और पश्चिम महाराष्ट्र के कई जिलों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश की भी चेतावनी दी गई है। कोल्हापुर और सातारा में भारी बारिश की संभावना है। मराठवाड़ा के कई जिलों में आज हल्की बारिश की संभावना है।

बारिश की वजह से जनजीवन प्रभावित

मुंबई शहर में आज सुबह से ही बारिश हो रही है। दादर, कुर्ला, अंधेरी, घाटकोपर, कोलाबा, बांद्रा में बारिश की वजह से जनजीवन प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने मुंबई, ठाणे और रायगढ़ इलाकों में 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का अनुमान व्यक्त किया है। कल्याण-डोंबिवली में आज सुबह एक घंटे तक बारिश हुई। करीब एक घंटे तक बूंदाबांदी होती रही। बीच-बीच में तेज बारिश भी होती रही, हालांकि बारिश तेज नहीं थी, लेकिन बूंदाबांदी से शहरवासियों को गर्मी से राहत मिली। वसई विरार में आज सुबह-सुबह भारी बारिश से निचले इलाकों की सडकों पर पानीभर गया है। वसई के साईंनगर, विश्वकर्मा नगर, समता नगर, दीवानमन, मानिकपुर रोड में पहली बारिश में ही सडकों पर पानी भर गया है। पहली बारिश में ही मुंबई अहमदाबाद हाईवे जाम हो गया है। वसई क्षेत्र के मालजीपाड़ा इलाके में जेके टायर शोरूम के पास पाइप लाइन बिछाने के काम के कारण यह राजमार्ग अवरुद्ध है।

‘हरियाणा से पानी नहीं छोड़ा गया तो दिल्ली में होगा बड़ा जल संकट’

नई दिल्ली। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह को एक बार फिर पत्र लिखकर कहा है कि यदि पड़ोसी राज्य दिल्ली के लिए अतिरिक्त पानी नहीं छोड़ता है तो राष्ट्रीय राजधानी को अगले एक-दो दिन में बड़े जल संकट का सामना करना पड़ेगा₹। आतिशी ने पत्र में लिखा, पिछले कुछ दिनों से हरियाणा मुनक नहर में पर्याप्त पानी नहीं छोड़ रहा है। इसके परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय राजधाना के लोगों को अनुचित कष्ट उठाना पड़ रहा है। पत्र में कहा गया है कि मई 2018 में अपर यमुना रिवर बोर्ड की 53वीं बैठक में हुए समझौते के अनुसार, मुंडक नहर के जरिये दिल्ली को 1,050 क्यूसेक (56.8 करोड़ गैलन प्रतिदिन) पानी दिया जाना था। रास्ते में पानी के नुकसान को देखते हुए 1,013 क्यूसेक (54.8 करोड़ गैलन प्रतिदिन) पानी दिल्ली पहुंचना चाहिये। मंत्री ने अपने पत्र में लिखा कि दिल्ली के बवाना में, जहां मुंडक नहर का पानी केंद्रशासित प्रदेश में प्रवेश करता है, इसकी मात्रा मापी गई थी। अपर यमुना रिवर बोर्ड के प्रतिनिधियों ने पिछले सप्ताह इन फ्लो मीटरों की जांच की थी। गर्मी के समय में भी बवाना में दिल्ली को मिलने वाले पानी की औसत मात्रा 980 से 1,030 क्यूसेक के बीच होती है।

जेईई-एडवांस्ड परीक्षा का परिणाम घोषित, वेद बने ऑल इंडिया टॉपर, द्विजा गर्ल्स में अव्वल

आईआईटी मद्रास ने किया था परीक्षा का आयोजन, 14 दिन में रिजल्ट घोषित

एजेंसी। नईदिल्ली/कोटा

आईआईटी मद्रास का 26 मई को हुई जेईई-एडवांस्ड परीक्षा का परिणाम मात्र 14 दिन बाद रविवार 9 जून को घोषित कर दिया। इस परीक्षा में 1,91,283 विद्यार्थियों को पंजीकृत किया गया था। इस बार 48,248 विद्यार्थियों को आईआईटी संस्थानों में प्रवेश के लिये क्वालिफाई घोषित किया गया है। उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों में 40,284 छात्र एवं 7964 छात्राएं हैं।

आईआईटी मद्रास के जारी परिणामों में ऑल इंडिया मेरिट सूत्री में इस वर्ष एलन कोटा के कोचिंग छात्र व इंदौर निवासी वेद लोहाटी ने ऑल इंडिया रैंक में टॉप किया। लोहाटी ने 360 में से सर्वाधिक 355 अंक हासिल किये है। गर्ल्स केटेगरी में छात्रा द्विजा धर्मेश कुमार पटेल टॉपर रही, जिसने 360 में से 322 अंक हासिल किए हैं। मुख्य मेरिट सूची में रैंक-2 पर आदिल, रैंक-3 पर भोगलपल्ली संदेश, रैंक-4 पर रिथम केडिया, रैंक-5 पर पुट्टी कुशल कुमार, रैंक-6 पर राजदीप मिश्रा, रैंक-7 पर द्विजा पटेल, रैंक-8 पर कोडुरी तेजेश्वर, रैंक-9 पर धुवी हेमंत दोषी, रैंक-10 पर अल्लादा बोना सिद्विक सुहास सफल रहे।

उल्लेखनीय देश के 23 आईआईटी संस्थानों में गत वर्ष 17,385 सीटें थी, जिसमें से 13,918 पर छात्रों को एवं 3422 पर छात्राओं को प्रवेश दिया गया था। इस वर्ष 10 प्रतिशत सीटें बढ़ने की उम्मीद है। याद दिला दें कि जेईई-मेन से इस वर्ष 2.50 लाख शीर्ष परीक्षार्थियों को जेईई-एडवांस्ड के लिये क्वालिफाई घोषित किया गया था, लेकिन इनमें से 60 हजार इस कठिन प्रवेश परीक्षा में शामिल नहीं हुये। जेईई-एडवांस्ड का रिजल्ट घोषित होने पर कोचिंग संस्थानों में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने ढोल पर झूमते हुये सफलता का जश्न मनाया।

मैथ्स का हर सवाल हल करना पसंद है : वेद लाहोटी

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के क्लासरूम छात्र वेद लाहोटी ने जेईई-एडवांस्ड का रिकॉर्ड ब्रेक करने की जिद की और उसे पूरा कर दिखाया। उसने 360 में से 355 अंक प्राप्त कर रैंक-1 हासिल की है। जेईई-मेन में उसने 300 में से 295 अंक अर्जित कर एआईआर-119 प्राप्त की है। कक्षा-10वीं 98.6 प्रतिशत और कक्षा-12वीं में 97.6 प्रतिशत प्राप्तांक से उसने अपनी योग्यता को साबित किया। वेद हर बात का तार्किक जवाब लेने में विश्वास रखता है। जेईई-एडवांस्ड में दो सवाल गलत हुए हैं तो उसने चुनौती दी कि ये कैसे गलत हुए। उसकी मां जया गृहिणी और पिता योगेश लाहोटी रिलायंस जीओ में कंस्ट्रक्शन मैनेजर हैं। वेद ने बताया कि मुझे मैथ्स में हर सवाल हल करना पसंद है। उसे शतरंज व क्रिकेट खेलने का शौक है। उसे मां जया और नाना आर सी सोमानी ने आगे बढ़ने के लिये प्रेरित किया। वह कोटा में पढ़ना चाहता था। उसने इंदौर से कक्षा-10 पास करके कोटा में जेईई की तैयारी की और कीर्तिमान बनाने में सफल रहा।

जोसा काउंसलिंग आज से

कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा के अनुसार, आईआईटी एवं एनआईटी संस्थानों में प्रवेश के लिए जोसा काउंसलिंग 10 जून से प्रारम्भ होगी। यह काउंसलिंग 10 जून से 26 जुलाई के मध्य 5 राउंड में पूरी होगी। काउंसलिंग में सफल विद्यार्थियों को 23 आईआईटी, 32 एनआईटी, 26 ट्रिपलआईटी एवं 40 जीएफटीआई सहित 121 संस्थानों की 600 से अधिक कॉलेज व ब्रांचेज को अपनी रैंक के अनुसार प्राथमिकता के घटते क्रम में भरना है।

ममता ने बिरसा मुंडा को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आदिवासियों के बीच भगवान की तरह पूजे जाने वाले बिरसा मुंडा को पुण्यतिथि के मौके पर श्रद्धांजलि दी है। सीएम ने कहा है कि उनके नेतृत्व वाली सरकार हर साल इस मौके पर राज्य अवकाश मानती है। रविवार को मुख्यमंत्री ने माइक्रो ब्लॉकिंग साइट एक्स पर लिखा, मैं स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा को उनकी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। उनकी निडर देशभक्ति, अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की मानसिकता हमारी प्रेरणा है। ममता ने लिखा, मुझे गर्व है कि हमारी राज्य सरकार इस वीर शहीद के सम्मान में हर वर्ष उनकी जयंती को अवकाश के रूप में मनाती है। हमने जंगलमहल में अपने एक विश्वविद्यालय का नाम आदिवासी समाज के इस दिग्गज के नाम पर रखा है।

15 नवम्बर 1875 को जन्में बिरसा मुंडा एक भारतीय आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी और मुंडा जनजाति के लोक नायक थे। उन्होंने ब्रिटिश राज के दौरान 19वीं शताब्दी के अंत में बंगाल प्रेसीडेंसी (अब झारखंड) में हुए एक आदिवासी धार्मिक सहस्त्राब्दी आंदोलन का नेतृत्व किया, जिससे वह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बन गए। भारत के आदिवासी उन्हें भगवान मानते हैं और "धरती आबा" के नाम से भी जाना जाता है। नौ जून 1900 को वह बलिदान हो गए थे।

जिरिबाम में हालात काबू में, बुजुर्ग की हत्या के बाद भड़की थी हिंसा

एजेंसी। मणिपुर

मणिपुर में हिंसा की घटनाएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। जिरिबाम जिले में एक बार फिर हिंसा भड़क गई। यहां शनिवार को संदिग्ध उग्रवादियों ने दो पुलिस चौकियों और कम से कम 70 घरों में आग लगा दी थी, जिससे हालात बिगड़ गए। हालांकि, रविवार को स्थिति को नियंत्रण कर लिया गया था। एक अधिकारी ने बताया कि घटना शनिवार शाम को हुई। इसके बाद प्रभावित इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया। मणिपुर पुलिस ने बताया, 'जिरिबाम जिले में हिंसक उपद्रव के बाद स्थिति तनावपूर्ण है। हालांकि हालात नियंत्रण में है। यहां शरारती तत्वों ने दो पुलिस पिकेट, एक वन बीट कार्यालय और मैतेई व कुकी दोनों समुदायों से संबंधित कई घरों में आग लगा दी थी।'

जिरिबाम थाने के बाहर विरोध जताया

पुलिस ने बताया कि जातीय संघर्ष से ग्रस्त मणिपुर के जिरिबाम जिले में गुरुवार शाम एक समुदाय के 59 वर्षीय व्यक्ति की हत्या के बाद तनाव पैदा हो गया था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित गुरुवार को सुबह अपने खेत पर गया था, जहां से वह लापता हो गया। बाद में उसका शव बरामद किया गया। स्थानीय लोगों ने हत्या के बाद जिरिबाम थाने के बाहर विरोध जताया और मांग की कि चुनाव के मद्देनजर उनसे लिये गए लाइसेंसी हथियार अब उन्हें लौटा दिए जाएं। मणिपुर में पिछले साल से मई से जारी हिंसा से अब तक जिरिबाम अप्रभावित रहा है। यहां भी मेइती, मुस्लिम, नागा, कुकी और गैर-मणिपुरी लोग रहते हैं।

अनिश्चित काल के लिए लगा था कर्फ्यू

जिरिबाम जिले में संदिग्ध उग्रवादियों की ओर से 59 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या किए जाने पर हुए विरोध-प्रदर्शन के बाद छह जून को जिला प्रशासन ने वहां अनिश्चित काल के लिए कर्फ्यू लगा दिया था। जिरिबाम जिले में हुई हत्या से यहां ताजा जातीय हिंसा भड़क उठी है जबकि अभी तक यह क्षेत्र हिंसा से अप्रभावित रहा था।

सोशल मीडिया पर नजर

उन्होंने आगे कहा, 'पुलिस सोशल मीडिया की भी सक्रिय रूप से निगरानी कर रही है। सोशल मीडिया पर शरारती तत्व समुदायों के बीच सांप्रदायिक भावनाओं को भड़का सकते हैं। साथ ही आम जनता से अफवाहों को हवा देने से बचने को कहा है।'

मंत्री बनाने का ऑफर देने पर भी भाजपा को नहीं देंगे समर्थन : विधायक

एजेंसी। चरखी दादरी

चरखी दादरी के निर्दलीय विधायक और सांगवान खाप के प्रधान सोमबीर सांगवान ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा पर बड़ा हमला बोला है। दरअसल, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा था कि प्रदेश के तीनों निर्दलीय विधायकों को मनाकर वापस भाजपा में शामिल कराएंगे। सीएम सैनी के इसी बयान पर विधायक सोमबीर सांगवान ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि तीनों निर्दलीय विधायक का कांग्रेस को पूर्ण रूप से समर्थन है और रहेगा। भाजपा सरकार इन विधायकों को चाहे मंत्री

बनाने का ऑफर दे या राष्ट्रपति बनाने का, वे भाजपा को समर्थन नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि तीनों निर्दलीय विधायक भाजपा में नहीं जाएंगे। सीएम उनको लोभ और लालच देना छोड़ दें। तीनों विधायक अपने फैसले पर अडिग हैं। इन तीनों विधायकों ने कांग्रेस को समर्थन देकर हरियाणा में भाजपा सरकार को अल्पमत में लाकर छोड़ दिया है। सैनी सरकार हरियाणा में विधायकों का फ्लोर टेस्ट कराएगी तो फेल हो जाएगी। चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर कंगना रनौत के साथ हुई बदसलूकी पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि वह ओछे शब्दों का प्रयोग करती हैं। सीआईएसएफ की महिला जवान की भावनाओं को ठेस पहुंची थी, इसलिए वह ऐसा करने पर मजबूर हो गई। कंगना रनौत के बयानों से समाज में गलत संदेश गया था और इसी का परिणाम है कि आवेश में आकर महिला जवान ने कंगना पर थप्पड़ जड़ दिया। कंगना को समाज में तानाबाना का भी ख्याल रखना चाहिए और उन्हें अपने ओछे ब्यान का खामियाजा भुगतना पड़ा।

तीन महिलाओं सहित पांच की मौत

एजेंसी। अमेठी

अमेठी में भीषण सड़क हादसा होग गया। तेज रफ्तार बोलेरो कार बुलेट बाइक को टक्कर मारने के बाद पेड़ से टकरा गई। हादसे में तीन महिलाओं और एक बच्चे समेत पांच लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घायलों को ग्रामीणों की मदद से स्थानीय सीएचसी, जिला अस्पताल और सुल्तानपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां कई की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसा इतना भीषण था कि दोनों गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। पूरा मामला मुंशीगंज थाना क्षेत्र के जामो भादर चौराहे का है। जहां सुल्तानपुर जिले के इस्लामगंज गांव का रहने वाला अकबर बोलेरो से परिजनों को लेकर मुंशीगंज थाना क्षेत्र के धरई माफी एक मिट्टी में शामिल होने जा रहा था। बोलेरो अभी जामो भादर चौराहे के पास पहुंची ही थी कि जामो की तरफ से आ रही बुलेट से टकराने के बाद पेड़ से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि बुलेट सवार दुर्गेश उपाध्याय पुत्र राम इकबाल और बहन वंदना की मौके पर ही मौत हो गई जबकि चार वर्षीय भांजा रुद्र गंभीर रूप से घायल हो गया।

अमरोहा के चित्रकार ने कोयले से बनाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आठ फीट की तस्वीर

एजेंसी

अमरोहा। नरेंद्र मोदी आज तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के पद की शपथ लेने जा रहे हैं। इसको लेकर देश में चारों ओर जश्न का माहौल है। ऐसे में पीएम मोदी को अपनी शुभकामनाएं भेजने के लिए अमरोहा के एक चित्रकार ने कोयले से पीएम मोदी की 8 फीट की तस्वीर को दीवार पर उकेरा है। तस्वीर बनाने वाला चित्रकार उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले का रहने वाला है। उसे अक्सर अपने कोयले से बनाए गए चित्रों के लिए जाना जाता है।

मोदी की तस्वीर बनाने वाले चित्रकार जुहेब खान ने कहा, मैं अक्सर देश में होने वाली समसामयिक घटनाओं को कोयले से अपनी तस्वीर के जरिए दीवारों पर उतारता हूं।" उन्होंने कहा कि आज नरेंद्र मोदी तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं।

इस मौके पर उन्हें बधाई देने के लिए मैंने कोयले से उनका 8 फीट का चित्र तैयार किया है।

जुहेब खान ने आगे कहा, मैं आशा करता हूं कि पीएम मोदी अपने नारे 'सबका साथ, सबका विकास' के साथ सभी जाति, धर्मों और समुदायों के लोगों को साथ लेकर चलेंगे, ताकि यह देश प्रगति कर सके।

प्रधानमंत्री मोदी आज शाम 7.15 बजे राष्ट्रपति भवन में पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उन्हें शपथ दिलाएंगी। भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' पॉलिसी और 'सागर' मिशन को दी जा रही प्राथमिकता के तहत कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों को समारोह में बुलाया गया है। पीएम मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने वाले नेताओं में श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू, सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफीफ, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल ह्यप्रचंडह्ल और भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे शामिल हैं। सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफिफ और बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना शनिवार को ही भारत आ गई थीं।

जोधपुर सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत को तीसरी बार मिली केंद्रीय मंत्रिपरिषद में जगह

जयपुर। जोधपुर लोकसभा सीट से लगातार तीन बार संसद पहुंचने वाले गजेंद्र सिंह शेखावत को तीसरी बार भी मंत्रिपरिषद में जगह मिली है। प्रधानमंत्री आवास पर रविवार सुबह पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा दी गई टी पार्टी में वह भी शामिल हुए थे।

शेखावत ने मंत्री बनाये जाने पर प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने तीसरी बार अपनी टीम में शामिल कर उन्हें देश सेवा का मौका दिया है। उन्होंने कहा, ₹देश को विकसित बनाने का प्रधानमंत्री का संकल्प और जिन मुद्दों को लेकर हम चुनाव में जनता के बीच गये थे, उन्हें पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ पूरा किया जाएगा। शेखावत ने जोधपुर लोकसभा सीट से लगातार तीसरी बार उन्हें उम्मीदवार बनाने के लिए पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व का आभार जताया और पार्टी कार्यकताओं तथा शहर के लोगों को उन्हें विजयी बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

आम आदमी पार्टी की कोई विचारधारा नहीं है : नवीन जिंदल

यमुनानगर। कुरुक्षेत्र लोकसभा से चुनाव जीतने के बाद भाजपा सांसद नवीन जिंदल रादौर पहुंचे। रादौर पहुंचने पर कार्यकताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने आग आदमी पार्टी को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि इस पार्टी की कोई विचारधारा ही नहीं है। उन्होंने कहा कि लोकसभा क्षेत्र में पार्टी और उनके खुद के संकल्प पत्र के अनुरूप जल्द ही काम शुरू किए जाएंगे। मेडिकल सुविधाओं के आलावा समाजसेवा के कार्यों पर जल्द ही काम शुरू किया जाएगा। पत्रकारों से बातचीत के दौरान सांसद नवीन जिंदल ने आम आदमी पार्टी पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि चुनाव तक कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ने वाली पार्टी अब कांग्रेस नेताओं पर ही भीरतघात का आरोप लगा रही है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी को कांग्रेस के नाम पर 80 प्रतिशत वोट मिले हैं, आम आदमी पार्टी की कोई विचारधारा ही नहीं है। चुनाव खत्म होने के बाद से ही आप नेता कांग्रेस के खिलाफ बयानबाजी करने लगे। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि सीएम सैनी ने कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। सरपंचों की समस्या भी दूर की गई है। ये सरकार जनता की है, ये लोगों की सरकार है। हम साथ मिलकर काम करेंगे।

एक नजर

वेस्टइंडीज ने युगांडा को 134 रन से रौंदा

जॉर्जटाउन (गुयाना)। टी20 विश्व कप 2024 के ग्रुप-सी के एक मैच में वेस्टइंडीज ने युगांडा को 134 रन से हराकर बड़ी जीत दर्ज की। बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन की फिरकी के आगे युगांडा के बल्लेबाज पूरी तरह लाचार नजर आए। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जॉनसन चार्ल्स के 42 गेंदों पर 44 और आंद्रे रसेल के 17 गेंदों पर 30 रनों की बदौलत 20 ओवरों में 173/5 रन बनाए। जवाब में युगांडा की टीम 12 ओवरों में मात्र 39 रन पर सिमट गई। युगांडा को कोई भी बल्लेबाज ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिक पाया।

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 36 रन से हराया

ब्रिजटाउन (बारबाडोस) : ऑस्ट्रेलिया ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के उपयोगी योगदान और गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन के दम पर टी20 विश्व कप में अपने चिर प्रतिद्वंदी इंग्लैंड को 36 रन से हराया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 201 रन बनाए जो वर्तमान विश्व कप में किसी टीम का अभी तक सर्वोच्च स्कोर है। इंग्लैंड की टीम इसके जवाब में 6 विकेट पर 165 रन ही बना पाई। ऑस्ट्रेलिया की यह लगातार दूसरी जीत है जिससे वह ग्रुप बी में शीर्ष पर पहुंच गया है। इंग्लैंड को अभी पहली जीत का इंतजार है।

उसे अब ओमान और नामीबिया का सामना करना है जबकि स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच बारिश की भेंट चढ़ जाने के कारण उसे अंक बांटने पड़े थे। पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद डेविड वार्नर (16 गेंद पर दो चौकों और चार छक्कों की मदद से 39 रन) और ट्रेविस हेड (18 गेंद पर 34 रन, दो चौके, तीन छक्के) ने पहले 5 ओवर में 70 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया को आक्रामक शुरूआत दिलाई। इन दोनों के चार रन के अंदर पवेलियन लौट जाने के बाद कप्तान मिशेल मार्श और ग्लेन मैक्सवेल ने जिम्मेदारी संभाली। मार्श ने 25 गेंद पर 35 रन बनाए जिसमें दो चौके और इतने ही छक्के शामिल हैं। मैक्सवेल ने 25 गेंद पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 28 रन बनाए।

119 रनों पर सिमटी भारतीय की पूरी टीम

एजेंसी। नई दिल्ली

टी20 क्रिकेट विश्व कप 2024 के तहत भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप स्टेज मुकाबले में भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 119 रन ही बना पाई। बारिश से प्रभावित मुकाबले को दो बार रोका गया था। इस दौरन तेज हवाओं में भारतीय बल्लेबाजी डमगमा गई। नसीम शाह और हैरिस राऊफ ने 3-3 तो मोहम्मद आमेर ने दो विकेट लेकर भारतीय टीम को बड़े स्कोर तक जाने से रोक दिया। भारत की ओर से ऋषभ पंत सवार्धिक स्कोरर रहे। उन्होंने 42 रन बनाए। इसके अलावा अक्षर पटेल ने 20 तो रोहित शर्मा ने 13 रनों का योगदान दिया। विराट 4, सूर्यकुमार 8 तो हार्दिक 7 ही रन बना पाए। अंत में अर्शदीप ने अच्छे शॉट लगाए और स्कोर 119 तक पहुंचा दिया। अर्शदीप को सिराज का भी थोड़ा साथ मिला।

भारत : 119-10 (19 ओवर)

- टीम इंडिया की ओर से रोहित शर्मा के साथ विराट कोहली ओपनिंग पर आए। रोहित ने शाहीन अफरीदी की पहली गेंद पर डबल लेने के बाद तीसरी गेंद पर गगनचुंबी छक्का जड़ा लेकिन एक ओवर खत्म होने के बाद बारिश शुरू हो गई जिसके चलते सलामी बल्लेबाजी पवेलियन लौट गए। मैच

शुरू हुआ तो कोहली (4) ने पहली गेंद पर चौका लगाया लेकिन नसीह शाह की तीसरी गेंद पर आऊट हो गए।

टीम इंडियो को रोहित शर्मा से खास उम्मीदें थीं। कोहली के आऊट होने के बाद उनपर नजरें थीं लेकिन शाहीन अफरीदी ने तीसरी ओवर में वापसी करते हुए रोहित को हैरिस राऊफ के हाथों कैच आऊट करवा दिया। रोहित ने 12 गेंदों पर एक चौके और एक छक्के की मदद से 13 रन बनाए। इसके बाद अक्षर पटेल और ऋषभ पंत ने टीम को संभाला और कुछ अच्छे शॉट लगाए। पावरप्ले में भरत का स्कोर 50-2 हो गया।

अक्षर पटेल 8वीं ओवर में नसीम शाह का शिकार हुए। उन्होंने 18 गेंदों पर 2 चौके और 1 छक्के की मदद से 20 रन बनाए। इस दौरान पाकिस्तानी फील्डिंग भी कमजोर रही। उन्होंने दो महत्वपूर्ण कैच भी छोड़े। सूर्यकुमार यादव (7) ने क्रीज पर आकर चौके के साथ शुरूआत की। लेकिन 12वें ओवर में वह हैरिस की गेंद पर आमेर को कैच दे बैठे। सूर्यकुमार ने इसी के साथ पाकिस्तान के खिलाफ अपना खराब रिकॉर्ड कायम रखा। पाकिस्तान के खिलाफ 5 मुकाबलों में वह 11, 18, 13, 15, 7 रन ही बना पाए हैं।

भारतीय ऑलराऊंडर शिवम दुबे मिले मौके को भुना नहीं पाए। सूर्यकुमार के आऊट होने के बाद क्रीज पर आए दुबे 9 गेंदों पर 3 रन बनाकर नसीम शाह का शिकार हो गए। शिवम के लिए टी20 में भारत के लिए आऊटिंग अभी तक ठीक नहीं गई है। वह अब तक 0, 0, 21, 18, 7, 14, 0* और 3 ही रन बना पाए हैं। अक्षर के ठीक बाद ऋषभ पंत 42 रन बनाकर आऊट हो गए।

हज यात्रा पर रवाना हुईं सानिया मिर्जा

नई दिल्ली। पूर्व टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा हज यात्रा पर रवाना हो गई हैं। सानिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी और कहा कि उन्हें काफी इंतजार के बाद इस पवित्र यात्रा पर जाने का अवसर मिला है। सानिया मिर्जा हज की अपनी पवित्र यात्रा शुरू कर चुकी हैं। पूर्व टेनिस खिलाड़ी ने अपने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि उन्हें 'पवित्र यात्रा पर निकलने का अविश्वसनीय अवसर मिला है', क्योंकि वह जल्द ही सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का में होंगी। अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किए गए एक लंबे नोट में, सानिया ने लिखा, मेरे प्यारे दोस्तों, मैं एक नए अनुभव की तैयारी कर रही हूं। मैं आप सभी से अपनी सभी गलतियों की माफी मांगती हूं। मेरा दिल इस समय काफी भावुक और कृतज्ञता से भरा हुआ है। मुझे उम्मीद है कि अल्लाह मेरी प्रार्थनाओं को स्वीकार और मेरा मार्गदर्शन करेंगे।

'पवित्र यात्रा पर निकलने का अविश्वसनीय अवसर मिला है'

आईपीएल से हटने का फैसला सही साबित हुआ : एडम जम्पा

ब्रिजटाउन (बारबाडोस)। ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर एडम जंपा ने कहा कि आईपीएल 2024 से हटने का उनका फैसला सही रहा क्योंकि इससे उन्हें टी20 विश्व कप की तैयारी करने में मदद मिली और साथ ही उन्होंने अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिताया। जम्पा ने टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की इंग्लैंड पर 36 रन से जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जम्पा ने मैच के बाद कहा, निश्चित तौर पर विश्व कप को ध्यान में रखते हुए आईपीएल से हटने का मेरा फैसला सही रहा। मैं काफी थका हुआ महसूस कर रहा था तथा मैं पूरी तरह से फिट भी नहीं था। इसके अलावा मैं पारिवारिक व्यक्ति भी हूं और कई बार इन्हें काम से अधिक प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण होता है।' उन्होंने कहा, मैं थोड़ा धीमी शुरूआत करने वाला व्यक्ति हूं और मुझे थोड़ा अधिक कड़ी मेहनत करनी पड़ी। मैं अब पूरी तरह से फिट हूं और मैंने काफी गेंदबाजी की जैसा कि इस तरह के टूर्नामेंट से पहले मैं हमेशा करता रहा हूं। अब सब कुछ मेरे साथ अच्छा हो रहा है।'

रचा इतिहास

यूएफसी में जीत दर्ज करने वाली पहली भारतीय बनीं पूजा तोमर

एजेंसी। केंटकी

पूजा तोमर अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) में जीत दर्ज करने वाली भारत की पहली मिश्रित मार्शल आर्ट फाइटर बन गई है। पहली बार इस तरह की प्रतियोगिता में भाग ले रही पूजा ने यूएफसी लुइसविले में शनिवार को स्ट्रॉवेट (52 किग्रा) मुकाबले में ब्राजील की रेयान डॉस सैंटोस पर 30-27, 27-30, 29-28 से विभाजित निर्णय से जीत हासिल की।

पूजा ने मुकाबले के बाद कहा, यह केवल मेरी जीत नहीं है। यह भारत के सभी प्रशंसकों और भारतीय फाइटर की जीत है। इससे पहले सभी सोचा करते थे कि भारतीय फाइटर चुनौती पेश नहीं कर सकते हैं। मैं केवल जीत के बारे में सोच रही थी और मैंने दिखाया कि भारतीय फाइटर हारने वालों में शामिल नहीं हैं।'

साइक्लोन' के नाम से मशहूर 30 वर्षीय पूजा ने पिछले साल अक्टूबर में यूएफसी के साथ अनुबंध किया था और इस तरह से वह मिश्रित मार्शल आर्ट्स की सबसे बड़ी प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली भारत की पहली महिला बन गईं। अंशुल जुबली और भरत कंडारे ने यूएफसी में विश्व मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के बुधाना गांव में जन्मी पूजा पांच बार की राष्ट्रीय वुशु चैंपियन हैं और कराटे और ताइक्वांडो में भी भाग लेती रही है। पूजा ने कहा, ह्यमुझे जीत की पूरी उम्मीद थी और मैंने काफी आक्रमण किया लेकिन मैं अपना शत प्रतिशत प्रदर्शन नहीं कर पाई। दूसरे राउंड में मैं दबाव महसूस कर रही थी। मुझे अभी काफी सुधार करने की जरूरत है।'

पूजा तोमर

यह केवल मेरी जीत नहीं है, यह भारत के सभी प्रशंसकों और भारतीय फाइटर की जीत है

महिलाओं की 10,000 मीटर दौड़ में संजीवनी ने हासिल किया पहला स्थान

32 मिनट 22.77 सेकंड में पूरी करके पहला स्थान हासिल किया है संजीवनी ने।

32 मिनट 55.91 सेकंड का समय लेकर पांचवें स्थान पर एक और भारतीय महिला रही।

एजेंसी। पोर्टलैंड (अमेरिका)

एशियाई चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता धाविका संजीवनी जाधव ने पोर्टलैंड ट्रैक फेस्टिवल हाई परफॉर्मेंस प्रतियोगिता में महिलाओं की 10,000 मीटर दौड़ 32 मिनट 22.77 सेकंड में पूरी करके पहला स्थान हासिल किया।

इस 27 वर्षीय धाविका ने इससे पहले भी पोर्टलैंड में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह पिछले साल यहां दूसरे स्थान पर रही थी। इस स्पर्धा में भाग ले रही एक अन्य भारतीय सीमा 32 मिनट 55.91 सेकंड का समय लेकर पांचवें स्थान पर रही। राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के पदक विजेता अविनाश साबले ने पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज में 8 मिनट 21.85 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया।

उन्होंने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में 8 मिनट 11.20 का समय लेकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए रजत पदक जीता था लेकिन यहां वह इस प्रदर्शन को नहीं दोहरा पाए। महिला वर्ग में पिछले साल एशियाई खेलों में स्वर्ण (5000 मीटर) और रजत (3000 मीटर स्टीपलचेज) जीतने वाली पारुल चौधरी

स्टीपलचेज में तीसरे स्थान पर रही।

उन्होंने नौ मिनट 31.38 सेकंड का समय निकाला, जो पिछले साल बुडापेस्ट में बनाए गए उनके नौ मिनट 15.31 के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से लगभग 16 सेकंड अधिक था। इस स्पर्धा में भाग ले रही एक अन्य भारतीय प्रीति 10 मिनट 12.88 सेकंड का समय लेकर 20वें स्थान पर रही। कोलराडो में अभ्यास कर रहे भारत के कई एथलीट पोर्टलैंड ट्रैक फेस्टिवल में भाग ले रहे हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ विजय अभियान जारी रखने उतरेगा दक्षिण अफ्रीका

एजेंसी। न्यूयॉर्क

अपने पहले दो मैच में जीत दर्ज करके ग्रुप डी में शीर्ष पर काबिज दक्षिण अफ्रीका को अगर टी20 विश्व कप में अपना विजय अभियान जारी रखना है तो बांग्लादेश के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले मैच में उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दोनों टीम के लिए नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम की अप्रत्याशित व्यवहार कर रही पिच से सामंजस्य से बिठाना आसान नहीं होगा। दक्षिण अफ्रीका ने हालांकि अपने पहले दो मैच इसी मैदान पर खेले हैं इसलिए वह थोड़ा फायदे में रहेगा। बांग्लादेश ने भी भारत के खिलाफ यहां अभ्यास मैच खेला था। दक्षिण अफ्रीका ने भले ही नीदरलैंड और श्रीलंका पर जीत दर्ज की है लेकिन उसके बल्लेबाज इन दोनों मैच में छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए संघर्ष करते हुए नजर आए। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने हालांकि अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है और इसलिए उसके गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव की संभावना नहीं है जिसमें एनरिक नोर्किया, कैगिसो रबाडा, मार्को यानसन और ओटनील बार्टमेन जैसे तेज गेंदबाज और केशव महाराज जैसा अनुभवी स्पिनर शामिल है। दक्षिण अफ्रीका की चिंता हालांकि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का लचर प्रदर्शन होगा।

टीम इस प्रकार हैं

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्करम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएट्जी, क्विंटन डी कॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नोर्किया, कैगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स।

बांग्लादेश : नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), तस्कीन अहमद, लिटन दास, सौम्या सरकार, तंजीद हसन तमीम, शाकिब अल हसन, तौहीद ह्रदय, महमूद उल्लाह रियाद, जैकर अली अनिक, तनवीर इस्लाम, शाक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरीफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब।

व्यापार/लाइफ व साइंस

पीएम के नेतृत्व में भारत इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग का हब बनने को तैयार : आईसीईए चेयरमैन

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आने वाले वर्षों में भारत वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग का हब बनने को तैयार है। इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के चेयरमैन पंकज मोहिन्द्रू ने रविवार को ये बात कही।

मोहिन्द्रू ने कहा कि पिछले एक दशक में मोबाइल फोन इंडस्ट्री में काफी तेज ग्रोथ देखने को मिली है और इस दौरान भारत में कुल 50 अरब फोन मैन्युफैक्चर हुए हैं। इसने देश में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग की एक मजबूत नींव स्थापित की है।

मोहिन्द्रू ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, एक देश के रूप में हमें सभी सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ना होगा। मोबाइल के साथ भारत आईटी हार्डवेयर, लैपटॉप, डेस्कटॉप, सर्वर, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटो इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य क्षेत्रों में भी इलेक्ट्रॉनिक्स का ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनने को तैयार है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट में आईसीईए ने कहा कि भारत का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन को वित्त वर्ष 2026 तक 300 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। इससे देश में करीब 90 से 100 अरब डॉलर के सेमीकंडक्टर की मांग पैदा होगी।

मोहिन्द्रू ने आगे कहा कि भारत एक वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग के हब बनने की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। पिछले 10 वर्षों में इसमें करीब 400 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

आईसीईए के डेटा के मुताबिक, घरेलू बाजार अगले पांच वर्षों में 65 अरब डॉलर से बढ़कर 180 अरब डॉलर हो सकता है।

ICEA INDIA CELLULAR & ELECTRONICS ASSOCIATION

भारत का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन को वित्त वर्ष 2026 तक 300 अरब डॉलर तक पहुंचाना है।

- **भारत में कुल 50 अरब फोन मैन्युफैक्चर हुए हैं**
- **एक देश के रूप में हमें सभी सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ना होगा**

डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी में दिखेगी भविष्य की झलक

नई दिल्ली। एप्पल की वार्षिक वर्ल्डवाइड डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस (डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी) सोमवार से शुरू होने जा रही है। माना जा रहा है कि इस बार कई नए फीचर्स के अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एएआई) पर कंपनी का फोकस हो सकता है। डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी एक ईवेंट है, जहां एप्पल की ओर से अपने प्रोडक्ट्स के लिए नए सॉफ्टवेयर और फीचर्स को पेश किया जाता है। इस वर्ष उम्मीद की जा रही है कि आईफोन के लिए आईओएस 18 पेश किया जा सकता है। इसके अलावा अन्य ऑपरेटिंग सिस्टम का भी अपटेड आ सकता है। डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी में एप्पल अपने ऑपरेटिंग सिस्टम में एआई को जोड़ सकता है। इसके अलावा सिरी के उपयोग बढ़ाने को लेकर भी ध्यान हो सकता है। कंपनी इसमें लार्ज लैंग्वेज मॉडल जोड़ सकती है, जिससे यह यूजर्स की ओर से पूछे गए सवालों का आसानी से जवाब दे पाए। एप्पल अपने इन एआई फीचर्स को 'एप्पल इंटेलिजेंस' फीचर्स नाम दे सकता है और अपने सभी ऐप्स में जोड़ सकता है।

मस्क ने की भारतीय मूल के इंजीनियर की तारीफ, कहा

उनके बिना हम केवल एक साधारण कार कंपनी

एजेंसी। नई दिल्ली

एलन मस्क ने रविवार को भारतीय मूल के एक इंजीनियर की जमकर तारीफ की। उन्होंने टेस्ला के ऑटोपायलट टीम के पहले कर्मचारी अशोक एलुस्वामी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि उनके और उनकी टीम के बिना हम एक सामान्य कार निमार्ता होते और एक ऑटोनॉमी सप्लायर को खोज रहे होते, जो कि हकीकत में है ही नहीं।

मस्क ने ये बयान ऐसे समय पर दिया है जब एलुस्वामी ने अपने एक नोट में कहा कि वे एआई और ऑटोनॉमी के मुख्य कर्ताधर्ता रहे हैं।

एलुस्वामी ने अपने नोट में आगे कहा कि वे (मस्क) हमें हमेशा सर्वोच्च हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करते रहते हैं, जब हमें लगता है कि वे चीजें पाना बिल्कुल मुश्किल हैं।

इसके बाद मस्क ने एलुस्वामी की पोस्ट को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कोट करते हुए लिखा कि धन्यवाद अशोक। यह पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने टेस्ला की एआई और ऑटोपायलट टीम को ज्वाइन किया था। इसके बाद आज सभी एआई और ऑटोपायलट टीम को लीड कर रहे हैं।

आगे मस्क ने कहा कि वैसे मैंने कभी उन्हें ये सुझाव नहीं दिया कि वे ये सब कहें और उन्हें तब पता लगा जब पोस्ट को 10 मिनट पहले देखा।

एलुस्वामी ने अपने नोट में कहा कि 2014 में ऑटोपायलट एक छोटे से कम्प्यूटर से शुरू हुआ था। उसकी मेमोरी करीब 384 केबी की थी।

उन्होंने इंजीनियरिंग टीम से लेन कीपिंग, लेन बदलना, वाहनों के लिए लोंगिट्युडिनल कंट्रोल और कर्वेचर आदि लागू करने को कहा। टीम के कई लोगों ने सोचा था कि ये बिल्कुल नामुमकिन काम है।

बहरहाल, उन्होंने कभी हार नहीं मानी और टीम को इस बेहद कठिन लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रेरित किया। 2015 में सभी मुश्किलों को मात देते हुए टेस्ला ने दुनिया का पहला ऑटोपायलट सिस्टम बनाया।

आज से खुलेगा ट्रैवल कंपनी इक्सिगो का आईपीओ

नई दिल्ली। ट्रैवल वेबसाइट इक्सिगो की प्रवर्तक कंपनी ले ट्रैवेन्यूज टेक्नोलॉजी लिमिटेड का आईपीओ सोमवार से खुल रहा है। आम निवेशक बुधवार तक इसके लिए बोली लगा सकते हैं। इक्सिगो आईपीओ का इश्यू साइज 740 करोड़ रुपये का है। इसमें फ्रेश इश्यू 120 करोड़ रुपये का और ऑफर फॉर सेल 620 करोड़ रुपये का है। कंपनी ने आईपीओ का प्राइस बैंड 88 रुपये से लेकर 93 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इसका लॉट साइज 161 शेयरों का है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए रिटेल निवेशकों को कम से कम 14,973 रुपये का निवेश करना होगा। कंपनी ने शुक्रवार को बताया था कि उसने आईपीओ खुलने से पहले एंकर निवेशकों से 333 करोड़ रुपये की राशि जुटाई है। एंकर बुक में 23 फंड्स ने भाग लिया है।

अदाणी एयरपोर्ट्स ने वित्त वर्ष 2023-24 में संभाला एक मिलियन टन से ज्यादा कार्गो

एजेंसी। मुंबई

अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) की ओर से रविवार को कहा गया कि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान कंपनी ने एक मिलियन टन एयर कार्गो संभाला है। इसमें सालाना आधार पर 7 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है। पिछले वित्त वर्ष कंपनी ने 9,44,912 मीट्रिक टन कार्गो संभाला गया था।

अदाणी ग्रुप देश में सात एयरपोर्ट्स संभालता है और वित्त वर्ष 2023-24 में 10 लाख मीट्रिक टन कार्गो संभालने के साथ कंपनी का मार्केट शेयर 30.1 प्रतिशत हो गया है।

एएएचएल के सीईओ अरुण बंसल ने कहा कि अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड में हम

लगातार संचालन के नए बेंचमार्क सेट कर रहे हैं। कार्गो टर्मिनल की ओर से एक मिलियन टन का बड़ा माइलस्टोन हासिल किया गया है।

कंपनी ने कहा कि हैंडल किए गए सभी कार्गो में 65 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय था। अंतरराष्ट्रीय कार्गो सालाना आधार पर 9 प्रतिशत बढ़कर 6,62,258 मीट्रिक टन हो गया है, जो कि इससे पिछले वित्त वर्ष 6,06,348 मीट्रिक टन था।

कंपनी द्वारा संभाले गए कार्गो में ऑटोमोबाइल, फार्मा, जल्द नष्ट होने वाली चीजें, इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग गुड्स थे। बंसल ने आगे कहा कि हमारी ये उपलब्धि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कार्गो हैंडल करने में हमारी स्थिति को और मजबूत करती है। वित्त वर्ष 2023-24 के मार्च महीने में मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने सबसे ज्यादा कार्गो संभाला। सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (अहमदाबाद) ने 18 मई को इंडिगो के पहले ए320 नियो मालवाहक विमान का सफलतापूर्वक संचालन किया। अंतरराष्ट्रीय कार्गो संचालन ने चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (लखनऊ) में मार्च 2024 में 700 टन कार्गो संभाला, जो कि अब तक सबसे अधिक है।

एक जुलाई से शुरू होगी अग्निवीर भर्ती रैली

नई दिल्ली। अग्निवीर भर्ती रैली 1 से 10 जुलाई तक उदयपुर में आयोजित की जाएगी। इसमें प्रदेश भर से लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले साढ़े सात हजार से अधिक अभ्यर्थी भाग लेंगे। भारतीय सेना की ओर से भर्ती रैली के प्रभारी कर्नल सिंह ने बताया कि रैली में प्रदेश भर के सभी जिलों से लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थी भाग लेंगे। इसमें उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ जैसे जिले भी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हर दिन औसतन 1000 उम्मीदवारों का परीक्षण किया जाएगा।

अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया दौड़ से शुरू होगी। उम्मीदवार का चयन करने के लिए आगे के परीक्षण और अन्य गतिविधियां होंगी। भर्ती रैली को सफल बनाने के लिए जिलाधिकारी के निर्देश पर तैयारियां की जा रही हैं। पिछले दिनों जिला कलक्टर के निर्देशन में अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर राजीव द्विवेदी की अध्यक्षता में तैयारी बैठक आयोजित की गई थी।

अधिकारियों ने भर्ती रैली स्थल को लेकर आवश्यक व्यवस्थाओं पर चर्चा की और अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। भर्ती रैली का स्थान उदयपुर तय किया गया, क्योंकि इसे उपयुक्त विकल्प माना गया। कथित तौर पर खेलगांव परिसर भर्ती के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है। अग्निवीर रैली भर्ती निम्नलिखित पदों के लिए आवश्यक शैक्षणिक योग्यता वाले उम्मीदवारों का चयन करेगी।

भगवान बिरसा मुंडा शोषित और पीड़ितों के लिए प्रेरणा स्रोत : कल्पना सोरेन

धरती आबा बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर कल्पना सोरेन ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी एवं गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित किए हैं। सोरेन ने रविवार को रांची स्थित अपने आवास पर भगवान बिरसा मुंडा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

मौके पर कल्पना सोरेन ने कहा, भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान और संघर्ष ने आदिवासी समाज सहित पूरे विश्व में आत्मसम्मान और गरिमा की भावना को प्रबल किया। आज वे पूरी दुनिया के शोषित और पीड़ित लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

हर अन्याय के खिलाफ उलगुलान, यही पुरुखों का रास्ता है। उनके दिखाए मार्ग पर हम सदैव आगे बढ़ेंगे, तानाशाहों के समक्ष झुकेंगे नहीं। भगवान बिरसा मुंडा को शत-शत नमन। झारखंड के वीर शहीद अमर रहें। जय झारखंड।

सचिवालय सेवा संघ का क्रमबद्ध आंदोलन कल से

रांची। झारखंड सचिवालय सेवा संघ ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन की घोषणा की है। महासचिव सिद्धार्थ शंकर बेसरा ने क्रमबद्ध आंदोलन करने की बात कही है। ज्ञात हो कि शनिवार को संघ की बैठक हुई थी। सिद्धार्थ शंकर बेसरा ने कहा कि 11 जून को संघ के सदस्य मुख्य सचिवालय प्रोजेक्ट भवन में शाम चार बजे से प्रदर्शन करेंगे। मौन प्रदर्शन के बाद भी अगर संघ की मांगें नहीं मानी गईं, तो 19 और 20 जून को काला बिल्ला लगाकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। फिर भी अगर सरकार मांगों पर विचार करने को बाध्य नहीं हुई, तो 27 जून को कलम बंद हड़ताल की जाएगी।

अबुआ राज ही बिरसा मुंडा को सच्ची श्रद्धांजलि : देवेंद्र महतो

नवीन मेल संवाददाता। रांची

धरती आबा बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर जेबीकेएसएस के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो रांची के कोकर स्थित बिरसा मुंडा समाधि स्थल पर पूरे टीम के साथ मल्यार्पण किया।

देवेंद्र महतो ने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा ने आज के दिन 124 साल पूर्व अल्प आयु में ही जल जंगल जमीन के सरंक्षण के खातिर अपना बलिदान दे दिया। आधुनिक हथियार से लैस अंग्रेज के शोषण, अत्याचार एवं जुर्म के खिलाफ तीर, धनुष और मशाल से अंग्रेजों का कड़ा मुकाबला किया। बिरसा मुंडा का बलिदान को बेकार जाने नहीं दिया जाएगा। अबुआ दिशुम राज स्थापित करना ही बिरसा मुंडा को सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि आज समस्त आदिवासी मूलवासी झारखंडी को चट्टानी एकजुटता का संकल्प लेने की आवश्यकता है, ताकि झारखंड गठन का उद्देश्य, शहीदों का सपना, आंदोलनकारियों का अरमान पूरा हो सके।

मौके पर नरेश मुंडा, राजेश उरांव, प्रकाश, चंदन, संजीव, लक्की, जय प्रकाश, पंकज, गणेश, नवीन आदि उपस्थित थे।

एडीआईपी योजना के तहत वित्त वर्ष 2024-25 के लिए हो रहा है शिविर का आयोजन

दिव्यांग बच्चों के लिए आज से निःशुल्क हेल्थ चेकअप कैंप

राज्य के सभी प्रखंडों में विभिन्न तिथियों पर लगेगा कैंप

शिविर में सहायक उपकरणों का भी होगा वितरण

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राज्य के सभी प्रखंडों में 18 वर्ष तक के दिव्यांगों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं सहायक उपकरण वितरण कैंप का आयोजन किया गया है। यह कैंप 10 जून से शुरू होगा और 5 सितंबर तक चलेगा। इसका आयोजन समावेशी शिक्षा के अंतर्गत संचालित विकलांग व्यक्तियों को सहायक उपकरणों की खरीद, फिटिंग के लिए सहायता योजना (एडीआईपी योजना) के तहत वित्त वर्ष 2024-25 के लिए किया जा रहा है। राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक आदित्य रंजन ने बताया कि झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (जेईपीसी) द्वारा भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), भुवनेश्वर के सहयोग से सभी प्रखंडों में विभिन्न तिथियों में दिव्यांग बच्चों के लिए जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए एलिम्को की पांच टीमें राज्य के सभी प्रखंडों में कार्य करेंगी। प्रत्येक टीम में विभिन्न श्रेणियों के विशेषज्ञ शामिल होंगे एवं निर्धारित तिथियों में प्रखंडों में आयोजित होने वाले जांच शिविरों में भाग लेंगे।

जांच शिविरों के आयोजन से पहले जिला एवं प्रखंड द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि शिविर में प्रखंड के सभी दिव्यांग बच्चे जिन्हें उपर्युक्त सहायक उपकरणों की आवश्यकता है, भाग ले सकें, ताकि इन शिविरों का लाभ अधिक से अधिक जरूरतमंद बच्चों को मिल सके। जिला एवं प्रखंडस्तरीय कर्मियों की यह जवाबदेही होगी कि गृह आधारित शिक्षण प्राप्त कर रहे दिव्यांग बच्चों को भी इस जांच शिविर के क्रम में आवश्यक सहायक सामग्री उपलब्ध हो सके। जांच एवं वितरण शिविर दिन में 09:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक लगाया जाएगा।

12 वर्ष तक के दिव्यांग बच्चे दोबारा पा सकते है सहायक उपकरण : निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं सहायक उपकरण वितरण शिविरों में 12 वर्ष तक के ऐसे दिव्यांग बच्चे, जिन्हें पिछले साल भी सहायक उपकरण मिले थे अथवा उनकी जांच हुई थी, वे दोबारा सहायक उपकरण पाने के योग्य हैं अथवा इस वर्ष वे पुनः निःशुल्क जांच का लाभ ले सकते हैं। मगर पुनः सहायक सामग्री वितरण का लाभ केवल 12 तक के दिव्यांग बच्चों को ही मिलेगा।

पदाधिकारियों को दिव्यांग बच्चों को कैंप तक लाने की जिम्मेदारी : झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच अथवा सहायक उपकरण वितरण शिविरों की मॉनीटरिंग के लिए प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, रिसोर्स शिक्षक, थेरेपिस्ट, बीआरपी, सीआरपी तथा चिह्नित दिव्यांग बच्चों के पोषक क्षेत्र के विद्यालयों के शिक्षकों, प्रधान शिक्षक, ग्राम शिक्षा समिति के ऊपर जरूरतमंद बच्चों को चिह्नित कर उन्हें शिविरों तक लाने की जिम्मेदारी दी गई है। बच्चों को कैंप तक आने में सहूलियत हो, इसके लिए पदाधिकारियों द्वारा आवश्यकतानुसार वाहन की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। प्रत्येक कैंप में उस क्षेत्र के सभी दिव्यांग बच्चे उपस्थित हों, यह सुनिश्चित कराना होगा। दिव्यांग बच्चों को कैंप तक लाने और ले जाने के लिए शिक्षक और सीआरपी की जिम्मेदारी तय की गई है। कैंप में बच्चों के लिए भोजन एवं पेयजल की भी पर्याप्त व्यवस्था की जाएगी।

शिविर में शामिल होने वाले बच्चों को साथ लाना होगा जरूरी दस्तावेज

कैंप में आने वाले बच्चो को अपने साथ दो प्रति फोटोग्राफ, दिव्यांगता प्रमाण पत्र की छाया प्रति, बच्चा अथवा उसके माता पिता का आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र अथवा दिव्यांगता छात्रवृत्ति प्रमाण पत्र लाना होगा। यदि किसी बच्चे के पास आय प्रमाण पत्र नहीं हो, तो संबंधित ग्राम प्रधान/मुखिया से प्रमाण पत्र प्राप्त किया जा सकता है। दिव्यांगता प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में विद्यालय के प्रधान शिक्षक, समग्र शिक्षा अभियान के अधिकृत पदाधिकारी, एलिम्को के प्रतिनिधि तथा सरकारी चिकित्सा पदाधिकारी के संयुक्त हस्ताक्षर से बच्चे को दिव्यांगता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जाएगा। कैंप स्थल में काउच बेड एवं व्हील चेयर की व्यवस्था होगी। इस कैंप में श्रवण बाधित बच्चों के लिए ऑडियो मीटर समेत जरूरी सामग्रियों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

जांच-वितरण शिविरों की तिथि

जिला - अवधि
खूंटी- 10 जून से 15 जून तक
रामगढ - 18 जून से 24 जून तक
सिमडेगा - 10 जून से 21 जून तक
लातेहार/गोड्डा/धनबाद - 10 जून से 20 जून तक
पूर्वी सिंघभूम - 8 जुलाई से 20 जुलाई
पश्चिमी सिंहभूम - 22 जुलाई से 12 अगस्त
गिरिडीह - 5 जुलाई से 20 जुलाई
सरायकेला खरसांवा - 26 जून से 5 जुलाई
गुमला - 24 जून से 6 जुलाई
रांची - 18 जुलाई से 8 अगस्त
गढ़वा - 18 जुलाई से 10 अगस्त
कोडरमा - 12 अगस्त से 20 अगस्त
चतरा - 22 अगस्त से 5 सितंबर
देवघर - २२ जून से ३ जुलाई
पाकुड़ - 12 जुलाई से 19 जुलाई
बोकारो - 22 जून से 2 जुलाई
जामताड़ा - 4 जुलाई से 10 जुलाई
दुमका - 22 जुलाई से 1 अगस्त
साहिबगंज - 3 अगस्त से 14 अगस्त
पलामू - 22 जून से 16 जुलाई
लोहरदगा - 8 जुलाई से 15 जुलाई
हजारीबाग - 22 जुलाई से 8 अगस्त

झारखंड के गांव और शहरों में 19 से 26 जून तक चलेगा नशा विरोधी अभियान

अभियान में आम लोगों की भी होगी सहभागिता

सूचना जनसंपर्क विभाग का भी अहम रोल

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड सरकार ने नशा विरोधी अभियान की कार्ययोजना बना ली है। गृह विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने इसकी कार्ययोजना तैयार की है। यह अभियान पूरे प्रदेश में 19 से 26 जून तक चलेगा, जिसमें लोगों से नशीले पदार्थ का सेवन नहीं करने की अपील की जाएगी। जो नशा करते हैं, उनसे इसे छोड़ने को कहा जाएगा। इस अभियान के सफल संचालन के लिए कई विभागों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। महिला बाल विकास विभाग की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

जानकारी के अनुसार, इस अभियान में आम लोगों की भी सहभागिता रहेगी। इसके तहत गांव-शहर, स्कूल, पर्यटन स्थल से लेकर वन क्षेत्र तक की आबादी को कवर किया जाएगा। 11 जून तक इस कार्यक्रम के लिए संबंधित विभागों व जिला को प्रचार सामग्री उपलब्ध करा दिया जाएगा।

सूचना जनसंपर्क विभाग भी 11 जून तक एवी, रेडियो जिंगल्स, शॉर्ट फिल्म, पोस्टर, पंपलेट इत्यादि उपलब्ध कराएगा। स्कूली शिक्षा विभाग कार्यक्रम की सफलता के लिए 12 व 13 जून को रांची में एक कार्यशाला भी आयोजित कर रहा है। इसमें राज्य के सभी डीईओ व डीएसई शामिल होंगे। 13 व 14 जून के वर्कशॉप में एनसीसी व एनएसएस के सदस्यों को भी शामिल किया जाएगा।

इन कार्यक्रमों का भी होगा आयोजन

- 16 जून 2024 से 23 जून तक लगातार सभी नगर निकायों के अपशिष्ट संग्रहण गाड़ियों में ध्वनि प्रसारक यंत्र के सहायता से मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव के संबंध में जानकारी दी जाएगी।
- 23 जून को एनयूएलएम, डीएनयूएलएम योजना के स्वयं सेवा समूह के सहयोग से मानव शृंखला बनाकर तथा अन्य साधनों से सभी नगर निकायों में मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम चलेगा।
- 24 जून को सभी नगर निकायों में पार्क, सेल्फी प्वाइंट, पोस्टर बैनर आदि के माध्यम से जागरूक किया जाएगा।

चौपाल 19 जून को

19 जून को पूरे राज्य में ग्राम स्तर पर चौपाल लगेगा। इसके सफल संचालन के लिए ग्रामीण विकास विभाग की संस्था जेएसएलपीएस, एसएचजी ग्रुप, झारखंड फॉरेस्ट मैनेजमेंट कमेटी, पंचायती राज संस्थाएं कार्य करेंगी। जिला स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम व कार्यशाला का आयोजन 20 जून को होगा। जिला प्रशासन इस काग्रक्रम में सहयोग देगा। 21 जून को प्रखंड स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम होगा। 23 व 24 जून को हाट-बाजार आदि में जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा। इसमें सूचना एवं जनसंपर्क विभाग सहयोग देगा। प्रत्येक जिले में 5 से 6 अधिकारी विशेष रूप से इस कार्य के लिए अधिकृत किए जाएंगे।

बिरसा मुंडा महान क्रांतिकारी थे : संदीप

जल, जंगल एवं जमीन की रक्षा के लिए शुरू किया उलगुलान

अकाल में गरीबों एवं असहायों की देखभाल की : अर्जुन राम

नवीन मेल संवाददाता। रांची

वनवासी कल्याण आश्रम के सभागार में रविवार को जनजाति सुरक्षा मंच एवं सेवाधाम पुरातन छात्र परिषद के संयुक्त तत्वावधान में भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए जनजाति सुरक्षा मंच के क्षेत्रीय संयोजक (झारखंड-बिहार) संदीप उरांव ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा मात्र 25 साल की उम्र में देश के लिए शहीद होकर लोगों को अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई के लिए प्रेरित किया। इसके चलते देश आजाद हुआ। मुंडा आदिवासियों एवं अन्य सभी द्वारा बिरसा को आज भी धरती आबा के नाम से पूजा जाता है। भगवान बिरसा ने अंग्रेजों की लागू की गई जमींदारी प्रथा और राजस्व-व्यवस्था के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने जल, जंगल एवं जमीन की रक्षा के लिए उलगुलान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि 19वीं शताब्दी के अंत में अंग्रेज कुटिल नीति अपनाकर आदिवासियों को लगातार जल, जंगल जमीन और उनके प्राकृतिक संसाधनों से बेदखल करने लगे। हालांकि, आदिवासी विद्रोह करते थे, लेकिन संख्या बल में कम होने एवं आधुनिक संसाधनों की अनुपलब्धता के कारण उनके विद्रोह को कुछ ही दिनों में दबा दिया जाता था। यह सब देखकर बिरसा मुंडा विचलित हो गए और अंततः 1895 में अंग्रेजों की लागू की गई जमींदारी प्रथा और राजस्व-व्यवस्था के खिलाफ लड़ाई के साथ-साथ जंगल-जमीन की लड़ाई छेड़ दी। यह मात्र विद्रोह नहीं था। यह आदिवासी अस्मिता, स्वायतत्ता और संस्कृति को बचाने के लिए संग्राम था। पिछले सभी विद्रोह से सीखते हुए, बिरसा मुंडा ने पहले सभी आदिवासियों को संगठित किया और फिर अंग्रेजों के खिलाफ महाविद्रोह 'उलगुलान' छेड़ दिया। भाजपा नेता सह समाजसेवी अर्जुन राम ने कहा कि बिरसा मुंडा का ध्यान मुंडा समुदाय की गरीबी की ओर गया। आदिवासियों का जीवन अभावों से भरा हुआ था। इस स्थिति का फायदा मिशनरी उठाने लगे थे और आदिवासियों को ईसाइयत का पाठ पढ़ाते थे। गरीब आदिवासियों को यह कहकर बरगलाया जाता था कि तुम्हारे ऊपर जो गरीबी का प्रकोप है, वो ईश्वर का है। हमारे साथ आओ, हमें तुम्हें भात देंगे, कपड़े भी देंगे। उस समय बीमारी को भी ईश्वरीय प्रकोप से जोड़ा जाता था।

बिरसा मुंडा के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता : नीरज

कांग्रेस ने मनाया धरती आबा बिरसा मुंडा का शहादत दिवस

नवीन मेल संवाददाता। रांची

कांग्रेस प्रदेश कमेटी के तत्वावधान में धरती आबा बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि शहादत दिवस के रूप में रविवार को रांची के कांग्रेस भवन में मनाई गई। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। मौके पर प्रदेश कांग्रेस महासचिव अमूल्य नीरज खलको ने कहा कि आज पूरे राज्य भर में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि वृहत रूप से मनाई जा रही है। अंग्रेजों के शोषणकारी प्रवृत्ति की वजह से मुंडाओं की सामूहिक खूंटकटी व्यवस्था नष्ट होने के कगार पर पहुंच गई थी। बिरसा मुंडा का क्रांतिकारी मन इनके खिलाफ बगावत से भर उठा। उन्होंने अपने अनुचरों के साथ अंग्रेजों के खिलाफ 1897 में उलगुलान (क्रांति) की शुरुआत की। वीर बिरसा आरंभ से ही जल, जंगल, जमीन की रक्षा और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहे। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के नायकों में इनका नाम अमर शहीदों की सूची में शुमार है। अंग्रेजों के खिलाफ लड़ते-लड़ते कारावास में उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने ने कहा कि वीर बिरसा मुंडा के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में राजीव रंजन प्रसाद, मदन मोहन शर्मा, राजेश कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

इलेक्शन

झारखंड पार्टी के समक्ष अस्तित्व बचाने की चुनौती

लोकसभा चुनाव में 99 फीसदी लोगों ने नकारा

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड अलग राज्य आंदोलन की बुनियाद रखने वाली झारखंड पार्टी (झापा) के समक्ष आज अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। 1952 से 1972 तक खूंटी सुरक्षित संसदीय क्षेत्र में झारखंड पार्टी का एकछत्र साम्राज्य था। उसके उम्मीदवारों ने लगातार जीत हासिल की थी। झापा के कभी बिहार विधानसभा में 32 विधायक हुआ करते थे। लेकिन, आज स्थिति दयनीय हो गई है। खूंटी खासकर तोरपा, कोलेबिरा जैसे विधानसभा क्षेत्र में दूसरी पार्टियों के चुनाव प्रचार वाहन तक नहीं जाते थे। मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा और बाद में एनई होरो की एक आवाज पर पूरा गांव एकजुट हो जाता था, आज उसी पार्टी के समक्ष अपनी पहचान बचाने की चुनौती खड़ी हो गई है। पार्टी के घटते जनाधार का अनुमान सिर्फ इस बात से लगाया जा सकता है कि इस वर्ष के लोकसभा चुनाव में झारखंड पार्टी एक फीसदी लोगों का भी समर्थन पाने में विफल रही है।

इससे पहले, वर्ष 2014 के संसदीय चुनाव में झारखंड पार्टी दूसरे स्थान पर थी। पार्टी प्रयाशी एनोस एक्का ने भाजपा के कड़िया मुंडा को कड़ी टक्कर दी थी।

झापा को 38 बूथों में एक भी वोट नहीं मिला

तोरपा विधानसभा क्षेत्र झारखंड पार्टी का सबसे मजबूत गढ़ था। एनई होरो कई बार यहां से विधायक रहे हैं। वर्ष 2024 के संसदीय चुनाव में तोरपा विधानसभा क्षेत्र में झारखंड पार्टी का प्रदर्शन बहुत ही खराब रहा। यहां पार्टी प्रत्याशी को महज 672 वोट मिले। तोरपा विधानसभा क्षेत्र के 38 बूथों में झापा को एक भी वोट नहीं मिला। वहीं, 48 बूथों में एक, 52 बूथों में दो वोट मिले। 252 मतदान केंद्रों में से 246 बूथों में इसे दस से भी कम वोट मिला।

चुनाव प्रचार में भी नहीं दिखाई रुचि

कुछ लोग तो झारखंड पार्टी के चुनाव लड़ने की मंशा पर ही सवालिया निशान लगा रहे हैं। उनका कहना है कि चुनाव के दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की निष्क्रियता से साफ हो गया था कि किसी खास प्रत्याशी को लाभ पहुंचाने के लिए पार्टी नेताओं ने मतदाताओं से दूरी बना ली। पार्टी नेता और कार्यकर्ताओं ने न तो चुनाव प्रचार में रुचि दिखाई और न ही मतदान के दिन पार्टी नेता कहीं नजर आए।

एक प्रतिशत से भी कम वोट मिले

वर्ष 2024 के संसदीय चुनाव में झारखंड पार्टी का प्रदर्शन सबसे खराब रहा। पार्टी उम्मीदवार को एक प्रतिशत से भी कम वोट मिले। झारखंड पार्टी को नोटा से भी कम मात्र 8,532 वोट मिला, जबकि 21,919 मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया। झारखंड पार्टी जमानत भी नही बचा पायी। निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरे बसंत लोंगा को झारखंड पार्टी से अधिक 10,755 वोट हासिल हुआ। इसका सीधा अर्थ है कि क्षेत्र की 99 फीसदी से अधिक लोगों ने झारखंड पार्टी को नकार दिया।

मोदी 3.0 : शपथ ग्रहण से पहले राजघाट पर प्रधानमंत्री मोदी ने बापू को किया नमन

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री पद के लिए मनोनीत नरेंद्र मोदी रविवार को महात्मा गांधी की समाधि राजघाट पहुंचे। इसके बाद सदैव अटल पर पहुंच कर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि भी दी। नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के रूप में लगातार अपना तीसरा कार्यकाल शुरू करने जा रहे हैं।

शपथ ग्रहण समारोह के दिन की शुरूआत उन्होंने राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि अर्पित करके की। शाम 7:15 बजे शुरू होने वाले शपथ ग्रहण समारोह से पहले सुबह नरेंद्र मोदी राजघाट पहुंचे। वहां उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धाजंलि अर्पित की। राजघाट के दौरे के बाद मोदी ने दिग्गज भाजपा नेता और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की समाधि 'सदैव अटल' पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

'सदैव अटल' और 'समर स्मारक' भी पहुंच दी श्रद्धांजलि

देश के कुछ हिस्सों में 'लू' रहेगी बरकरार

कहीं बरसेंगे बदरा, तो कहीं छूटेंगे पसीने

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में कहीं-कहीं सूरज की तल्खी दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। दिन में गर्म हवाएं चल रही हैं तो धूप इतनी तीखी हो रही है कि बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। पारा 43 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अब मौसम को लेकर नई जानकारी दी है। आईएमडी के अनुसार कहीं-कहीं कुछ दिनों तक लू की स्थिति ऐसी ही रहेगी, जबकि कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना भी है। आईएमडी का कहना है, अगले पांच दिनों के दौरान पूर्वी भारत और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में लू चलती रहेगी। यहां फिलहाल राहत मिलने का कोई आसार नहीं है। सूरज निकलते ही शहरों में सन्नाटा छा जा रहा है। तीखी धूप सीधे पड़ने से लोग घरों में छिप जा रहे हैं। घाट पर पेड़ों के नीचे बैठ जा रहे हैं। तापमान बढ़ने के कारण आमजन के साथ जानवर भी बेहाल हैं।

यहां बरसेंगे बदरा

मौसम विभाग की माने तो नौ और 10 जून को दक्षिण कोंकण और गोवा, दक्षिण मध्य महाराष्ट्र और तटीय और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में अधिक से बहुत अधिक बारिश होने की संभावना है। नौ जून से उत्तर-पश्चिम भारत में लू की स्थिति का एक नया दौर शुरू होने की संभावना है।

जम्मू में 70 से ज्यादा विदेशी आतंकवादी सक्रिय, 15वीं कोर के जीओसी ने की पुष्टि

एजेंसी

श्रीनगर। श्रीनगर स्थित सेना की 15वीं कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने रविवार को केंद्र शासित प्रदेश में विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में जम्मू-कश्मीर के डीजीपी आर.आर. स्वैन द्वारा बताये गये आंकड़ों की पुष्टि की। उत्तरी कश्मीर के बारामूला में जनरल बिपिन रावत स्टेडियम में कारगिल के युद्धवीरों के सम्मान समारोह से इतर संवाददाताओं से बात करते हुए लेफ्टिनेंट जनरल घई ने कहा, डीजीपी आर.आर. स्वैन ने जम्मू-कश्मीर में 70-80 विदेशी आतंकवादियों के सक्रिय होने की जो बात कही है वह सही है। जीओसी ने कहा कि सुरक्षा बलों ने अब स्थानीय की बजाय विदेशी आतंकवादियों पर फोकस करना शुरू कर दिया है।

उन्होंने कहा, सभी सुरक्षा एजेंसियां पूरे तालमेल के साथ इन विदेशी आतंकवादियों से निपट रही हैं। दक्षिण कश्मीर में सबसे लंबे समय तक एलईटी का कमांडर रहे रियाज दार के मारे जाने पर जीओसी ने कहा कि आतंकवादियों के खिलाफ हर अभियान सफल हो रहा है। उन्होंने कहा कि कश्मीर में एलओसी पर हालात स्थिर हैं। उन्होंने सेना के हिमालयन रेजिमेंट की तारीफ करते हुए कहा, कारगिल युद्ध में इस रेजीमेंट ने दुश्मनों को करारी शिकस्त दी।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने रविवार को भारत रत्न एवं वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी से नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान आडवाणी की बेटी प्रतिभा आडवाणी भी मौजूद थीं।

गाजा में इजरायली हवाई हमले में 210 फिलिस्तीनियों की मौत

एजेंसी

गाजा। गाजा पट्टी में ताजा इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 210 फिलिस्तीनी मारे गए और 400 से अधिक अन्य घायल हो गए। इजरायली सेना ने कहा कि उसने इस दौरान चार बंधकों को छुड़ा लिया है। सेंट्रल गाजा के डेर अल-बलाह में अल-अक्सा अस्पताल के निदेशक खलील अल-दकरान ने सिन्हुआ समाचार एजेंसी को बताया कि इजरायली बमबारी के कारण बड़ी संख्या में घायल फिलिस्तीनियों को अस्पताल भेजा गया है, जिनमें से कुछ की मौत की पुष्टि हो गई है। फिलिस्तीनी प्रत्यक्षदर्शियों ने सिन्हुआ समाचार एजेंसी को बताया कि इजरायली विमानों ने इस इलाके को निशाना बनाया और जबरदस्त बमबारी की। इस इलाके में काफी देर तक धुआं उठते हुए देखा गया। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने कहा कि नुसेरत शिविर पर फिलिस्तीनी आतंकवादियों और इजरायली सैनिकों के बीच घातक झड़पें हुईं। इस दौरान इजरायली सैनिकों ने कई आतंकवादियों को मार गिराया। हमास के राजनीतिक ब्यूरो के प्रमुख इस्माइल हनीयेह ने एक बयान में कहा कि इजरायल ने बच्चों और महिलाओं को निशाना बनाया।

वरिष्ठ पीडीपी नेता के बेटे का निधन, महबूबा व उमर ने जताया शोक

श्रीनगर। वरिष्ठ पीडीपी नेता सरताज मदनी के बेटे का रविवार को कुलगाम जिले में उनके आवास पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। पीडीपी नेता व पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती और उमर अब्दुल्ला ने मदनी के बेटे के निधन पर शोक जताया। बताया गया कि वरिष्ठ पीडीपी नेता सरताज मदनी का 39 वर्षीय बेटा अरुत मदनी कल रात सोए थे। रविवार सुबह जब उनके परिजनों ने जगाया तो वे बेहोश की अवस्था में मिले। परिजन अरुत को लेकर अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मदनी के बेटे की मौत की खबर पर महबूबा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दुख जताया। उन्होंने लिखा, 'मुझे बहुत दुख हो रहा है। हमने अरुत मदनी को खो दिया। सरताज साहब के बेटे का रविवार की सुबह दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया।

बीजद नेता पांडियन ने सक्रिय राजनीति से लिया संन्यास

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के करीबी माने जाने वाले बीजू जनता दल (बीजद) के नेता वी.के. पांडियन ने रविवार को सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लिया। पांडियन ने रविवार को एक वीडियो जारी कर अपने फैसले की घोषणा की। पूर्व आईएएस अधिकारी ने कहा कि उन्होंने अपनी अंतरात्मा की आवाज पर यह फैसला किया है। उन्होंने हाल ही में विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार की तरफ इशारा करते हुए कहा कि वह कुछ पॉलिटिकल नैरेटिव का समय पर जवाब देने में असफल रहे। उन्होंने कहा कि उनके ऊपर विरोधी दलों द्वारा लगाये गये आक्षेप यदि इस चुनाव में पार्टी की हार का कारण रहे हैं तो वह इसके लिए माफी चाहते हैं। ओडिशा की 147 सदस्यीय विधानसभा के लिए हुए चुनाव में भाजपा को 78 और बीजू जनता दल को 51 सीटों पर जीत मिली है। कांग्रेस ने 14 और माकपा ने एक सीट जीती जबकि तीन निर्दलीय उम्मीदवार विजयी रहे। वहीं, लोकसभा की 21 सीटों में से 20 भाजपा के खाते में और एक कांग्रेस के खाते में गई जबकि बीजद एक भी सीट नहीं जीत सकी।

पुलवामा से दो आईईडी बरामद बम निरोधक दस्ते ने नष्ट किया

पुलवामा। पुलवामा जिले के एक खेत से दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद की गई। अधिकारी ने बताया कि रविवार को सुरक्षाबलों को पुलवामा जिले के नेहामा इलाके से दो प्लास्टिक कंटेनरों में जमीन के अंदर दबाई गई आईईडी बरामद हुई। अधिकारियों ने बताया कि बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया और बिना किसी नुकसान के आईईडी को नष्ट कर दिया गया।

पाकिस्तान सरकार पर उनके साथी दल पीपीपी ने लगाया गंभीर आरोप

बजट के बारे में नहीं की कोई चर्चा

एजेंसी

पाकिस्तान। पाकिस्तान सरकार के 12 जून को वित्तीय वर्ष 2024-25 का बजट पेश करने की संभावना जताई जा रही है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने बताया कि गठबंधन सहयोगी होने के बावजूद सत्तारूढ़ पीएमएल-एन के नेतृत्व वाली सरकार ने आने वाले संघीय बजट पर उनसे परामर्श ही नहीं किया।

रविवार को मीडिया रिपोर्ट में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने पीएम शहबाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज पार्टी पर बजट संबंधी चर्चा न करने का आरोप लगाया। यह भी बताया कि बजट के लिए उन्हें विश्वास में नहीं लिया गया। पाकिस्तान

पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के नेता सैयद खुर्शीद अहमद शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार ने न तो हमें बजट के संबंधित कुछ बताया और न ही हमें विश्वास में लिया।

सैयद खुर्शीद अहमद शाह ने अपना पल्ला झाड़ते हुए कहा कि हमें नहीं पता कि पीएमएल-एन निजीकरण नीति, करों, विकास कार्यक्रमों के बारे में क्या कर रही है। पीपीपी के शाह ने कहा कि बिलावल भुट्टो के नेतृत्व वाली पीपीपी को राहत के बारे में कुछ भी पता नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि सरकार बजट बना रही है या अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का बजट थोपा जा रहा है।

बता दें कि 8 फरवरी को आम चुनावों में बड़े पैमाने पर धांधली के आरोप लगाए गए। इसके बाद पीएमएल-एन और पीपीपी ने खंडित चुनावी नतीजों के बाद गहन बातचीत के बाद गठबंधन सरकार बनाई। उन्होंने अपना दुख प्रकट करते हुए बताया कि बजट में पीपीपी के प्रस्तावों को शामिल नहीं किया गया।

मेरी पार्टी बदले की भावना से काम नहीं करती : नवाज शरीफ

पाक के पूर्व पीएम नवाज शरीफ ने एक और पूर्व पीएम इमरान खान को देश में राजनीतिक सुलह के रास्ते में मुख्य बाधा बताया है। शरीफ ने राजनीतिक सुलह के लिए बातचीत के प्रति सत्तारूढ़ पीएमएल-एन पार्टी की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि वह बदले की भावना से काम नहीं करती है। शरीफ ने यह टिप्पणी शुक्रवार शाम को पार्टी सीनेटरों के साथ एक बैठक के दौरान की। इस बैठक में खान की पीटीआई पार्टी के साथ बातचीत के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई। शरीफ ने कहा कि पूर्व पीएम खान खुद वार्ता की प्रक्रिया में गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं।

चिंताजनक / ग्रीनलैंड की बर्फ में पहली बार मिले विशाल विषाणु

समुद्र के हरे शैवाल को संक्रमित करने में माहिर

ये वायरस न केवल ज्यादा बड़े होते हैं, बल्कि वातावरण में लंबे समय तक जीवित रहने की इनकी क्षमता भी बहुत अधिक होती है

एजेंसी

नई दिल्ली। वैज्ञानिकों को पहली बार ग्रीनलैंड में जमा बर्फ में विशाल (जायंट) वायरसों की मौजूदगी के सबूत मिले हैं। यह वायरस आकार में बैक्टीरिया से भी बड़े हैं। हालांकि, इसके बावजूद इन विषाणुओं को माइक्रोस्कोप की मदद के बिना नहीं देखा जा सकता। इनके बारे में एक और चिंताजनक बात यह है कि ये वायरस न केवल ज्यादा बड़े होते हैं, बल्कि वातावरण में लंबे समय तक जीवित रहने की इनकी क्षमता भी बहुत अधिक होती है।

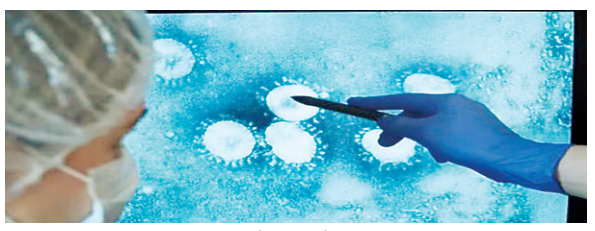

इन विशाल वायरसों को पहली बार 1981 में देखा गया था, जब वैज्ञानिकों को इनकी समुद्र में मौजूदगी का पता चला था। ये वायरस समुद्र में हरे शैवाल को संक्रमित करने में माहिर हैं। बाद में इन्हें जमीन, मिट्टी और यहां तक की मनुष्यों में भी खोजा गया था। शोधकर्ताओं के अनुसार, इनके केंद्र में डीएनए का एक समूह होता है। इस डीएनए में प्रोटीन के निर्माण के लिए आवश्यक सभी आनुवंशिक जानकारी या नुस्खे होते हैं जो अधिकतर वायरस में काम करते हैं, लेकिन इन नुस्खों का उपयोग करने के लिए वायरस के डबल-स्ट्रैंडेड डीएनए को सिंगल-स्ट्रैंडेड एमआरएनए में बदलने की आवश्यकता होती है। सामान्य वायरस ऐसा नहीं कर सकते। इसके बजाय उनके पास आरएनए के स्ट्रैंड होते हैं, जो वायरस से कोशिका को संक्रमित करने और उसकी मशीनरी पर कब्जा करने के बाद सक्रिय होने की प्रतीक्षा करते हैं। वहीं, दूसरी तरफ विशाल वायरस स्वयं ऐसा कर सकते हैं जो उन्हें सामान्य वायरस से बहुत अलग बनाता है।

शोधकर्ताओं के अनुसार, चूंकि ये विशाल वायरस अपेक्षाकृत नई खोज है, ऐसे में इनके बारे में ज्यादा जानकारी मौजूद नहीं है। ज्यादातर वायरसों से इतर इनके पास कई सक्रिय जीन होते हैं जो उन्हें डीएनए की मरम्मत करने के साथ-साथ प्रतिकृति तैयार करने और उनका उपयोग करने की अनुमति देते हैं। उनके पास ये जीन क्यों हैं और वे उनका उपयोग कैसे करते हैं यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। इन वायरस की खोज के लिए शोधकर्ताओं ने नमूनों में सभी डीएनए का विश्लेषण किया।

चारधाम यात्रा में बढ़ा मौत का आंकड़ा अब तक गई 100 तीर्थयात्रियों की जान

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा सुचारू ढंग से संचालित हो रही है। हर रोज चारों धामों में हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंच रहे हैं। दूसरी तरफ चारधाम यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं की मौतों का आंकड़ा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। 10 मई से शुरू हुई चारधाम यात्रा के दौरान अब तक 100 यात्रियों की मौत हो चुकी है।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की ओर से रविवार को सचिवालय स्थित कंट्रोल रूम से तीर्थयात्रियों की मौत की रिपोर्ट जारी की गई है। राज्य

आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, कपाट खुलने के बाद से अब तक केदारनाथ में सबसे ज्यादा 49 तीर्थयात्रियों की मौत हो चुकी है। इसके बाद बद्रीनाथ में 22 तो यमुनोत्री में 22 व गंगोत्री में सात श्रद्धालुओं की जान तीर्थयात्रा के दौरान जा चुकी है। तीर्थयात्रियों की मौत के बढ़ते आंकड़ों को लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यात्रा के दौरान मौत के मामलों में अधिकांश बुजुर्ग और पहले से किसी बीमारी से ग्रस्त लोग शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि चारधाम यात्रा के पहले तीर्थयात्रियों की स्क्रीनिंग कराई जा रही है। विभाग के अनुसार, अब तक करीब दो लाख श्रद्धालुओं की स्क्रीनिंग कराई जा चुकी है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में तीर्थयात्री बीमारी छुपाकर यात्रा के लिए पहुंच रहे हैं।